



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24092022-239099
CG-DL-E-24092022-239099

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 223]
No. 223]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 23, 2022/आश्विन 1, 1944
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 23, 2022/ ASVINA 1, 1944

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 2022

(मामला सं. एडी(ओआई) - 13/2021)

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स” के आयातों के संबंधित पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 6/13/2021-डीजीटीआर.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (इसके बाद इसे “अधिनियम” भी कहा गया है) और समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे “पाटनरोधी नियमावली” या “नियमावली” भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

क. मामले की पृष्ठभूमि

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे “प्राधिकारी” भी कहा गया है) को अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार चंदन स्टील लिमिटेड, टुबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्युशन्स लिमिटेड (जिन्हें आगे “आवेदक” या “घरेलू उद्योग” भी कहा गया है) से एक याचिका प्राप्त हुई है जिसमें चीन

जन.गण. (जिसे आगे “संबद्ध देश” भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स (जिसे आगे “विचाराधीन उत्पाद” या “संबद्ध वस्तु” भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

2. और यतः, आवेदकों द्वारा दायर विधिवत् रूप से साक्ष्यांकित याचिका तथा पर्याप्त प्रथमदृष्टया साक्ष्य के मद्देनजर प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना सं. 6/13/2021-डीजीटीआर दिनांक 10 सितंबर, 2021 के माध्यम से पाटनरोधी जांच शुरु की थी ताकि संबद्ध वस्तु के किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए तो घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

ख. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले वर्तमान पाटनरोधी याचिका की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया था।
- ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 10 सितंबर, 2021 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ग. नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था। प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास के ज़रिए उसकी सरकार, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए ई-मेल पतों के अनुसार जांच शुरुआत अधिसूचना की एक-एक प्रति ई-मेल की थी और विहित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।
- घ. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास के ज़रिए उसकी सरकार और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को याचिका के अगोपनीय अंश की एक प्रति भेजी थी। जब भी अनुरोध किया गया, याचिका के अगोपनीय पाठ की एक प्रति अन्य इच्छुक पार्टियों को परिचालित की गई थी।
- ड. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए निर्यातक प्रश्नावली भेजी थी।
- च. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को विहित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था। ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों की सूची के साथ दूतावास को भी भेजी गई थी।
- छ. संबद्ध जांच की जांच शुरुआत अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर देकर प्रतिक्रिया दी है:
 - i. झेजियांग बंगनुओ स्टील पाइप कंपनी लिमिटेड (“झेजियांग बंगनुओ”)
 - ii. वेनझोऊ स्पार्कलिंग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड
(“वेनझोऊ स्पार्कलिंग”)
 - iii. झे जियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील कंपनी लिमिटेड
(“होंगकुआन”)
 - iv. झेजियांग यिनलोंग स्टेनलेस स्टील कंपनी लिमिटेड
(“यिनलोंग”)

- v. झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड ("यिनलाई")
- vi. झेजियांग हुआटाइन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
- vii. वेनझोऊ हुआचाओ टेक कंपनी लिमिटेड ("हुआचाओ")
- viii. वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ("वेनझोऊ सोडो")
- ix. वेनझोऊ गिसन स्टेनलेस स्टील कंपनी लिमिटेड ("वेनझोऊ गिसन")
- x. लियो रोनाल्डो (यूके) हाई-टेक मेटल्स लिमिटेड ["लियो रोनाल्डो (यूके)"]
- xi. झेजियांग यि जिया वांग स्टील ट्यूब कंपनी लिमिटेड ("यि जिवांग")
- xii. वेनझोऊ न्यू सक्सीड इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी, लिमिटेड ("वेनझोऊ न्यू सक्सीड")
- xiii. झेजियांग जियुलि हाई-टेक मेटल्स कंपनी लिमिटेड ("जियुलि")
- xiv. शेंगटक न्यू मैटिरियल्स कंपनी लिमिटेड
- xv. सैंडविक इंटरनेशनल ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लिमिटेड
- xvi. सैंडविक मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी (चीन) कं. लिमि.
- xvii. जियांगसु व्युजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लिमिटेड
- xviii. झेजियांग डिंगशांग स्टेनलेस स्टील कं. लिमिटेड ("डिंगशांग")
- xix. झेजियांग जिनक्सिन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरर कंपनी लिमिटेड ("जिनक्सिन")
- xx. झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ("जुंडा")
- xxi. झेजियांग किसटोंगडा स्पेशल स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ("किसटोंगडा")
- xxii. झेजियांग टीसिंगशान स्टील पाइप कंपनी लिमिटेड
- xxiii. हौडी स्टील ग्रुप कंपनी लिमिटेड
- ज. दि चाइना चैम्बर ऑफ कॉमर्स फॉर मेटल्स, मिनरल्स एंड केमिकल्स इम्पोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स (सीसीसीएमसी) ने केवल क्षति और लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए हैं।
- झ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी थी।

- ज. संबद्ध जांच की शुरुआत के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:
- हैवी मेटल एंड ट्यूब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
 - क्रिस्टल ग्लोबल इंजीनियरिंग लिमिटेड
 - मैक्सिमम ट्यूब्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
 - एमबीएम ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड
 - पटेल्स एयरफ्लो लिमिटेड
 - रत्नदीप मेटल एंड ट्यूब्स लिमिटेड
 - शुभलक्ष्मी मेटल्स एंड ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड
- ट. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु की निम्नलिखित ज्ञात एसोसिएशनों को नियमावली के अनुसार परिचालन तथा आवश्यक सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी थी:
- एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया
 - कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री
 - फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
 - स्लेनलेस-स्टील पाइप्स एंड ट्यूब्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन
- ठ. स्लेनलेस-स्टील पाइप्स एंड ट्यूब्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने केवल मौखिक सुनवाई के बाद अनुरोध प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा, इस मुद्दे को आगे प्रकटीकरण खंड में निपटाया गया है।
- ड. प्राधिकारी ने निम्नलिखित अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच की शुरुआत की सूचना देते हुए और प्राधिकारी को विहित ढंग और तरीके से संगत सूचना देने का अनुरोध करते हुए जांच शुरुआत का नोटिस भेजा था:
- जिंदल साँ लिमिटेड
 - लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स
 - सैंडविकस एशिया प्राइवेट लिमिटेड
- ढ. कोविड-19 के विश्व व्यापी प्रकोप के कारण और भारत सहित विभिन्न देशों द्वारा आवागमन पर लगाए गए परिणामी प्रतिबंधों के कारण प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उनके बीच निरीक्षण हेतु अन्य हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किए थे।
- ण. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से विगत तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए भी संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदा-वार ब्यौरे प्रदान करने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा की गणना और सौदों की आवश्यक जांच के बाद अपेक्षित विश्लेषण के लिए डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- त. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत के आधार पर निर्धारित की गई थी। इस क्षति रहित कीमत पर यह पता लगाने हेतु विचार किया गया है कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- थ. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल 2020 – 31 मार्च 2021 (12 महीने) की है। क्षति विश्लेषण में 1 अप्रैल 2017 – 31 मार्च 2018, 1 अप्रैल 2018- 31 मार्च 2019, 1 अप्रैल 2019 – 31 मार्च 2020 और जांच की अवधि शामिल है।

- द. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तु विभिन्न किस्मों के अधीन आयातित की जा रही है, आवेदकों ने क्षति जांच के लिए (पीसीएन) – से –पीसीएन की तुलना के लिए उत्पाद नियंत्रण संख्याओं का प्रस्ताव किया है।
- ध. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित पीसीएन पद्धति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित किए हैं। पीसीएन के निर्धारण हेतु 25 नवंबर, 2021 को एक चर्चा हुई थी। सभी हितबद्ध पक्षकारों को लिखित में अपने विचार प्रस्तुत करने का समय दिया गया था।
- न. प्राधिकारी ने दिनांक 16 दिसंबर, 2021 के पत्र द्वारा पीसीएन को अंतिम रूप दिया, जिसके अनुपालन में हितबद्ध पक्षकारों ने पीसीएन-वार सूचना प्रस्तुत की।
- प. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से 8 मार्च, 2022 को हुई मौखिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध और उनके बाद खंडन अनुरोध, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया।
- फ. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना का प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक वास्तविक सत्यापन किया गया था। वर्तमान प्रकटन विवरण के प्रयोजनार्थ, जहां लागू हो, केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर भरोसा किया गया है।
- ब. कोविड-19 के विश्व-व्यापी प्रकोप और भारत सहित विभिन्न देशों द्वारा आवागमन पर लागू परिणामी प्रतिबंधों के कारण निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का प्राधिकारी द्वारा किए गए मौके पर सत्यापन के ज़रिए वास्तविक निरीक्षण नहीं किया गया था। उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा डेस्क सत्यापन किया गया था। इस जांच के प्रयोजनार्थ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर आवश्यक समझी गई सीमा तक भरोसा किया गया है।
- भ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हो, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसका प्रकटन नहीं किया है। जहां संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया था।
- म. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना देने से मना किया है या अन्यथा उसे उपलब्ध नहीं कराया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर, अपने विचार दर्ज किए हैं।
- य. प्राधिकारी ने इस स्तर पर सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए सभी तर्कों और सूचना पर उनके साक्ष्य द्वारा समर्पित होने और वर्तमान जांच से संगत होने की सीमा तक विचार किया है। प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यात्मक दस्तावेजों की आगे और जांच की, जो अंतिम जांच परिणाम के समय निष्कर्ष का आधार बनेगा।
- कक. इस प्रकटन विवरण में *** चिन्ह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत, प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है।
- खख. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = **75.22** रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत सूचना में विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

“3. विचाराधीन उत्पाद 6 इंच तक और उसके भीतर के व्यास वाले स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब्स और पाइप हैं, चाहे हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया या हॉट पीरसिंग प्रक्रिया के प्रयोग से विनिर्मित हों और चाहे हॉट फिनिश या कोल्ड फिनिश पाइपों और ट्यूबों के रूप में बेचे गए हों, जिनमें डिफेक्टिव्स के रूप में, नॉन-प्राइम या सैकेंडरी ग्रेडों में आयातित संबद्ध वस्तु शामिल है।

4. स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स ढांचागत प्रयोजनों के लिए तथा द्रव और गैसों के अंतरण के लिए प्रयोग होते हैं। विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग तेल और गैस, पेट्रो-रसायन और रिफाइनरीज; प्रमाण ऊर्जा; नाभिकीय और तापीय विद्युत सहित विद्युत उत्पादकों; और एरो-स्पेस तथा रक्षा अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होता है।
 5. विचाराधीन उत्पाद हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया या हॉट प्रिंसिंग प्रक्रिया, जिसे क्रॉस-रोल पीरसर प्रक्रिया के रूप में भी जाना जाता है, के प्रयोग से विनिर्मित हो सकता है। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में दोनों प्रक्रियाओं के प्रयोग से विनिर्मित उत्पाद शामिल हैं।
 6. विचाराधीन उत्पाद को टैरिफ शीर्ष 7304 के अंतर्गत अध्याय 73 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
5. तत्पश्चात्, पीयूसी के दायरे तथा पीसीएन बनाने में स्पष्टीकरण के लिए हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं। प्राधिकारी ने 25 नवंबर, 2021 को पीयूसी के दायरे और पीसीएन पद्धति के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ विचार-विमर्श किया था। सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक अनुरोध तथा उसके बाद लिखित अनुरोध करने की अनुमति दी गई थी। परामर्शों के दौरान यह स्पष्ट किया गया था कि हितबद्ध पक्षकारों को जांच के अंतिम स्तर पर भी उत्पाद-अपवर्जन के लिए अनुरोध करने की अनुमति होगी। सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा टिप्पणियों के मद्देनजर पीयूसी की परिभाषा को शुद्धि-पत्र अधिसूचना फाइल सं. 6/13/2021-डीजीटीआर दिनांक 13 दिसंबर, 2021 द्वारा संशोधित किया गया था। जांच शुरुआत अधिसूचना के पैराग्राफ 3 को निम्नलिखित पैराग्राफ द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था:

“3. 6 एनपीएस तक और उसके भीतर के व्यास वाले या माप की अन्य इकाई में उससे तुलनीय व्यास के स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब और पाइप, चाहे हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया या हॉट प्रिंसिंग प्रक्रिया से विनिर्मित हों और चाहे हॉट फिनिश या कोल्ड फिनिश पाइपों और ट्यूबों के रूप में बेचे गए हों, जिनमें डिफेक्ट्स, नॉन-प्राइम या सैंकेंडरी ग्रेडों के रूप में आयातित संबद्ध वस्तु शामिल हैं।”

6. तत्पश्चात्, प्राधिकारी ने दिनांक 16 दिसंबर, 2021 के पत्र द्वारा अंतिम पीसीएन पद्धति अधिसूचित की और सभी हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित की तथा प्राधिकारी की वेबसाइट पर उसे अपलोड किया। हितबद्ध पक्षकारों को 30 दिसंबर, 2021 तक अंतिम पीसीएन पद्धति के अनुसार प्रश्नावली का उत्तर देने का निदेश दिया गया। इस समय सीमा को हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर 6 जनवरी, 2022 तक बढ़ाया गया था। तत्पश्चात् प्राधिकारी को उत्पाद बाहर रखने संबंधी कतिपय अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनकी नीचे जांच की गई है।

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

7. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:
 - क. विचाराधीन उत्पाद के दायरे में हॉट रोलड और कोल्ड रोलड स्टील उत्पाद शामिल नहीं होने चाहिए क्योंकि घरेलू खरीद नीति के अनुसार हॉट रोलड से कोल्ड रोलड में कम से कम 35 प्रतिशत का भारी मूल्यवर्धन होता है और दोनों उत्पादों के अंतिम प्रयोग अलग-अलग हैं तथा इन्हें एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
 - ख. टुबासेक्स ने हॉट रोलड और कोल्ड रोलड पाइप और ट्यूबों उनके प्रयोग और जरूरतों के अनुसार विभिन्न उपभोक्ताओं को भेजे हैं।
 - ग. मदर ट्यूब्स और आगे प्रसंस्कृत छोटी ट्यूबें समान वस्तु नहीं हैं क्योंकि घरेलू उत्पादक 42 एम एम से कम की छोटी ट्यूबों के उत्पादन के लिए 42 एमएम व्यास की मदर ट्यूबों का प्रयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि दोनों उत्पादों के बाजार अलग-अलग हैं। मदर ट्यूबों से छोटी ट्यूबों तक 20-35 प्रतिशत तक का मूल्यवर्धन होता है।
 - घ. मदर ट्यूबों का प्राथमिक रूप से प्रयोग तेल और गैस के परिवहन हेतु होता है और इन्हें कम दबाव की स्थिति में बने रहने और प्रचालन के लिए निर्मित किया जाता है, जबकि अपेक्षाकृत छोटी ट्यूबें वॉयलर, रिएक्टर आदि जैसी उच्च दबाव की स्थिति में प्रयोग की जाती हैं।

- ड. अपेक्षाकृत छोटी ट्यूबों का व्यास कम होता है, मोटाई अधिक और मदर ट्यूबों, जिनका व्यास अधिक तथा सतह की कम मोटाई होती है, की तुलना में उच्चतर सहनशीलता होती है, जो कम ताप और दबाव प्रतिरोध दर्शाता है। मदर ट्यूब और छोटी ट्यूबों के बीच कीमत में लगभग 25-30 प्रतिशत का अंतर होता है।
- च. प्राधिकारी को ऐसे उत्पादकों, जो अपस्ट्रीम उत्पाद का आयात करते हैं, को बाहर करने से बचने के लिए अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम उत्पाद को जोड़ना नहीं चाहिए। स्टेनलेस स्टील के फ्लैट रोल्ड उत्पादों के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि उस मामले में हॉट रोलिंग तक काफी मूल्यवर्धन हो जाता था।
- छ. ग्रेड 2328-1 घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं होता है और इसे बाहर रखना चाहिए क्योंकि यह बॉयलरों में प्रयुक्त एक विशिष्ट ग्रेड है, जिसे एनटीपीसी द्वारा प्रचालित अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्मल प्लांटों के लिए बीएचईएल द्वारा विनिर्मित किया जाता है। केवल एनटीपीसी द्वारा अनुमोदित उत्पादक उक्त उत्पाद की आपूर्ति कर सकते हैं।
- ज. यद्यपि दो आवेदकों ने बीएचईएल द्वारा 2328-1 ग्रेड की आपूर्ति के लिए तकनीकी बोली में भागीदारी की है, तथापि यह अस्वीकृत हुई थी क्योंकि बीएचईएल ने पाया कि उनके पास उक्त ग्रेड की आपूर्ति के लिए तकनीकी क्षमता नहीं है। चूंकि वाणिज्यिक बोली तकनीकी बोली के बाद प्रस्तुत हुई है, इसलिए कोई भी आवेदक उसमें भागीदारी करने के लिए समर्थ नहीं था।
- झ. ग्रेड 2328-1 की समान पीसीएन के अन्तर्गत आने वाले अन्य उत्पादों से तुलना नहीं की जा सकती है।
- ञ. ग्रेड 2328-1 भारतीय सीमा शुल्क द्वारा सरलता से पहचान योग्य है क्योंकि इस ग्रेड का ऑर्डर नाम से दिया जाता है चूंकि उक्त ग्रेड केवल बीएचईएल द्वारा आदेशित होता है, इसलिए जियांग्सु वुजिन ने उचित विवरण सहित इसका निर्यात किया है।
- ट. विचाराधीन उत्पाद के दायरे को ओक्सो एल्कोहल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में माननीय सेस्टेट के निर्णय के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और बेचे गए ग्रेडों तक सीमित रखना चाहिए और प्राधिकारी के विभिन्न मामलों के जांच परिणामों का पालन करना चाहिए।
- ठ. डिफेक्टिव, गैर-प्राइम और सैकेंडरी ग्रेडों को पीसीएन के रूप में शामिल नहीं किया गया है और उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखना चाहिए क्योंकि ऐसे कम कीमत वाले उत्पाद निर्यात कीमत और प्राइम तथा गुणवत्ता परीक्षित ग्रेडों के पहुंच मूल्य को सीधे प्रभावित करते हैं।

ग.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

8. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. विचाराधीन उत्पाद में मदर ट्यूब/हालोज, हॉट फिनिशड पाइप और कोल्ड फिनिशड/ड्रॉन पाइप और ट्यूब, दोनों शामिल हैं।
- ख. हॉट रोल्ड और कोल्ड रोल्ड उत्पादों को शामिल करना कार्बन स्टील के फ्लैट रोल्ड उत्पादों और सीमलेस पाइपों तथा ट्यूबों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी और सब्सिडीरोधी जांचों में प्राधिकारी की पूर्ववर्ती प्रक्रिया से संगत है।
- ग. उत्पाद के एक प्रकार से दूसरे में प्रसंस्करण आबद्ध खपत नहीं होती है, जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है। मदर ट्यूबों को कोल्ड ड्रॉन पाइपों में प्रसंस्कृत करने को आबद्ध खपत मानने से कुल उत्पादन में एक ही उत्पाद की दोहरी गणना हो जाएगी।
- घ. अनेक मामलों में प्राधिकारी ने प्राथमिक उत्पाद और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे फैटी एल्कोहल, ग्लास फाइबर, सोलर सैल, पीटीएफई और सीपीवीसी, दोनों को शामिल किया है।

- ड. एल्युमिनियम फॉयल से संबंधित जांच का हितबद्ध पक्षकारों द्वारा संदर्भ उचित नहीं है क्योंकि उस मामले में रविराज फॉयल लिमिटेड और जिंदल इंडिया लिमिटेड ऑयल स्टॉक का आयात कर रहे थे, जो फॉयल के उत्पादन के लिए उत्पाद के दायरे का हिस्सा नहीं था।
- च. मोरक्को – हॉट-रोल्ड स्टील पाइप्स और 2 मिथाइल (5) नाइट्रो इमिडाजोल मामले पर हितबद्ध पक्षकारों का भरोसा उचित नहीं है क्योंकि इन मामलों में संबद्ध वस्तु की ऐसे डाउनस्ट्रीम उत्पादों के लिए आबद्ध खपत होती थी।
- छ. ऐसी कोई जरूरत नहीं है कि उत्पाद दायरे में शामिल, उत्पाद प्रकार एकसमान हों, जैसाकि ईसी-फाइट साल्मन और ईसी-फाल्सर्स में माना गया था। इस प्रकार, मदर पाइप और छोटे पाइपों, दोनों को उत्पाद दायरे में शामिल किया जा सकता है।
- ज. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे के विपरीत, घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के विशिष्ट ग्रेडों का उत्पादन कर सकता है।
- झ. ग्रेड 2328-1 को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग का एक उत्पादक उक्त ग्रेड का अनुमोदित आपूर्तिकर्ता है। आवेदक उक्त ग्रेड की आपूर्ति करने में असमर्थ हैं क्योंकि ऐसे उत्पाद की मांग सीमित है और कम कीमत के आयातों ने ऐसे बाजार को हथिया लिया है।
- ञ. ग्रेड 2328-1 को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया जाता है, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत पीसीएन संबंधी टिप्पणियां ऐसे ग्रेड के एक पीसीएन से संबंधित थीं।
- ट. चूंकि ग्रेड 2328-1 अन्य ग्रेडों से भिन्न है, इसलिए सीमा शुल्क प्राधिकारी यह जांच करने में समर्थ नहीं होंगे कि क्या घोषित उत्पाद वास्तव में समान ग्रेड का है और इसकी वजह से पाटनरोधी शुल्क की परिवंचना हो सकती है। भारत से सिल्को मैगनीज के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच में यूरोपीय आयोग ने लो-कार्बन सिल्को मैगनीज को बाहर नहीं किया था क्योंकि उसे बाहर करने से शुल्क की परिवंचना हो सकती थी।
- ठ. सैंकेंडरी, नॉन-प्राइम या डिफेक्टिव ग्रेडों को बाहर करने के अनुरोध के संबंध में, इस बात पर जोर दिया गया था कि ऐसे ग्रेड संबद्ध वस्तु के उत्पादन में अनन्य रूप से उत्पादित हो जाते हैं जिनके समान कार्य और प्रयोग होते हैं और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा बेची गई संबद्ध वस्तु के साथ उनका प्रयोग होता है।
- ड. सैंकेंडरी या गैर-प्राइम ग्रेडों को बाहर रखने से शुल्क की भारी परिवंचना होगी और यह प्राधिकारी की पूर्व प्रक्रिया से असंगत होगा।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

9. विचाराधीन उत्पाद 6 एनपीएस तक और उसके भीतर के व्यास वाले या माप की अन्य इकाई में उससे तुलनीय व्यास के स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब और पाइप, चाहे हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया या हॉट पियरसिंग प्रक्रिया से विनिर्मित हों और चाहे हॉट फिनिश या कोल्ड फिनिश पाइपों और ट्यूबों के रूप में बेचे गए हों, जिनमें डिफेक्टिव्स, नॉन-प्राइम या सैंकेंडरी ग्रेडों के रूप में आयातित संबद्ध वस्तु शामिल हैं।
10. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और तर्कों के आधार पर सभी हितबद्ध पक्षकारों को 25 नवंबर, 2021 को हुई सुनवाई में पीयूसी और पीसीएन के संबंध में मौखिक रूप से उनके विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षकारों को पीयूसी तथा पीसीएन के संबंध में उनके लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। तत्पश्चात, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच के आधार पर, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए पीसीएन पद्धति को अंतिम रूप दिया और दिनांक 16 दिसंबर, 2021 के आदेश के ज़रिए पीयूसी संबंधी एक स्पष्टीकरण जारी किया।
11. इसके अलावा, यह स्पष्ट किया गया था कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे में वर्गाकार, आयताकार या त्रिभुजाकार पाइप और ट्यूब शामिल नहीं हैं। तत्पश्चात सभी हितबद्ध पक्षकारों से 30 दिसंबर, 2021 तक अंतिम पीसीएन पद्धति के आधार पर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। तैयार की गई पीसीएन पद्धति

पाटन और जांच अवधि के दौरान उत्पादित उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग को हो रही वास्तविक क्षति के आकलन के लिए प्रयोग की जाएगी।

12. स्टेनलेस स्टील, सीमलेस ट्यूब्स और पाइप टैरिफ शीर्ष 7304 के अंतर्गत अध्याय 73 के अधीन वर्गीकृत हैं। टैरिफ वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं हैं।
13. सभी हितबद्ध पक्षकारों के विचार लेने के बाद, प्राधिकारी ने दिनांक 16 दिसंबर, 2021 के पत्र द्वारा वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित पीसीएन पद्धति अधिसूचित की है:

क्र.सं.	विशेषताएं	कोड वर्णन	कोड संकेत
1	फिनिश/प्रोसेस	हॉट फिनिशड कोल्ड फिनिशड	“एच” “सी”
2	प्रयुक्त स्टील का ग्रेड	304, 304एल, 304एलएन, 304एच, 304एन, 1.4301, 1.4306, 1.4307, 1.4567 या समतुल्य/उनकी किस्में	“1”
		316 या 316 की किस्में, जैसे 316एल, 316एच, 316टीआई, 316एन, 316एलएन, 317एल, 1.4401, 1.4404, 1.4435 या उनके समतुल्य/ किस्में	“2”
		टीपी-309एस, टीपी-309एच, टीपी-309सीबी, टीपी-310एस, टीपी-310एच, यूएनएस एस 30815 या उनके समतुल्य/ किस्में	“3”
		321, 321 एच, 1.4541, 1.4878 या उनके समतुल्य/ किस्में	“4”
		347, 347एच, 347एचएफजी, कोड केस 2328-1 (यूएनएस एस30432), टीपी-310एचसीबीएन (यूएनएस एस31042), 1.4550, 1.4961 या उनके समतुल्य/ किस्में	“5”
		यूएनएस 31254, यूएनएस एन08904, यूएनएस एस31050, यूएनएस एन 08020, यूएनएस एन 08028, यूएनएस एन 08800, यूएनएस एन 08810, यूएनएस एन 08811, यूएनएस 31803, यूएनएस 32205, यूएनएस 32750, यूएनएस 32760, 1.4501, 1.4410, 1.4547, 1.4462 या उनके समतुल्य/ किस्में	“6”
		टीपी-410, टीपी -410S, टीपी -405, टीपी -446 या उनके समतुल्य/ किस्में	“7”
		उक्त से इतर	“8”
3	बाहरी व्यास	15.875 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“ए”
		15.875 एमएम से अधिक- 33.40 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“बी”

		33.40 एमएम से अधिक- और 60.30 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“सी”
		60.30 एमएम से अधिक- और 101.60 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“डी”
		101.60 एमएम से अधिक -141.30 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“ई”
		141.30 एमएम से अधिक -168.30 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“एफ”
4	वाल की मोटाई	1 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“1”
		1 एमएम - से अधिक - 5 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“2”
		5 एमएम से अधिक- 11 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“3”
		11 एमएम से अधिक-16 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“4”
		16 एमएम से अधिक-23 एमएम तक या किसी अन्य इकाई में समतुल्य	“5”

14. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि हॉट रोलड पाइप और कोल्ड रोल पाइप, दो अलग-अलग उत्पाद हैं और उन्हें एक विचाराधीन उत्पाद नहीं माना जा सकता है। आरंभ में प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी कोई अपेक्षा नहीं है कि उत्पाद का दायरा आंतरिक रूप से एकसमान हो। डब्ल्यूटीओ करार तथा घरेलू कानून किसी उत्पाद के दायरे से संबंधित विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित या कोई विशिष्ट दायित्व निर्धारित नहीं करते हैं। कानून का उद्देश्य विचाराधीन उत्पाद निर्धारित करने के लिए जांचकर्ता प्राधिकारियों को व्यापक विवेकाधिकार देना है। उत्पाद के दायरे में तब तक विभिन्न उत्पाद इसमें शामिल हो सकते हैं जब तक उनके पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो। अतः, केवल इसलिए कि कोल्ड रोलड उत्पादों के उत्पादन के लिए अतिरिक्त प्रसंस्करण या मूल्यवर्धन अपेक्षित है, उसका प्रयोग अलग है या कीमत अधिक है, ऐसा होना इस निष्कर्ष का पर्याप्त आधार नहीं है कि हॉट रोलड और कोल्ड रोलड पाइपों और ट्यूबों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर शामिल नहीं किया जा सकता है।
15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हॉट-रोलड पाइप मध्यवर्ती उत्पाद हैं जिन्हें आगे कोल्ड-ड्रान/कोल्ड-रिड्युस्ड पाइपों में प्रसंस्कृत किया जाता है। कोल्ड ड्रान प्रक्रिया हॉट रोलड पाइपों और ट्यूबों का अतिरिक्त प्रसंस्करण है। इस प्रकार, ऐसी प्रक्रिया एक वृद्धिशील प्रक्रिया है जिसके मद्देनजर एक प्रकार के विचाराधीन उत्पाद को बाहर रखने से भारत में अनुचित कीमत पर दूसरे प्रकार का आयात होने लगेगा।
16. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार संबद्ध देश से प्रतिवादी निर्यातकों ने हॉट रोलड और कोल्ड रोलड, दोनों पाइपों और ट्यूबों की आपूर्ति की है। इस प्रकार, कोल्ड रोलड पाइपों और ट्यूबों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करने से संबद्ध देश से कोल्ड ड्रान पाइपों और ट्यूबों का सीधे आयात होने की आशंका है, जिससे पाटनरोधी शुल्क लागू करने की पूरी कवायद का मूल उद्देश्य ही शून्य हो जाएगा। तथापि, हॉट रोलड उत्पादों को बाहर रखने से हॉट रोलड उत्पाद के आयात बढ़ जाएंगे और भारत में सैकेंडरी उत्पादों का अतिरिक्त प्रसंस्करण होगा और तत्पश्चात कोल्ड रोलड पाइपों की बिक्री होगी, जिससे पाटनरोधी शुल्क निष्फल हो जाएगा। वर्तमान में भी देश में अनेक प्रसंस्कर्ता या सैकेंडरी उत्पादक हैं, जैसा कि घरेलू उद्योग तथा हितबद्ध पक्षकारों ने बताया है। अतः, हॉट रोलड या कोल्ड रोलड पाइपों को बाहर रखने से लागू होने पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य विफल हो जाएगा।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन में शामिल अधिकांश लागत मदर ट्यूब/पाइपों के उत्पादन के स्तर तक कच्ची सामग्री और सुविधाओं पर आती है। कच्ची सामग्री के स्तर पर विभिन्न प्रकार के उत्पादों की लागत स्टील की मात्रा के अनुसार अलग अलग होती है, जो तकनीकी/रासायनिक मानकों की निर्धारक विशेषता होती है।
18. विचाराधीन उत्पाद को हॉट एक्सट्रूजन प्रक्रिया या हॉट पियरसिंग प्रक्रिया के प्रयोग से विनिर्मित किया जाता है। हॉट एक्सट्रूजन के मामले में मूल उत्पादन प्रक्रिया में राउंड बार की फीलिंग और बांछित लंबाई में उसकी कटिंग शामिल है। तत्पश्चात् अशुद्धियों को हटाने के लिए एक बड़ा छेद ड्रिल किया जाता है। तत्पश्चात् सामग्री को 1050-1200 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर गर्म किया जाता है। ऐसे हॉट बिलेट को तत्पश्चात् मदर पाइप बनाने के लिए हॉट एक्सट्रूजन प्रैस पर एक्सक्लूड किया जाता है। इसी प्रकार, हॉट पियरसिंग के मामले में गोल छड़ को बांछित लंबाई में काटा जाता है और 1050-1200 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर रोटरी में गर्म किया जाता है। तत्पश्चात् हॉट बिलेट को मदर पाइप बनाने के लिए पियर्स किया जाता है। उत्पादन प्रक्रिया इस स्तर तक हॉट रोलड पाइपों और कोल्ड रोलड पाइपों के बीच समान है। उत्पादन प्रयास, संयंत्र उपकरण तथा निवेश की दृष्टि से इस स्तर तक प्रक्रिया काफी महत्वपूर्ण है।
19. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना दर्शाती है कि हॉट रोलड उत्पादों और कोल्ड रोलड उत्पादों को इस बात पर विचार करते हुए एक विचाराधीन उत्पाद माना जा सकता है (क) हॉट रोलड और कोल्ड रोलड, दोनों उत्पाद समान उत्पादन प्रौद्योगिकी से उत्पादित होते हैं, (ख) हॉट ड्राइंग के स्तर तक विनिर्माण सुविधाएं समान हैं, (ग) स्टेनलेस स्टील पाइपों और ट्यूबों के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त अनिवार्य कच्ची सामग्री हॉट ड्रान और कोल्ड ड्रान उत्पादों के लिए समान हैं। प्रसंस्करण या अंतिम प्रयोग या उत्पाद की कीमत में अंतर मात्र होने का यह अर्थ नहीं है कि उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है।
20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, यूरोपीय संघ, जापान, ताईवान, इंडोनेशिया, यूएसए, थाइलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई, हांगकांग, सिंगापुर, मेक्सिको, वियतनाम और मलेशिया से स्टेनलेस स्टील के फ्लैट रोलड उत्पादों के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे संबंधी इसी प्रकार के अनुरोध किए गए थे। तथापि, प्राधिकारी ने माना कि हॉट रोलड और कोल्ड रोलड स्टील फ्लैट उत्पाद, दो अलग अलग उत्पाद नहीं हैं और उन्हें एक विचाराधीन उत्पाद माना जाना अपेक्षित है।
21. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों के विश्लेषण के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि संगत प्रक्रिया के अनुसार हॉट ड्रान और कोल्ड ड्रान पाइप और ट्यूबें वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद में शामिल हैं। तथापि, ऐसे पाइपों की लागत और कीमत के अंतर के मद्देनजर, प्राधिकारी ने दोनों को अलग करने के लिए पीसीएन पद्धति बनाई है।
22. इस तर्क के संबंध में कि ग्रेड 2328-1 को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऑक्सो एल्कोहल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में सेस्टेट ने माना था कि देश में आयातित ऐसा कोई उत्पाद, जिसके लिए घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु उत्पादित नहीं होती हो, को दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। रिकॉर्ड में सूचना के अनुसार ग्रेड 2328-1 का प्रयोग विशेष रूप से बीएचईएल द्वारा किया जाता है। एक घरेलू उत्पादक ने दर्शाया है कि उसके पास उक्त ग्रेड के विनिर्माण की क्षमता है और इस ग्रेड की आपूर्ति हेतु भेल ने उसे अनुमोदित किया है। उत्पादक ने यह भी बताया है कि सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा के कारण वह इसे उपलब्ध नहीं करा पाया है। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग की समान वस्तु को पहले ही प्रयोक्ता द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसलिए ग्रेड 2328-1 को बाहर रखना वर्तमान मामले में आवश्यक नहीं है।
23. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि डिफेक्टिव-गैर प्राइम और सैकेंडरी ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डिफेक्टिव, गैर प्राइम और सैकेंडरी ग्रेड विचाराधीन उत्पाद की केवल विभिन्न गुण हैं और ये अलग-अलग उत्पाद नहीं हैं। गैर प्राइम उत्पादों की मूल विनिर्माण प्रक्रिया, अनुप्रयोग और प्रयोग वही रहते हैं जो कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के हैं। ऐसे ग्रेड समान कार्य और प्रयोग वाले समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं। ऐसे ग्रेडों के विनिर्माण की लागत भी समान रहती है क्योंकि उन्हें प्राइम ग्रेडों के समान प्रक्रिया द्वारा उत्पादित किया जाता है।

इसके अलावा ऐसे ग्रेडों को बाहर करने से पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना होगी। डिफेक्टिव, गैर प्राइम और सैकेंडरी ग्रेडों को बाहर रखना, वर्तमान जांच में आवश्यक नहीं है।

24. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर, प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं कोई ज्ञात अंतर नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पादन विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु, संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति

घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

25. घरेलू उद्योग के दायरे और स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग कुल मांग में केवल 6 प्रतिशत बाजार हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और उसे भारतीय उद्योग को प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता है।
- ख. मैक्सिम और हैवी मेटल भी बिलेट्स से विचाराधीन उत्पाद का निर्माण कर रहे हैं, जिसे याचिका में नहीं माना गया है।
- ग. सूरज लिमिटेड को प्राथमिक या गौण उत्पादक नहीं माना गया है और उसे ओल्फ रिपोर्ट में उल्लेख के अनुसार काफी घरेलू उत्पादन सहित संबद्ध वस्तु का ज्ञात उत्पादक होने के बावजूद केवल आयातक माना गया है। प्राधिकारी को रूस – वाणिज्यिक वाहन और ईसी - फास्टनर्स में अपीलीय निकाय द्वारा माने गए अनुसार वास्तविक गड़बड़ी के जोखिम से बचने के लिए घरेलू उद्योग के भीतर अन्य उत्पादकों को शामिल करना चाहिए।
- घ. प्राधिकारी को ऐसे उत्पादकों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए जो केवल प्रसंस्कर्ता के रूप में हॉट रोल्ड मदर ट्यूबों/पाइपों पर कोल्ड रोलिंग का महत्वपूर्ण मूल्यवर्धन करते हैं, चीन जन.गण. से 80 माइक्रोन या उससे कम के एल्युमिनियम फॉयल के मामले में यही प्रक्रिया अपनाई गई थी। इसके अलावा, इस्पात मंत्रालय द्वारा ऐसी कंपनियों को उत्पादक माना गया है।
- ड. आवेदक ने कथित सैकेंडरी उत्पादों के उत्पादन के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की है। ऐसे सैकेंडरी उत्पादक या प्रसंस्कर्ता, जो संबद्ध वस्तु का उत्पादन करते हैं, को यूएस – लैम्ब में अपीलीय निकाय और कोलीन क्लोराइड के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी के विचार के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।
- च. केवल प्राधिकारी निर्णय ले सकते हैं कि कौन सा घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग के दायरे में आता है। नियमावली में आवेदकों द्वारा स्वयं हटाने का कोई प्रावधान नहीं है।
- छ. ट्यूबासेएक्स ने अन्य देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है और उसे नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखना चाहिए। नियम 2(ख) में यह उल्लेख नहीं है कि आयातित उत्पाद केवल संबद्ध देश से ही आएगा।
- ज. यह जांच करने के लिए कि क्या उत्पादक का ध्यान आयात पर चला गया है, प्राधिकारी को उत्पादन के संबंध में ट्यूबासेएक्स द्वारा किये गये आयातों की जांच करनी चाहिए।
- झ. ट्यूबासेएक्स जांच अवधि से पहले से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात कर रहा है और उसने पाटनरोधी जांच का केवल लाभ लेने के लिए याचिका दायर करने से ठीक पहले अन्य देशों से संबद्ध वस्तु का आयात शुरू कर दिया है।

- ज. ट्यूबासेएक्स द्वारा आयातों ने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है और इसलिए ट्यूबासेएक्स को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखना चाहिए।
- ट. प्राधिकारी को ट्यूबासेएक्स द्वारा आयातित ग्रेडों की जांच करनी चाहिए। यदि, ट्यूबासेएक्स द्वारा ये ग्रेड घरेलू रूप से विनिर्मित नहीं होते हैं तो उन्हें जांच अवधि के दौरान आपूर्ति के लिए मालसूची के निर्माण हेतु आयात किया गया है, ऐसे उत्पाद प्रकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखना चाहिए।
- ठ. प्राधिकारी को क्षति अवधि और पीओआई के बाद ट्यूबासेक्स द्वारा किए गए ऐसे आयातों की मात्रा और व्यापार की प्रकृति की जांच करनी चाहिए। तत्पश्चात, चीन जन.गण. से एल्युमिनियम फॉयल के मामले की तरह घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित करनी चाहिए।
- ड. ट्यूबासेएक्स ने कोबे स्टील लिमिटेड, जय जगदम्बा लिमिटेड और राजू स्टील कंपनी जैसे व्यापारियों, तो चीन जन.गण. से आयात कर रहे हैं, से जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद खरीदा है।
- ढ. प्राधिकारी के लिए जांच शुरुआत के स्तर पर ही एक स्पष्ट आदेश जारी करना अपेक्षित है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया हो कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात के बावजूद ट्यूबासेक्स को घरेलू उद्योग क्यों माना गया है।
- ण. ट्यूबासेक्स बाहर करने पर घरेलू उद्योग नियम 2(ख) और 5(3) के अनुसार, स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है। इसलिए प्राधिकारी को उचित स्थिति के अभाव में जांच को समाप्त कर देना चाहिए।
- त. यदि ट्यूबासेक्स को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल किया जाता है तो प्रतिवादी एसोसिएशन के सदस्य को भी घरेलू उद्योग में शामिल करना चाहिए क्योंकि ऐसे सदस्यों के पास भी ट्यूबासेएक्स के समान विनिर्माण प्रक्रिया है।
- थ. घरेलू उद्योग के अनुरोध के विपरीत देश में किसी कंपनी के साथ सैंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड का केवल संबंध कुल भारतीय उत्पादन के भाग के रूप में उसके उत्पादन को अयोग्य ठहराने के लिए अपर्याप्त आधार है।
- द. इस बात की जांच करना आवश्यक है कि क्या ट्यूबासेएक्स और चंदन स्टील ने जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु की किसी मालसूची की आबद्ध खपत या बिक्री की है ताकि यह सुनिश्चित हो कि आवेदक कथित पाटन से लाभान्वित नहीं हुए हैं।
- ध. रत्नामनी मेटल्स को समर्थक नहीं माना जा सकता है क्योंकि उसने व्यापार सूचना 13/2018 और 14/2018 के अंतर्गत विहित प्रपत्र में समर्थन पत्र नहीं दिया है। परिणामस्वरूप जांच शुरुआत अवैध है।
- न. रत्नामनी और जिंदल, जिन्होंने पाटनरोधी जांचों में नियमित भागीदारी की है, ने वर्तमान जांच में भागीदारी नहीं की है क्योंकि वे अत्यधिक लाभ कमा रहे हैं और उन्हें संबद्ध आयातों से क्षति नहीं हुई है।
- प. यदि हॉट रोलड और कोल्ड रोलड उत्पादों को जोड़ा जाए, तो प्राधिकारी को दोनों उत्पाद प्रकारों के लिए आवेदक की स्थिति अलग-अलग निर्धारित करनी चाहिए। हॉट रोलड और कोल्ड रोलड उत्पादों को जोड़ने से वर्टिकली समेकित कंपनियों के लिए अधिमानता का एक गलत पूर्व उदाहरण बनेगा और इससे घरेलू उद्योग का पात्र बनने के लिए डाउनस्ट्रीम उत्पादकों के अधिकारों से पक्षपात होगा।

घ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

26. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में आवेदकों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. यह याचिका चंदन स्टील लिमिटेड, ट्यूबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वेलस्पम स्पेशलिटी साल्युशंस लिमिटेड द्वारा दायर की गई है और रत्नामनी मेटल्स और ट्यूब्स लिमिटेड द्वारा समर्थित है।
- ख. आवेदकों के पास भारत में घरेलू उत्पादन का 43 प्रतिशत हिस्सा है और समर्थकों के साथ भारत में घरेलू उत्पादन में उनका 67 प्रतिशत हिस्सा है। इसलिए, वह घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है और नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग है।

- ग. भारत में कुल उत्पादन अधिक बताया गया है क्योंकि उसने सैंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन शामिल है, जो संबद्ध देश में एक निर्यातक अर्थात् सैंडविक मैटरियल्स टेक्नोलॉजी(चीन) कंपनी लिमिटेड से संबंधित है और ऐसे उत्पादन को कुल भारतीय उत्पादन से बाहर रखना चाहिए।
- घ. यदि सैंडविक का उत्पादन हटाया गया तो आवेदक के पास कुल भारतीय उत्पादन का 54 प्रतिशत हिस्सा है और समर्थकों के साथ भारतीय उत्पादन में यह हिस्सा 85 प्रतिशत है।
- ङ. आवेदक ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है।
- च. ट्यूबासेक्स ने जांच अवधि से पहले भारत में मांग तथा भारत में कुल आयात की तुलना में संबद्ध वस्तु की नगण्य मात्रा का आयात किया है। अनवर जूट मिल्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में सेस्टेट के निर्णय के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात केवल जांच अवधि में प्रासंगिक हैं। आवेदक का ध्यान निर्माण पर है और आयातों पर नहीं।
- छ. यद्यपि ट्यूबासेक्स ने जांच अवधि से पहले कम मात्रा का आयात किया है और वह मुख्यतः राउंड बार/बिलेट्स के विनिर्माण में प्रमुख रूप से शामिल है। विचाराधीन उत्पाद के हॉट-फिनिशड पाइप के रूप में प्रसंस्करण आयात शामिल हैं और उन पर कोल्ड ड्रान प्रक्रिया की जाती है।
- ज. नियम 2(ख) के अंतर्गत पात्रता का प्रश्न केवल तब उठता है जब उत्पादक ने कथित पाटित वस्तु आयात की हो और गैर-संबद्ध देशों से आयात नहीं हुआ हो, जैसाकि बिरला एरिक्सन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में न्यायाधिकरण ने भी माना है। इसके अलावा, केवल जांच अवधि के दौरान आयात संगत हैं।
- झ. अन्य पक्षकारों के दावों के विपरीत, प्राधिकारी ने जांच शुरुआत अधिसूचना में ही नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है।
- ञ. यद्यपि, ट्यूबासेक्स ने तत्काल आवश्यकताओं के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभिज्ञात व्यापारियों से संबद्ध वस्तु खरीदी थी, तथापि, उसे ऐसी वस्तु की मूलता की जानकारी नहीं थी। घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार व्यापारियों ने चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का आयात भी नहीं किया है। यद्यपि, हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि व्यापारियों ने ट्यूबासेक्स को आपूर्ति के लिए चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु आयात की है, तथापि उन्होंने इस संबंध में रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।
- ट. ट्यूबासेक्स का ध्यान केवल उत्पादन पर है और आयात पर नहीं तथा वह भारत में सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।
- ठ. इंडियन स्टेनलेस सीमलेस पाइप्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएसपीएमए) के सदस्यों से अलग क्यूबा सेक्स के पास हॉट पियरसिंग मशीन वाला एक पूर्णतः समेकित संयंत्र है और वह बार और बिलेट्स से संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है।
- ड. यदि ट्यूबासेक्स को घरेलू उद्योग के रूप में अपात्र माना जाता है तो भी अन्य आवेदकों का उत्पादन पात्र उत्पादन का लगभग 35 प्रतिशत अर्थात् प्रमुख हिस्सा बनता है।
- ढ. हितबद्ध पक्षकारों की दली के उत्तर में ट्यूबासेक्स और चंदन, दोनों ने चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु की मालसूची की आबद्ध खपत या बिक्री नहीं की है। किसी भी तरह नियम 2(ख) में केवल यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या जांच अवधि के दौरान उत्पादित आयातित हुआ था।
- ण. प्रसंस्कर्ता स्वयं संबद्ध वस्तु के उत्पादक नहीं होते हैं क्योंकि वे भारी मात्रा में संबद्ध वस्तु का आयात कर रहे हैं और वे केवल कोल्ड ड्राइंग/कोल्ड रिडक्शन प्रक्रिया में शामिल हैं जो विचाराधीन उत्पाद के एक रूप को विचाराधीन उत्पाद के दूसरे रूप में बदल रहे हैं।
- त. प्रसंस्कर्ताओं का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन में शामिल नहीं किया जा सकता है क्योंकि उनके द्वारा आयातित/घरेलू रूप से खरीदे गए हॉट फिनिशड पाइप पहले ही भारत की कुल मांग में शामिल किए गए हैं। यही विचार प्राधिकारी ने स्टेनलेस स्टील के फ्लैट रोलड उत्पादों के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच में अपनाया था।

- थ. एसडीएच उपकरण के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए परीक्षण के अनुसार हॉट रोलड से कोल्ड रोलड में केवल वस्तुओं के प्रसंस्करण को उत्पादन नहीं माना जा सकता है। यूएस-लैंब मामले का संदर्भ उचित नहीं है क्योंकि वह केवल समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु की पहचान के संबंध में घरेलू उद्योग की परिभाषा को स्पष्ट करता है।
- द. केवल यह तथ्य कि कुछ उत्पादकों ने बेहतर कार्य-निष्पादन किया है, घरेलू उद्योग के गठन को वृद्धिपूर्ण नहीं ठहराता है। चीन – कतिपय ऑटोमोबाइल पर पाटनरोधी और प्रतिसंतुलनकारी शुल्क मामले में अपीलीय निकाय ने यह निर्णय दिया कि यह संभावना कि किसी दिए गए उद्योग में कम कार्य-निष्पादन वाले उत्पादक जांच में अधिक प्रबलता से समर्थन या भागीदारी करते हैं, जो व्यापार उपचार कार्यवाही की केवल वास्तविकताओं को प्रदर्शित करता है।
- ध. सूरज लिमिटेड, घरेलू उत्पादक के रूप में सूचीबद्ध नहीं था क्योंकि संयंत्र होने के बावजूद उसने केवल पुनःनिर्यात के लिए संबद्ध वस्तु का आयात किया है। उसने भारी मात्रा का आयात किया है जो कुल आयातों के लगभग 7 प्रतिशत के बराबर है और उसका 100 प्रतिशत उत्पादन पाइपों का प्रसंस्करण है। तदनुसार, वह आयातक के रूप में सूचीबद्ध था।
- न. यद्यपि सैंडविक ने भारतीय उत्पादन के निर्धारण के संबंध में चिंताएं जताई हैं, तथापि उसने भारत में अपने संबंधित उत्पादक का वास्तविक उत्पादन नहीं बताया है।
- प. एसोसिएशन को दस्तावेजी साक्ष्य देना चाहिए कि बिलेट/राउंड बार से संबद्ध वस्तु का उत्पादन जांच अवधि से पहले या उसके दौरान मैक्सिम ट्यूब कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और हैवी मेटल एंड ट्यूब्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शुरू किया गया था। यह भी निर्धारित होना चाहिए कि ये कंपनियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबद्ध वस्तु के आयात में शामिल नहीं हैं।
- फ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा की गई घरेलू उत्पादकों की क्षमताएं सही नहीं हैं। कुछ मामलों जैसे लाल बाबा, ट्यूबासेक्स और जिंदल साँ लिमिटेड के मामले में हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य उत्पादों को शामिल करके क्षमताओं का संदर्भ दिया है। रत्नामनी के मामले में पक्षकारों ने पुरानी सूचना पर भरोसा किया है। कुल भारतीय उत्पादन को वास्तविक सूचना, अन्य उत्पादकों के साथ चर्चा और बाजार अनुमानों के आधार पर निर्धारित किया गया है।
- ब. चंदन स्टील के मामले में, भरोसा की गई क्षमता एक आकार विशेष पर आधारित है। तथापि, वर्तमान जांच के लिए उसने रिकॉर्ड पर आधारित क्षमता उपलब्ध कराई है।
- भ. व्यापार सूचना 4/2021 दिनांक 16 जून, 2021 के माध्यम से प्राधिकारी ने क्षमता उत्पादन और बिक्री के संबंध में सूचना देने के बाद समर्थकों को समर्थन जताने की अनुमति दी है।
- म. यदि समर्थन-पत्रों पर विचार नहीं भी किया जाए तो भी नियम 5(3) की अपेक्षाएं पूरी होती हैं।
- य. चूंकि प्रसंस्कर्ता संबद्ध वस्तु का आयात कर रहे हैं, इसलिए वे किसी शुल्क के विरोध में जांच में भागीदारी कर रहे हैं।

घ.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

27. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) ‘‘घरेलू उद्योग’’ का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘‘घरेलू उद्योग’’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।’’

28. याचिका चन्दन स्टील लिमिटेड, टुबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वेल्स्पन स्पेशियलटी सोल्यूशंस लिमिटेड द्वारा दाखिल की गई थी। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से आवेदकों द्वारा कोई आयात नहीं किए

गए थे। यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक या निर्यातक से संबद्ध नहीं हैं। याचिका के लिए रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लि. तथा लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स द्वारा समर्थन किया गया था। जांच के शुरू होने के बाद लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स ने भी दिनांक 14 मार्च, 2022 के पत्र के तहत समर्थन व्यक्त किया है।

29. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि टुबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने जांच की अवधि से पूर्व संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। चूंकि नियम 2(ख) कथित पाटित वस्तु के आयातों के संदर्भ में है, अतः जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात ही संगत है, न कि जांच की अवधि के पहले या बाद में किए गए आयात। अतः नियम 2(ख) के अंतर्गत अपवाद आवश्यक नहीं है।
30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग बनने के लिए किसी उत्पादक की पात्रता के मूल्यांकन में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार किया जाता है :
 - (i) यदि घरेलू उत्पादक मुख्य रूप से एक आयातक है और वह भारत में उत्पादन का निर्माता नहीं है, तो उसे बाहर किया जा सकता है।
 - (ii) यदि घरेलू उत्पादक ने किसी संगत पक्षकार को निर्यातों या आयातों का सहारा लेकर अपने आपको पाटन के प्रभावों से बचाया है तो उन्हें बाहर किया जाना चाहिए।
 - (iii) यदि किसी घरेलू उत्पादक ने किसी भी तरीके से पाटन प्रक्रियाओं में भाग लिया है अथवा उसने अन्यथा इससे अनुचित लाभ प्राप्त किया है, तो उन्हें निकाला जाना चाहिए।
 - (iv) यदि किसी घरेलू उत्पादक को बाहर किए जाने से क्षति के जांच परिणामों पर असर पड़ेगा, तो उन्हें निकाला जाना चाहिए।
 - (v) यदि कोई घरेलू उत्पादक प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं करता है, तो ऐसे उत्पादक को अपात्र माना जा सकता है।
31. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में, टुबासेक्स मुख्य रूप से एक निर्माता है और इसका ध्यान उत्पादन से आयात की ओर नहीं गया है। इसकी बजाय, ट्यूबासेक्स ने क्षति जांच की अवधि के दौरान अपनी क्षमता में करीब 18% तक की मामूली वृद्धि की है। इसके अलावा, इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि टुबासेक्स ने अपने आपको संरक्षण दिया है या पाटन से लाभ लिया है, क्योंकि इसमें निष्पादन पर, यहां तक कि जांच की अवधि के दौरान प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जबकि वह संबद्ध वस्तुओं का निर्यात कर रहा था। चूंकि यह सबसे बड़े घरेलू उत्पादकों में से है, अतः टुबासेक्स को बाहर करने से जांच परिणाम प्रभावित होंगे।
32. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के लिए टुबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और चंदन स्टील लिमिटेड की कैप्टिव खपत और बिक्रियों को जांचने की जरूरत है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद की कैप्टिव खपत नहीं की है। चूंकि हॉट-ड्रॉ और कोल्ड-ड्रॉ पाइप और ट्यूब में विचाराधीन उत्पाद शामिल हैं, इसलिए हॉट-ड्रॉ पाइप की खपत को संबद्ध वस्तुओं की कैप्टिव खपत के रूप में नहीं माना जा सकता है।
33. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि 6% के बाजार अंश के साथ घरेलू उद्योग भारतीय उद्योग का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, घरेलू उद्योग में संबद्ध वस्तुओं के ऐसे घरेलू उत्पादक शामिल नहीं हैं, जिनकी आउटपुट में भारत में घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा शामिल है। चूंकि आवेदकों के पास भारत में घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा शामिल है, वे घरेलू उद्योग हो सकते हैं।
34. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि भारत में द्वितीयक उत्पादकों को घरेलू उद्योग के क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिए। रिकार्ड पर प्रस्तुत साक्ष्य के अनुसार, द्वितीयक उत्पादक विचाराधीन उत्पाद की खरीद करते हैं और इसका रूप बदलने के लिए उसे प्रसंस्कृत करते हैं। उक्त उत्पादकों के इनपुट और आउटपुट में विचाराधीन उत्पाद शामिल हैं। द्वितीयक उत्पादकों द्वारा उत्पादक देश में आयातों में या घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों में भारत में कुल मांग में पहले ही शामिल है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे उत्पादक मुख्यतः विचाराधीन

उत्पाद के आयात में और विचाराधीन उत्पाद पर कोल्ड ड्रॉन प्रक्रिया करने में शामिल हैं। उक्त उत्पादकों का ध्यान निर्माण की बजाय आयात करने में है। द्वितीयक उत्पादकों द्वारा आयात महत्वपूर्ण रहे हैं और उन्होंने भारत में पाटन के लिए योगदान दिया है। रिकार्ड पर उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, द्वितीयक उत्पादकों का निष्पादन सकारात्मक रहा है, जबकि घरेलू उद्योग ने नुकसान उठाया है। इस प्रकार, उक्त उत्पादकों ने अपने आपको भारत में पाटन से संरक्षण लिया है और लाभ प्राप्त किया है। अतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि वे घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र नहीं हैं। उपरोक्त को देखते हुए, सूरज लिमिटेड द्वारा किए गए उत्पादन पर कुल भारतीय उत्पादन के निर्धारण के लिए विचार नहीं किया जा सकता, क्योंकि कंपनी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की एक प्रमुख आयातक है। रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के अनुसार, सूरज लिमिटेड ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पर्याप्त मात्रा में आयात किया है।

35. इस तर्क के संबंध में कि रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड पर एक समर्थक के रूप में विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि उसने निर्धारित प्रारूप में पत्र प्रस्तुत नहीं किया है, अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ट्रेड नोटिस 13/2018 और 14/2018 के स्थान पर ट्रेड नोटिस 4/2021, दिनांक 16 जून, 2021 को लाया गया है, जिसके तहत समर्थकों को क्षमता, उत्पादन और बिक्रियों के संबंध में सूचना देने के बाद समर्थन व्यक्त करने की अनुमति दी गई है। रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड ने ऐसी सूचना की आपूर्ति की है। अतः प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में रत्नमणि मेटल्स एंड ट्यूब्स लिमिटेड द्वारा व्यक्त समर्थन पर विचार किया है।
36. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन केवल संबद्ध देश में किसी संस्था के साथ संबद्ध होने के कारण कुल भारतीय उत्पादन से बाहर नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड की संबद्ध देश में एक संबद्ध संस्था है, यथा सेंडविक मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी (चीन) कंपनी लिमिटेड। रिकार्ड पर उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, सेंडविक मैटिरियल्स टेक्नोलॉजी (चीन) कंपनी लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात किया है। इसके अलावा, सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है, फिर भी चीन जन. गण. में उसके संगत उत्पादक ने एक उत्तर दाखिल किया है। इस प्रकार, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादन को कुल भारतीय उत्पादन में शामिल नहीं किया गया है।
37. आवेदकों के पास घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा शामिल है।

उत्पादक	उत्पादन (मी. टन)	उत्पादन में हिस्सा (%)	उत्पादन में हिस्सा (रेंज)
आवेदक	***	***	50-60%
चंदन स्टील लिमिटेड	***	***	10-20%
टूबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	***	***	25-35%
वेल्स्पन स्पेशियलिटी सोल्यूसंस लिमिटेड	***	***	5-15%
समर्थक	***	***	30-40%
रत्नमणि मेटल्स और ट्यूब्स लिमिटेड	***	***	25-35%
लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स	***	***	0-10%
अन्य उत्पादक	***	***	10-20%
जिंदल शाव लिमिटेड	***	***	5-15%
कुल भारतीय उत्पादन	18,263	100%	100%

लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स का उत्पादन अनजाने में प्रकटीकरण विवरण में अन्य उत्पादकों के उत्पादन में जोड़ा गया था। प्राधिकरण ने अब इसे ठीक कर दिया है और इसे समर्थकों के कुल उत्पादन में जोड़ दिया है। कुल भारतीय उत्पादन, साथ ही याचिकाकर्ताओं का हिस्सा अपरिवर्तित रहा है।

38. इस प्रकार, प्राधिकारी ने यह पाया है कि चंदन स्टील लिमिटेड, टूबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वेल्स्पन स्पेशियलिटी सोल्यूशंस लिमिटेड नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग है और याचिका पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करती है।

ड. गोपनीयता

ड.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

39. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. ट्रेड नोटिस सभी हितबद्ध पक्षकारों पर बाध्यकारी है, जैसा कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा स्टील अथोरिटी ऑफ इंडिया बनाम सीमा शुल्क समाहर्ता, बॉम्बे और बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा स्टार कैमिकल्स (बॉम्बे) लि. बनाम भारत संघ मामले में पाया गया है।
- ख. आवेदकों ने ट्रेड नोटिस 10/2018 के असंगत अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और वे यह प्रकट करने में विफल रहे हैं : (i) वास्तविक बिक्री मूल्य और बिक्री वसूली प्रति यूनिट (ii) आर एंड डी व्यय और जुटाई गई धनराशि (iii) पीबीआईटी प्रति यूनिट और कुल पीबीआईटी तथा (iv) व्याज/ वित्त लागत और मूल्यहास तथा परिशोधन व्यय।
- ग. आवेदकों ने बिना किसी तर्कसंगत स्पष्टीकरण अथवा उचित कारण के लागत फॉर्मेट क-ठ में कोई सूचना प्रदान नहीं की है, जो कि व्यापार नोटिस 1/2013 का उल्लंघन है।
- घ. आवेदकों ने अपने वित्तीय विवरण और तुलना पत्र प्रदान नहीं किए हैं, जो कि व्यापार नोटिस 1/2013 के असंगत है।
- ड. जुटाई गई धनराशि के लिए, आवेदकों ने वित्तीय विवरण का संदर्भ दिया है तथापि, आवेदक बहु उत्पादक कंपनियां हैं और हितबद्ध पक्षकारों को उनके बचाव के अधिकार से इंकार करते हुए, वित्तीय विवरण केवल विचाराधीन उत्पाद की सूचना को नहीं दर्शा सकते।
- च. आवेदकों ने समर्थक उत्पादक, असमर्थक और द्वितीय उत्पादकों अथवा प्रसंस्करणकर्ताओं की क्षमता और उत्पादन के बारे में गोपनीयता का दावा किया है, जबकि ऐसे उत्पादकों ने स्वयं गोपनीयता का दावा नहीं किया है।

ड.2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

40. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. निर्यातकों ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और वितरण के माध्यम, कारपोरेट संरचना, विचाराधीन उत्पाद के संबंध में क्रियाकलापों में शामिल संगत पक्षकारों, निर्माण प्रक्रियाओं, कच्ची सामग्री, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना तथा विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों की सूचना का दावा करके ट्रेड नोटिस 10/2018 का पालन नहीं किया है।
- ख. कुछ उत्पादकों ने केवल गोपनीय भाग की बजाय प्रश्नों के सभी उत्तरों को गोपनीय होने का दावा किया है। आवेदक ऐसे मामले में अपने हित का संरक्षण करने में असमर्थ है।
- ग. झेजियांग हांगकुआंग स्टेनलेस स्टील कंपनी लिमिटेड ने उत्तर में प्रतिकूल प्रस्तुती की है। एक स्थान पर उसने संगत पक्षकार के गोपनीय होने का दावा किया है, जबकि दूसरे स्थान पर उन्होंने यह दावा किया है कि उसके कोई संगत पक्षकार नहीं हैं।
- घ. यह जांच करने की जरूरत है कि क्या कोई संगत पक्षकार विचाराधीन उत्पाद के संबंध में क्रियाकलापों में शामिल है।
- ड. वास्तविक बिक्री कीमत, लागत और लाभ का प्रकटन होने से ग्राहक घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति लाभों और औसत बिक्री कीमत के स्तर को जान पाएंगे तथा ग्राहकों से कीमत समायोजन के लिए मांग हो सकेगी। अन्य घरेलू उत्पादक इन औसत कीमतों के आधार पर उनकी कीमत संबंधी रणनीति को पुनः तैयार कर पाएंगे।

- च. चंदन स्टील लिमिटेड और वेल्स्पन स्पेशियलिटी सोल्यूशंस लिमिटेड के पास घरेलू उद्योग के उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है और वास्तविक लागत तथा कीमत से संबंधित सूचना प्रकट होने से दो बड़े उत्पादकों को सूचना काफी हद तक प्रकट हो जाएगी।
- छ. घरेलू उद्योग ने यह प्रकट किया है कि आर एंड डी व्यय और जुटाई गई धनराशि विचाराधीन उत्पाद के लिए अलग से निर्धारित नहीं की गई थी और वित्तीय विवरणों का हवाला दिया जाए।
- ज. चूंकि आर एंड डी व्यय और जुटाई गई धनराशि क्षति के मापदंड नहीं हैं, अतः हितबद्ध पक्षकारों के अधिकार, इनके प्रकट न होने से पक्षपाती नहीं हो सकते।
- झ. यद्यपि हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग को ट्रेड नोटिस 1/2013 के अंतर्गत वित्तीय विवरण देने की जरूरत नहीं थी, फिर भी उन्होंने ऐसा विवरण स्वयं प्रदान नहीं किया है।
- ञ. चूंकि खंड VI में निहित सूचना कारोबार स्वामित्व से संबंधित है, अतः यह हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की जा सकती।
- ट. हितबद्ध पक्षकारों के बल दिए जाने के विपरीत घरेलू उद्योग ने उसके द्वारा किए गए गोपनीयता के दावे को न्यायोचित ठहराया है।
- ठ. चूंकि समर्थकों ने सूचना गोपनीयता के आधार पर प्रदान की है, अतः उसे प्रकट नहीं किया जा सकता।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

41. सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:

"गोपनीय सूचना - (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 14 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उप नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।
 - (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।"
42. प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि कोई सूचना गोपनीय प्रकृति की है (उदाहरण के लिए, जिसका प्रकटीकरण होने से किसी प्रतिस्पर्धी को महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक फायदा होगा अथवा इसका प्रकटीकरण होने से सूचना प्रदान करने वाले व्यक्ति अथवा जिस व्यक्ति से सूचना प्राप्त की गई है, उस व्यक्ति पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा) अथवा पक्षकारों द्वारा जांच में गोपनीय आधार पर प्रदान की गई है, उसकी भलाई के लिए प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय माना जाना चाहिए। ऐसी सूचना को उसे प्रदान करने वाले पक्ष की विशिष्ट अनुमति के बिना प्रकट नहीं किया जा सकता।
 43. प्राधिकारी ने आवेदक और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावे पर विचार किया है और उससे संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों की अनुमति दी है। प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (7) के अनुसार जांच के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।

44. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग अन्य उत्पादकों के उत्पादन के संबंध में सूचना प्रकट करने में विफल रहा, यह नोट किया जाता है कि ऐसी सूचना अन्य उत्पादकों की स्वामित्व की सूचना है और इसे प्रकट नहीं किया जा सकता।
45. आर एंड डी व्ययों तथा जुटाई गई धनराशि के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये मापदंड घरेलू उद्योग की क्षति को प्रभावित नहीं करते। चूंकि इनसे क्षति मापदंडों पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ रहा, अतः किसी भी हितबद्ध पक्षकार के हित के साथ पक्षपात नहीं किया गया है।
46. प्रति युनिट वास्तविक मूल्य, बिक्री वसूली और प्रति युनिट कुल पीबीआईटी को प्रकट करने के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस सूचना का प्रकटीकरण होने से घरेलू उद्योग को काफी नुकसान होगा। यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2019-20 से पूर्व के आंकड़ों में केवल दो उत्पादक हैं और वास्तविक सूचना का प्रकटन होने से दोनों आवेदकों की सूचना का प्रकटन हो जाएगा।

च. विविध मामले

च.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

47. अन्य मामलों के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :
 - क. याचिका में जांच शुरू करने की जरूरत के लिए पर्याप्त आधार शामिल नहीं हैं।
 - ख. घरेलू उद्योग को पुनः निर्यातों के लिए आयातों सहित समग्र आयात डेटा प्रदान करना चाहिए, जिन्हें पृथक्करण पद्धति के अनुसार आयात पृथक्करण से बाहर किया गया है।
 - ग. कीमत प्रभाव के लिए, प्राधिकारी से अनुरोध है कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई पृथक्करण पद्धति के साथ-साथ आयातों के एक सार्थक विश्लेषण के लिए सिंगल मापन के लिए विभिन्न मात्रा में युनिटों को बदलने के लिए प्रयुक्त परिवर्तनकारक की जांच करें।
 - घ. सेंडविक को यह जानकारी नहीं है कि क्या दिनांक 8 मार्च, 2022 को प्राप्त आयात संबंधी आंकड़े आवेदक द्वारा प्रदान किए गए आंकड़े हैं या प्राधिकारी द्वारा डीजीसीआई एंड एस से संकलित किए गए हैं।
 - ड. सेंडविक को ट्रेड नोटिस 7/2018 के अनुसार डीजीसीआई एंड एस से आंकड़े प्राप्त करने के लिए प्राधिकारी से प्राधिकार प्राप्त हुआ है और ऐसे प्राधिकार के अभाव में वह आवेदकों द्वारा प्रदान किए गए आयातों संबंधी आंकड़ों की सत्यता के बारे में कोई सार्थक टिप्पणी प्रदान करने में असमर्थ हैं।
 - च. शुल्क के निर्धारित रूप का ऐसे डाउनस्ट्रीम प्रयोक्ताओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जो संबद्ध वस्तुओं का आयात करते हैं और देश में मांग आपूर्ति अंतर को देखते हुए घरेलू उद्योग को अनुचित संरक्षण मिलता है।
 - छ. प्राधिकारी को एक निर्धारित कोटा अथवा शुल्क के एक ट्रिगर कीमत रूप की सिफारिश करनी चाहिए, ताकि अधिक कीमतों के कारण प्रयोक्ताओं पर अधिक भार से बचा जा सके, जैसा कि बल्गारिया, चीन जन. गण., मलेशिया, सिंगापुर और साउथ कोरिया से प्री-सेंसाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्युमिनियम के मामले में अथवा कोरिया गणराज्य, सउदी अरब और ताइवान से एसिटोन के मामले में है।
 - ज. प्राधिकारी गलत घोषित वस्तुओं के बारे में चिंता व्यक्त करने के लिए उपयुक्त मंच नहीं है।
 - झ. यदि प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध वस्तुएं भारत में गलत घोषित की जा रही हैं, तो यह उनके खिलाफ किसी जांच के बिना सभी निर्यातकों और आयातकों के लिए लागू होगी।

च.2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

48. घरेलू उद्योग द्वारा अन्य मामलों के संबंध में किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :
 - क. भारत में आयातों की कुल मात्रा, पुनः निर्यातों के लिए किए गए आयातों को बाहर निकालने के बाद निर्धारित की जानी चाहिए, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा कास्टिक सोडा के आयातों पर पाटनरोधी जांच में किया गया है।

- ख. घरेलू उद्योग ने, जैसा कि ट्रेड नोटिस 7/2018 में प्रदान किया गया है, आयात संबंधी आंकड़े प्रदान किए हैं।
- ग. यह तर्क कि शुल्क का निर्धारित रूप प्रयोक्ताओं के लिए क्षतिकारी होगा, यह संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों द्वारा किया गया है न कि प्रयोक्ताओं द्वारा।
- घ. शुल्क के ट्रिगर कीमत रूप के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इस्पात और इस्पात उत्पादों की कीमतों में हाल की अवधि में काफी वृद्धि हुई है और ऐसी ट्रिगर कीमत से शुल्क निरर्थक हो जाएंगे।
- ड. संबद्ध देश से निर्यात किए गए कोल्ड ड्रॉन/ कोल्ड फिनिस्ड उत्पाद भारत में सेमी-फिनिस्ड/ होट रोलड उत्पादों के रूप में गलत घोषित किए जा रहे हैं, जैसा कि यूरोपीय आयोग के धोखाधड़ी विरोधी कार्यालय द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से स्पष्ट है।
- च. जहां तक इस दावे का संबंध है कि वस्तुओं की गलत घोषणा प्राधिकारी के समक्ष नहीं की जा सकती, यह अनुरोध किया गया था कि यह मामला आयातों की मात्रा और कीमत, देश में मांग तथा उपयुक्त पीसीएन के निर्धारण के लिए संगत है।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

49. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच घरेलू उद्योग द्वारा दाखिल एक विधिवत साक्ष्य सहित याचिका के आधार पर शुरू की गई थी। पाटन की मौजूदगी, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने के बाद जांच शुरू की गई थी। याचिका में जांच की शुरुआत करने के प्रयोजन के लिए संगत सभी सूचना निहित है। जांच शुरू होने के बाद, आवेदकों से आवश्यक समझी गई और भी सूचना की मांग की गई है और उसे आवेदकों द्वारा प्रदान किया गया है।
50. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी वस्तुओं की मिथ्या घोषणा के बारे में उठाई गई चिन्ताओं के लिए उपयुक्त मंच नहीं है, यह नोट किया जाता है कि आवेदकों की चिन्ताएं प्राथमिक रूप से होट रोलड और कोल्ड रोलड पाइपों तथा ट्यूब की सही पहचान के संबंध में है। वर्तमान मामले में, प्राधिकारी ने निर्यात कीमत और पहुंच कीमत सहित पीसीएन-वार कीमतों के निर्धारण के लिए प्रतिवादी उत्पादकों के आंकड़ों का संदर्भ लिया है और उन्हें स्वीकार किया है। निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना का, जांच की अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा मार्जिन के निर्धारण के लिए प्रस्तुत ऐसी सत्यापित सूचना पर विचार किया है न कि सीमाशुल्क प्राधिकारियों के लिए घोषित आंकड़ों पर।
51. जहां तक शुल्क के रूप का संबंध है, प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटीकरण विवरण के लिए टिप्पणियां आमंत्रित करने के बाद और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध की मौजूदगी और पाटनरोधी शुल्क लगाने की जरूरत का निष्कर्ष निकालने के बाद उसका निर्धारण करेंगे।
52. इस तर्क के संबंध में कि पृथक्करण पद्धति की जांच करने की जरूरत है और घरेलू उद्योग द्वारा परिवर्तन के फेक्टर को अपनाया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में आंकड़ों का वास्तविक सत्यापन किया गया है। प्राधिकारी ने वर्तमान अंतिम निष्कर्ष के प्रयोजन के लिए पृथक्करण पद्धति और परिवर्तन कारकों सहित केवल सत्यापित आंकड़ों पर विचार किया है।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

53. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
 - क. चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है क्योंकि एक्सेसन प्रोटोकॉल का अनुच्छेद 15 दिनांक 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गया है। जैसा कि यूएस और यूरोपीय संघ द्वारा डब्ल्यूटीओ के लिए चीन एक्सेसन के समय समझा गया था। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए 'प्रतिनिधिक देश' के निर्धारण की प्रक्रिया का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। ईसी-फास्टनर्स (चीन) में हाल की अपील निकाय रिपोर्ट का संदर्भ दिया जा सकता है।

- ख. भारत डब्ल्यूटीओ के सदस्य के रूप में "समझौतों को बनाए रखा जाना चाहिए "पैक्टा सउंट सर्वान्डा" के सिद्धांत द्वारा बंधा हुआ है और दिनांक 11 दिसंबर, 2016 से चीन की पूर्ण बाजार आर्थिक स्थिति की पहचान करनी चाहिए। यह कार्य निष्पादन में विफलता के लिए स्पष्टीकरण के रूप में घरेलू कानून नहीं लगा सकता।
- ग. व्हाइट हाउस द्वारा जारी विवरण और ईयू काउंसिल के निर्णय के साथ संबद्ध स्पष्टीकरण जापान में यह प्रकट किया गया है कि यूएस और यूरोपीय संघ ने भी यह जानकारी साझा की है कि चीन जन.गण. को केवल 11 दिसंबर, 2016 तक ही एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जा सकता है।
- घ. उत्पादकों द्वारा प्रदान की गई लागत और कीमत का उपयोग सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए किया जाना चाहिए न कि सदृश देश के आंकड़ों के लिए।
- ड. कोरिया गणराज्य एक उपयुक्त अन्य देश है क्योंकि कोरिया गणराज्य से आयातों की मात्रा बहुत ही कम है और आयात विवरण से पीसीएन-वार कीमत निर्धारित करना संभव नहीं है।
- च. प्राधिकारी को सेंडविक के लिए प्रश्नावली उत्तर के आधार पर व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारित करना चाहिए, जो यह दर्शाएगा कि वह पाटन नहीं कर रहा है।
- छ. सेंडविक ने बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन किया क्योंकि कीमत, लागत और इनपुट आदि के बारे में कारोबारी निर्णय बाजार में मांग आपूर्ति की स्थिति के अनुसार है और राज्य के बिना किसी हस्तक्षेप के हैं। सेंडविक दिवालिया होने की कगार पर है और सम्पत्ति कानून तथा विनियम दर बाजार द्वारा निर्धारित की जाती है।
- ज. घरेलू उद्योग के अनुरोधों के विपरीत सेंडविक संबद्ध वस्तुओं का एक निर्यातक है और प्राधिकारी को निर्माण क्रियाकलाप के ब्यौरे प्रदान किए हैं। मदर ट्यूब को कोल्ड रोल्ड पाइपों व ट्यूब में प्रसंस्कृत करना निर्माण में शामिल है क्योंकि अंतिम उत्पाद मदर ट्यूब की तरह नहीं है और उसी प्रयोजन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।
- झ. प्राधिकारी को इतनी विलंब की अवस्था में उत्पादक/ निर्यातक की सैम्पलिंग नहीं करनी चाहिए क्योंकि जैसा कि यूएस और ईयू की प्रक्रिया भी है, प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने से पूर्व सैम्पलिंग की जानी चाहिए।
- ञ. यहां तक कि यदि प्राधिकारी सैम्पलिंग करते हैं तो जियांग्सू वुजिन का सैम्पल होना चाहिए क्योंकि यह मुख्यतः भारत सरकार की परियोजनाओं में प्रयोग के लिए विशेष ग्रेड के उत्पादों की आपूर्ति करता है।

छ.2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

54. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
 - क. चीन जन. गण. को चीन एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क) (i) के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुबंध 1 अनुसार निर्धारित करना चाहिए।
 - ख. चूंकि चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क) (i) के प्रावधान लागू रहे हैं। अतः चीन जन. गण. में उत्पादकों को यह दर्शाना आवश्यक है कि बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियां मौजूद हैं।
 - ग. ईसी- फास्टनर्स मामले में अपील निकाय ने विशिष्ट तौर पर यह समझौता नहीं किया है कि क्या अनुच्छेद 15(क) के समग्र प्रावधान अथवा केवल अनुच्छेद 15 (क) (ii) के प्रावधान 15 वर्षों की समाप्ति पर कालातीत हो जाएंगे।
 - घ. सभी हाल की जांचों में प्राधिकारी ने चीन जन. गण को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना है।
 - ड. हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, यूरोपीय संघ और यूएसए घरेलू बिक्रियों और चीन जन. गण. की लागत को अस्वीकार करना जारी रखेंगे। जबकि चीन ने इसके लिए डब्ल्यूटीओ विवाद समाधान निकाय को अनुरोध किया था लेकिन बाद में उसे हटा लिया।

- च. चूंकि किसी भी निर्यातक ने, एक को छोड़कर, एक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दाखिल नहीं किया है, अतः उन्हें एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था में प्रचालनरत माना जाना चाहिए। सामान्य मूल्य का निर्धारण, भारत में कोरिया गणराज्य के आयातों के आधार पर करना चाहिए, क्योंकि कोरिया गणराज्य के संबद्ध देश के बाद भारत को सबसे अधिक आयात हैं। जैसा कि कुइतन जिंजियांग कैमिकल इंडस्ट्री कंपनी बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में अधिकरण द्वारा पाया गया है, केवल आयातों की मात्रा और क्या प्रतिनिधिक देश जांच की अवधि के दौरान पाटन कर रहे हैं, संगत है।
- छ. सेंडविक मैटिरियल टेक्नोलोजी (चीन) कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता। चीन जन. गण. में विदेशी विनिमय की दर सरकार द्वारा नियमित की जाती है और स्टेट ग्रिड कंपनी लिमिटेड द्वारा सब्सिडी कीमत पर बिजली प्रदान की गई है।
- ज. यद्यपि निर्यातक ने यह दावा किया है कि मासिक विनिमय परिवर्तन दरें सेंडविक ग्रुप द्वारा निर्धारित की जाती हैं, लेकिन वार्षिक विवरणों के लिए स्थानीय दर चीन के केंद्रीय बैंक के अनुसार है। सरकार अपनी मुद्रा का कम मूल्यांकन करती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि चीन की वस्तुएं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी रहे।
- झ. प्राधिकारी ने यह पाया है कि चीन जन. गण. में विद्युत, वेल्डिड स्टेनलेस स्टील पाइप और ट्यूब, सेकेरीन और अट्राजीन टेक्नीकल के आयातों सहित अनेक जांचों में सब्सिडी दरों पर है।
- ञ. उत्पादकों की सैम्पलिंग आवश्यक है, क्योंकि अनेक उत्पादकों ने भाग लिया है, जिनमें से कुछ के पास बहुत ही कम आयात हिस्सा है और प्राधिकारी के पास जांच पूरी करने के लिए सीमित समय है। निर्यातों की मात्रा के आधार पर सैम्पलिंग करनी चाहिए।
- ट. सेंडविक को व्यक्तिगत शुल्क प्रदान नहीं किए जा सकते क्योंकि यह एक प्रोसेसर है न कि उत्पादक। यह संबद्ध वस्तुएं भारत और स्वीडन में अपने संगत पक्षकार से खरीदता है और उन पर केवल कोल्ड ड्रॉन प्रसंस्करण करता है। चूंकि दोनों संगत पक्षकार वर्तमान जांच में भाग लेने में विफल रहे हैं, अतः व्यक्तिगत शुल्क प्रदान नहीं किया जा सकता।
- ठ. सेंडविक यह स्थापित करने में विफल रहा है कि उसने संबद्ध वस्तुएं आर्म्स लेंथ आधार पर अपने संगत पक्षकारों से खरीदी है। यदि ऐसी इनपुट आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं हैं, तो निर्यातक की उत्पादन की लागत, विशेषकर इस तथ्य के कारण कम आंकी गई है कि उत्पादन की प्रमुख लागत होट फिनिशिंग की अवस्था में हुई है।
- ड. विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए निर्यातक द्वारा प्रयुक्त इनपुट को जांचने की जरूरत है। यदि निर्यातक केवल मदर होलो की खरीद करके प्रसंस्करण करते हैं, तो उन्हें कोई भी व्यक्तिगत शुल्क प्रदान नहीं किया जा सकता।
- ढ. कोरिया गणराज्य को केवल इस कारण से कि पीसीएन-वार सूचना उपलब्ध नहीं है, प्रतिनिधिक देश के रूप में अस्वीकार नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों से उपलब्ध सूचना पर भरोसा कर सकते हैं।

छ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

55. डब्ल्यूटीओ में चीन के एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है: "जीएटीटी 1994 का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

(क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

4. यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
 5. आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
 - (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाइयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
 - (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
 - (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्रामि की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्रामि की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"
56. यह नोट किया गया है कि जबकि चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान दिनांक 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए हैं, एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 (क) (i) के तहत बाध्यता के साथ पठित पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8 में विनिर्दिष्ट मानदंडों की प्रति, बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति का दावा करने संबंधी अनुपूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली सूचना/ डेटा के माध्यम से दी जानी है। यह नोट किया जाता है कि सेंडेविक मैटिरियल टेक्नोलोजी (चीन) कंपनी लिमिटेड के अलावा चीन जन. गण. से किसी अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने सूचना प्रमाणित करते हुए दाखिल नहीं की है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था शर्तों के अंतर्गत प्रचालन करते हैं, सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना आवश्यक है।
 57. सैंपलिंग के तर्क के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन्होंने वर्तमान जांच में सैंपलिंग का सहारा नहीं लिया है और अतः इन चिंताओं को समाधान में शामिल करना आवश्यक नहीं है।
 58. प्राधिकारी ने सेंडेविक मैटिरियल टेक्नोलोजी (चीन) कं. लि. द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था उपचार दावे की जांच की है। निर्यातक ने यह कहा है कि वह एक स्वीडिश कंपनी की एक 100% सहायक कंपनी है और स्वीडन तथा भारत में स्थित संगत संस्थाओं से कच्ची सामग्री की खरीद करती है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादक ने यह स्थापित नहीं किया है कि संगत पक्षकारों से कच्ची सामग्री की खरीद आर्म्स स्ट्रेथ कीमत पर थी। यह भी नोट किया जाता है कि निर्यातक यह स्थापित करने में विफल रहे हैं कि बिजली और पानी सहित यूटिलिटी की लागत उचित बाजार कीमत को दर्शाती है। रिकार्ड पर उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, कंपनी ने राफ ग्रिड जियांग्सू इलैक्ट्रिक पावर लिमिटेड से बिजली की खरीद की है, जो कि चीन सरकार के स्वामित्व में स्टेट ग्रिड कंपनी लिमिटेड है।

जिस कीमत पर यह संख्या उत्पादक को आपूर्ति करती है, वह बाजार की कीमतों को नहीं दर्शाती। ऐसी स्थिति में, प्राधिकारी ने सेंडविक मैटिरियल टेक्नोलोजी (चीन) कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान न करने का निर्णय लिया है और इसका सामान्य मूल्य नीचे दिए गए तरीके से निर्धारित किया गया है।

सामान्य मूल्य का निर्धारण

चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य की जांच

59. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सेंडविक मैटिरियल टेक्नोलोजी (चीन) कं. लि. को छोड़कर, चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक ने उनके अपने आंकड़ों/ सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का दावा नहीं किया है, अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण, नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है, जिसका इस प्रकार पठन किया जा सकता है:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”

60. आवेदकों ने यह दावा किया है कि कोरिया गणराज्य को बाजार अर्थव्यवस्था वाले अन्य देश के रूप में विचार किया जाना चाहिए और तदनुसार, भारत को कोरिया गणराज्य से निर्यातों की कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया गया है। आवेदकों ने कोरिया गणराज्य के भारत को निर्यातों की सीआईएफ कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। ऐसी कीमत को समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, बंदरगाह व्यय, कमीशन, बैंक प्रभार और स्वदेशी मालभाड़ा के लिए समायोजित किया गया है। चूंकि चीन जन. गण. के अलावा, कोरिया गणराज्य से आयातों में भारत में महत्वपूर्ण आयात शामिल हैं। अतः प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या ऐसे आयातों की कीमत का सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रयोग किया जा सकता है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में पीसीएन को अपनाया है। आयात सोदे का विवरण, जैसा कि भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों में सूचित किया गया है, कोरिया गणराज्य सभी मामलों में पीसीएन की पहचान अनुमत नहीं करता। चूंकि वर्तमान जांच में पीसीएन-वार तुलना करना आवश्यक है। अतः कोरिया गणराज्य से आयात संबंधी आंकड़ों पर विचार किया जा सकता है। अतः पीसीएन-वार सूचना की सही पहचान न होने के कारण, सामान्य मूल्य को कोरिया से भारत सहित अन्य देशों को आयातों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता है।
61. उपरोक्त को देखते हुए, चीन जन. गण. से भारत को आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य भारत में भुगतान योग्य कीमत के आधार पर व अन्य “तर्कसंगत आधार पर” निर्धारित की गई है। चीन जन. गण. में सभी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्यय तथा तर्कसंगत लाभ मार्जिन के साथ तर्कसंगत बदलाव करने के बाद घरेलू उद्योग के लिए अनुकूलित उत्पादन की लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है और इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

निर्यात कीमत का निर्धारण

62. निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए हैं :

I. बंगनुओ ग्रुप

- क. झेजियांग बंगनुओ स्टील पाइप कं. लिमिटेड (“झेजियांग बंगनुओ”)
ख. वेनझोऊ स्पार्कलिंग इंटरनेशनल ट्रेड कं., लिमिटेड (“वेनझोऊ स्पार्कलिंग”)

II. झेजियांग ग्रुप

- क. झेजियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील कं., लिमिटेड ("होंगकुआन")
- ख. झेजियांग यिनलोंग स्टेनलेस स्टील कं., लिमिटेड ("यिनलोंग")
- ग. झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड ("यिनलोई")

III. हुआतियन ग्रुप

- क. झेजियांग हुआतियन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं., लिमिटेड
- ख. वेनझोऊ हुआचाओ टेक कं., लिमिटेड ("हुआचाओ")

IV. सोडो ग्रुप

- क. वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ("वेनझोऊ सोडो")
- ख. वेनझोऊ गिसुन स्टेनलेस स्टील कं., लिमिटेड ("वेनझोऊ गिसुन")
- ग. लियो रोनाल्डो (यूके) हाई-टेक मेटल्स लिमिटेड ["लियो रोनाल्डो (यूके)"]

V. यी जिया बांग ग्रुप

- क. झेजियांग यी जिया बांग स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड ("यी जिया बांग")
- ख. वेनझोऊ न्यू सक्सीड इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं., लिमिटेड ("वेनझोऊ न्यू सक्सीड")

VI. झेजियांग जियूली हाई-टेक

- क. झेजियांग जियूली हाई-टेक मेटल्स कं., लिमिटेड ("जियूली")

VII. शेगटक

- क. शेगटक न्यू मैटेरियल्स कं., लिमिटेड

VII. सेंडविक

- क. सेंडविक इंटरनेशनल ट्रेडिंग (शंघाई) कं., लिमिटेड
- ख. सेंडविक मैटेरियल्स टेक्नोलोजी (चीन) कं., लिमिटेड
 - i. जिआंगसु वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं., लिमिटेड
 - ii. झेजियांग त्सिंगशान स्टील पाइप कं., लिमिटेड
 - iii. हुदई स्टील ग्रुप कं., लिमिटेड
 - iv. झेजियांग डिंगशांग स्टेनलेस स्टील कं., लिमिटेड ("डिंगशांग")
 - v. झेजियांग जिंक्सिन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लिमिटेड ("जिंक्सिन")
 - vi. झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मैनुफैक्चरिंग कं., लिमिटेड ("जुंडा")
 - vii. झेजियांग जितोंगडा स्पेशियल स्टील मैनुफैक्चरिंग कं., लिमिटेड ("जितोंगडा")

निर्यात कीमत का निर्धारण**I. बंगनुओ ग्रुप**

झेजियांग बंगनुओ स्टील पाइप कं. लि.

- 63. झेजियांग बंगनुओ स्टील पाइप कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग बंगनुओ स्टील पाइप कं. लि. ने भारत को असंगत व्यापारी, वेनझोऊ स्पार्कलिंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. के माध्यम से *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।
- 64. झेजियांग बंगनुओ स्टील पाइप कं. लि. ने समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा और बंदरगाह व्यय के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्रकटीकरण के बाद के अपने बयान में, कंपनी ने कहा कि यह समझा जाता है कि प्राधिकरण ने एक बहुत ही उच्च निर्मित सामान्य मूल्य और गैर-हानिकारक कीमत का आकलन किया

है, जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की उच्च दर हुई है और प्राधिकारी से पुनः जांच करने का आग्रह किया है। पाटन और क्षति मार्जिन की गणना। तदनुसार, प्राधिकरण ने मार्जिन की गणना की पुनः जांच की और पाया कि मार्जिन में सुधार की आवश्यकता है। पुनः कार्य किया गया पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

II. होंगकुआन ग्रुप

झेजियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील एंड कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

65. झेजियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान झेजियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील कं. लि. ने भारत को *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
66. झेजियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील कं. लि. ने स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह प्रभार, समुद्री बीमा, समुद्री मालभाड़ा तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, झेजियांग होंगकुआन स्टेनलेस स्टील कं. लि. के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

झेजियांग यिनलॉग स्टेनलेस स्टील कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

67. झेजियांग यिनलॉग स्टेनलेस स्टील कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान झेजियांग यिनलॉग स्टेनलेस स्टील कं. लि. ने भारत को सीधे *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।
68. झेजियांग यिनलॉग स्टेनलेस स्टील कं. लि. ने समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्यय तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, झेजियांग यिनलॉग स्टेनलेस स्टील कं. लि. के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड के लिए निर्यात मूल्य

69. झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड एक सीमित देयता कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड ने विचाराधीन उत्पाद का *** एमटी सीधे भारत को निर्यात किया है। यह नोट किया जाता है कि हालांकि इस कंपनी द्वारा किए गए निर्यात प्रतिनिधि नहीं हैं, लेकिन चूंकि कंपनी हांगकॉन समूह का एक हिस्सा है, इसलिए प्राधिकारी ने उक्त उत्पादक/निर्यातक के लिए समूह व्यवहार के साथ आगे बढ़े हैं।

III. हुआतियन ग्रुप

झेजियांग हुआतियन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लि.

70. झेजियांग हुआतियन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग हुआतियन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लि. ने असंगत व्यापारी, वेनझोऊ हुआचाओ टेक कं. लि. के जरिए भारत को *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। तथापि, वेनझोऊ हुआचाओ टेक कं. लि. ने *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद की भारत को अन्य उत्पादक/निर्यातक/व्यापारी, जिसने भाग नहीं लिया है, से सीधे बिक्री की है।
71. झेजियांग हुआतियन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लि. ने समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा और बंदरगाह व्ययों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्रकटीकरण के बाद के अपने बयान में, कंपनी ने कहा कि यह समझा जाता है कि प्राधिकरण ने एक बहुत ही उच्च निर्मित सामान्य मूल्य और गैर-हानिकारक कीमत का आकलन किया है, जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की उच्च दर हुई है और प्राधिकारी से पुनः जांच करने का आग्रह किया है। पाटन और क्षति मार्जिन की गणना। तदनुसार, प्राधिकरण ने मार्जिन की गणना की पुनः जांच की और पाया कि मार्जिन में सुधार की आवश्यकता है। पुनः कार्य किया गया पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

IV. सोडो ग्राप

वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

72. वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान, वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लि. ने असंबंधित व्यापारी, वानझोऊ गिसुन स्टेनलेस स्टील कं. लि. के जरिए भारत को *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है और *** मी. टन का निर्यात असंबंधित व्यापारी लियो रोनाल्डो (यूके) हाई-टेक मेटल्स लि. के जरिए किया है। तथापि, लियो रोनाल्डो (यूके) हाई-टेक मेटल्स ने *** मी. टन की बिक्री, भारत को सीधे वेनझोऊ गिसुन स्टेनलेस स्टील कं. लि., जिसने भाग नहीं लिया है, से सीधे *** मी. टन की खरीद करके की है।
73. वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह प्रभारों, समुद्री मालभाड़ा, बैंक प्रभारों और समुद्री बीमा के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।
74. इसके अलावा, वानजाउ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने अपने ईक्यूआर पार्ट -1 में दावा किया है कि निर्यातक वानजाउ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लिमिटेड (इसके बाद "वानजाउ सोडो" या "कंपनी" के रूप में संदर्भित) का नाम बदल दिया गया था। 15 नवंबर 2020 से झेजियांग सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लिमिटेड। इस संबंध में उन्होंने बिजनेस लाइसेंस, चेंज रजिस्ट्रेशन फॉर्म और ऑर्गनाइजेशन चार्ट जमा किया है। उन्हीं दस्तावेजों के साथ उन्हीं मुद्दों को उनके ईमेल दिनांक 08.09.2022 के माध्यम से दोहराया गया था, जिसमें प्राधिकारी से शुल्क तालिका में नए नाम के साथ-साथ अंतिम निष्कर्षों के अन्य प्रासंगिक स्थानों का उल्लेख करने का अनुरोध किया गया था क्योंकि निर्यातक ने पूरी तरह से सहयोग किया है। प्राधिकरण। प्राधिकरण ने इस मुद्दे की जांच की है और नोट किया है कि नाम बदलने के लिए व्यापार सूचना संख्या 12/2018 दिनांक 17.09.2018 में एक निर्धारित प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसलिए, प्राधिकरण वानजाउ सोडो से व्यापार सूचना संख्या 12/2018 दिनांक 17.09.2018 के तहत आवेदन करने का आग्रह करता है।

V. यी जिया वांग ग्रुप

झेजियांग यी जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि.

75. झेजियांग यी जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग यी जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि. ने वेनझोऊ न्यू सक्सीड इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि. के जरिए भारत को *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।
76. झेजियांग यी जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि. ने समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्यय तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, झेजियांग यी जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि. के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

VI. झेजियांग जियूली हाई-टेक

झेजियांग जियूली हाई-टेक मेटल कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

77. झेजियांग जियूली हाई-टेक मेटल कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग जियूली हाई-टेक मेटल कं. लि. ने भारत को *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
78. झेजियांग जियूली हाई-टेक मेटल कं. लि. ने समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्यय तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। तदनुसार, झेजियांग जियूली हाई-टेक मेटल कं. लि. के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

VII. शेंगटक

शेंगटक न्यू मैटेरियल्स कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

79. शेंगटक न्यू मैटेरियल्स कं. लि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान शेंगटक न्यू मैटेरियल्स कं. लि. ने भारत को *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का सीधे निर्यात किया है।
80. इसके अलावा, निर्यातक द्वारा दायर किए गए दस्तावेजों के जवाब/डेस्क सत्यापन के विश्लेषण पर, प्राधिकारी ने नोट किया कि निर्यातक द्वारा रिपोर्ट किए गए निर्यात की मात्रा डीजी सिस्टम डेटा से काफी भिन्न है। इस संबंध में, प्राधिकरण ने 22 अगस्त 2022 को एक पत्र जारी किया, जिसमें निर्यातक को इसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। निर्यातक/निर्यातक ने 25 अगस्त 2022 को जवाब दिया था। शेंगटक न्यू मैटेरियल्स कं., लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए गए अतिरिक्त आंकड़ों की जांच करने पर, यह देखा गया है कि जांच की अवधि के लिए उत्पादक/निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात डीजी के साथ संबंधित नहीं हैं। प्राधिकरण के पास उपलब्ध सिस्टम डेटा। निर्यातक के अनुरोध पर, प्राधिकरण ने 05-09-2022 ईमेल डेटा के माध्यम से निर्यातक को डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। प्रत्युत्तर में, निर्यातक ने दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए और मात्रा बेमेल को स्पष्ट किया। जबकि प्राधिकरण ने बेमेल के संबंध में स्पष्टीकरण पर ध्यान दिया है, प्राधिकरण ने यह भी नोट किया है कि डीजी सिस्टम डेटा में कुछ आयात प्रविष्टियों में, विवरण में "हॉट" शब्द का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है, जबकि परिशिष्ट -3 ए में, सभी प्रविष्टियां कोल्ड फिनिश के रूप में दावा किया जाता है। इसलिए, प्राधिकरण ने कंपनी द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

VII. सांडविक

सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमि. के लिए निर्यात कीमत

81. सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमि. एक सीमित देनदारी वाली कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमि. ने भारत को *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का सीधे निर्यात किया है।
82. इसके अलावा, प्राधिकारी ने 23.03.2022 को निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर/दस्तावेजों के विश्लेषण के लिए डेस्क सत्यापन के लिए एक पत्र भेजा था। प्राधिकारी ने नोट किया कि निर्यातक द्वारा रिपोर्ट किए गए निर्यात की मात्रा डीजी सिस्टम डेटा से काफी भिन्न है। इस संबंध में, प्राधिकरण ने 17 अगस्त 2022 को एक पत्र जारी किया, जिसमें निर्यातक को इसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। हालाँकि, सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमि. ने इसे स्पष्ट करते हुए कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की। इसके अलावा, प्रकटीकरण विवरण के बाद, उक्त निर्यातक ने बिना किसी प्रासंगिक दस्तावेज के ई-मेल दिनांक 30-08-2022 द्वारा उत्तर दिया था। निर्यातक के अनुरोध पर, प्राधिकरण ने ईमेल डेटा 05-09-2022 के माध्यम से डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। प्रत्युत्तर में, निर्यातक ने मात्रा बेमेल को स्पष्ट करने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। तत्पश्चात, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश (डब्ल्यू.पी.(सी) 12894/2022 और सीएम संख्या 39167-69/2022) दिनांक 06-09-2022 के अनुसार, निर्यातक ने ईमेल दिनांकित ईमेल के माध्यम से प्राधिकरण को दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए थे। 09-09-2022। सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमि. द्वारा प्रस्तुत किए गए डेटा की जांच करने पर, यह नोट किया जाता है कि डीजी सिस्टम डेटा निर्यात लेनदेन से संबंधित नहीं है।
83. इसके अलावा, सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमिटेड द्वारा दायर प्रतिक्रिया से पता चलता है कि कंपनी अपनी संबंधित संस्थाओं से विचाराधीन उत्पाद का आयात करती है और उसी पर ठंडे तरीके से प्रक्रिया करती है। तैयार उत्पाद को फिर घरेलू बाजार में बेचा जाता है और साथ ही भारत को निर्यात किया जाता है। हॉट रोल्ड उत्पादों के उत्पादकों ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। चूंकि सांडविक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमिटेड को विचाराधीन उत्पाद का उत्पादक नहीं माना जा सकता है और मध्यवर्ती उत्पाद (हॉट रोल्ड उत्पाद) के उत्पादकों ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है, इसलिए सांडविक को व्यक्तिगत शुल्क नहीं दिया जा

सकता है। मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (चाइना) कं., लिमिटेड उपर्युक्त कारणों से, प्राधिकरण ने कंपनी द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

i. जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

84. जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लि. एक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लि. ने भारत को सीधे *** मी. टन विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।
85. इसके अलावा, निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर/डेस्क सत्यापन दस्तावेजों के विश्लेषण पर, प्राधिकारी ने नोट किया कि निर्यातक द्वारा रिपोर्ट किए गए निर्यात की मात्रा डीजी सिस्टम डेटा से काफी भिन्न है। इस संबंध में, प्राधिकारी ने 26 जुलाई 2022 को एक पत्र जारी किया, जिसमें निर्यातक को इसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। निर्माता/निर्यातक ने 3 अगस्त, 2022 को जवाब दिया था। जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं., लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए गए अतिरिक्त आंकड़ों की जांच करने पर, यह देखा गया कि जांच की अवधि के लिए उत्पादक/निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात प्राधिकरण के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम डेटा से संबंधित नहीं थे। इसलिए, प्राधिकरण ने कंपनी द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का प्रस्ताव किया था। निर्यातक के अनुरोध पर, प्राधिकरण ने निर्यातक को दिनांक 05-09-2022 के ईमेल के माध्यम से डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं., लिमिटेड द्वारा ईमेल दिनांक 06-09-2022 द्वारा प्रस्तुत किए गए डेटा और दस्तावेजों की जांच करने पर, यह नोट किया जाता है कि डीजी सिस्टम डेटा निर्यात लेनदेन और जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप समूह कं., लिमिटेड द्वारा निर्यात की गई मात्रा से संबंधित है। इसलिए, निर्यातक के अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है और प्राधिकारी ने कंपनी के लिए अलग-अलग मार्जिन का निर्धारण किया है।
86. जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं., लिमिटेड ने महासागर भाड़ा, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय भाड़ा, बंदरगाह खर्च और बैंक शुल्क के कारण समायोजन का दावा किया है। तदनुसार, जियांगसू वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं., लिमिटेड के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ii. झेजियांग टिसंगशॉन स्टील पाइप कं. लिमि., के लिए निर्यात कीमत

87. झेजियांग टिसंगशॉन स्टील पाइप कं. लिमि., ने भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
88. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किये गये उत्तर का विश्लेषण किये जाने पर, प्राधिकारी ने नोट किया कि जिस प्रकार कि तैयार उत्पाद का प्रकार जो हॉट फिनिशड है अथवा कोल्ड फिनिशड का उल्लेख कंपनी द्वारा उत्तर के साथ उपलब्ध कराये गये निर्यात दस्तावेजों में उल्लेख नहीं किया गया है। प्राधिकारी ने भारत को निर्यात किये गये विचाराधीन उत्पाद के लिए तैयार उत्पाद/ प्रक्रिया के संबंध में निर्यातक से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए दिनांक 17 अगस्त, 2022 को एक पत्र जारी किया। निर्यातक ने दिनांक 22 अगस्त, 2022 के पत्र के माध्यम से अनुरोध किया। निर्यातक ने उल्लेख किया कि कोई भी तैयार उत्पाद भारत को निर्यात किये जाने के लिए तैयार नहीं किया जाता है। हालांकि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद या तो हॉट रोलड या कोल्ड रोलड। विचाराधीन उत्पाद का निर्माण या तो कोल्ड फिनिशड प्रक्रिया अथवा हॉट फिनिशड प्रक्रिया का उपयोग करते हुए किया जाता है। अपेक्षित सूचना के अभाव में, प्राधिकारी ने पहले यह निर्धारित किया था कि निर्यातक द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, 29 अगस्त, 2022 के प्रकटीकरण विवरण के जवाब में, निर्यातक ने 2 सितंबर, 2022 के पत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया कि निर्यातक ने संज्ञा के रूप में "फिनिश" शब्द को अपने नाममात्र अर्थों में समझा: "एक सामग्री की सतह की स्थिति"। या "वार्निश, पॉलिश या पेंट का अंतिम आवरण, जो किसी चीज़ पर लगाया जाता है" (कैम्ब्रिज डिक्शनरी में) और उपरोक्त प्रश्न के उत्तर में दिनांक 17 अगस्त, 2022 के पत्र में "नो फिनिश" प्रस्तुत किया गया। निर्यातक ने पत्र के माध्यम से दिनांक 2 सितंबर, 2022 ने पीओआई के दौरान किए गए सभी निर्यातों से संबंधित निर्यात दस्तावेज प्रस्तुत किए, जो कोल्ड-फिनिश पीयूसी दिखाते हैं। निर्यातक ने 6 सितंबर, 2022 को एक अन्य प्रतिक्रिया भी प्रस्तुत की जिसमें भारत को पीयूसी के सभी निर्यातों के लिए चीन के सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा जारी सीमा शुल्क घोषणा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए थे।

89. निर्यातक द्वारा दायर किए गए दोनों उत्तरों के विश्लेषण पर, यह देखा गया कि निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सभी निर्यात दस्तावेजों पर कोल्ड रोल्ड/फिनिश का उल्लेख किया गया था। चीन के सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा जारी किए गए सीमा शुल्क घोषणा प्रमाणपत्र यह भी दर्शाते हैं कि कोल्ड रोल्ड पीयूसी का भारत को निर्यात किया गया था। इसलिए, निर्यातक के अनुरोध स्वीकार किए जाते हैं और प्राधिकारी ने कंपनी के लिए अलग-अलग मार्जिन का निर्धारण किया है।
90. झेजियांग त्सिंगशान स्टील पाइप कं, लिमिटेड ने अंतर्देशीय भाड़ा, बंदरगाह व्यय और क्रेडिट लागत के कारण समायोजन का दावा किया है। तदनुसार, झेजियांग त्सिंगशान स्टील पाइप कं, लिमिटेड के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

iii. हूआदी स्टील ग्रुप कं. लिमि. के लिए निर्यात कीमत

91. हूआदी स्टील ग्रुप कं. लिमि. देयता कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान हूआदी स्टील ग्रुप कं. लिमि. ने भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
92. हूआदी स्टील ग्रुप कं. लिमि. ने समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्यय तथा बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्रकटन विवरण के बाद, प्राधिकारी ने निर्मित सामान्य मूल्य के आंकड़ों की फिर से जांच की और पाया कि निर्यातक के पाटन और क्षति मार्जिन में सुधार की आवश्यकता है। तदनुसार, संशोधित पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

iv. झेजियांग डिंगशॉन स्टेनलैस स्टील कं. लिमि., के लिए निर्यात कीमत

93. झेजियांग डिंगशॉन स्टेनलैस स्टील कं. लिमि. देयता कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान झेजियांग डिंगशॉन स्टेनलैस स्टील कं. लिमि., ने भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
94. निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर के विश्लेषण पर, यह नोट किया गया था कि उत्तर में रिपोर्ट की गई मात्रा भारतीय सीमा शुल्क डेटा से मेल नहीं खाती। निर्यातक के अनुरोध पर प्राधिकरण ने ईमेल डेटा 05-09-2022 के माध्यम से डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। झेजियांग डिंगशॉन स्टेनलैस स्टील कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत ईमेल दिनांक 06-09-2022 के माध्यम से डेटा और दस्तावेजों की जांच करने पर, यह नोट किया जाता है कि डीजी सिस्टम डेटा निर्यात लेनदेन और निर्यातक द्वारा निर्यात की गई मात्रा से संबंधित है।
95. यह आगे नोट किया गया था कि प्रतिक्रिया में उल्लिखित उत्पाद प्रकार का विवरण कोल्ड ड्रा किया गया था, प्रविष्टियों के बिल में हॉट रोल्ड उत्पादों का उल्लेख किया गया था। तदनुसार, प्राधिकरण ने 17 अगस्त 2022 को निर्माता को एक पत्र जारी किया जिसमें उसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। निर्यातक ने दिनांक 19 अगस्त, 2022 और 20 अगस्त, 2022 के पत्रों के माध्यम से उत्तर दिया। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर और रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक के पास हॉट रोलिंग सुविधा नहीं है और वह कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करने के लिए हॉट रोल्ड उत्पादों की खरीद करता है। तैयार उत्पाद का तब भारत को निर्यात किया जाता है। चूंकि झेजियांग डिंगशॉन स्टेनलैस स्टील कं. लिमि. केवल कोल्ड रोलिंग / कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करता है, अतः इसे विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक के रूप में नहीं माना जा सकता है और अलग अलग दरें मंजूर नहीं की जा सकती हैं।

v. झेजियांग जिनक्सिंग स्टेनलैस स्टील मैनुफैक्चर्स कं. लिमि., के लिए निर्यात कीमत

96. झेजियांग जिनक्सिंग स्टेनलैस स्टील मैनुफैक्चर्स कं. लिमि. देयता कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान झेजियांग जिनक्सिंग स्टेनलैस स्टील मैनुफैक्चर्स कं. लिमि. ने भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
97. निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर के विश्लेषण पर, यह नोट किया गया था कि उत्तर में रिपोर्ट की गई मात्रा भारतीय सीमा शुल्क डेटा से मेल नहीं खाती। निर्यातक के अनुरोध पर प्राधिकरण ने ईमेल डेटा 05-09-2022 के माध्यम से डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए ईमेल दिनांक 06-09-2022 के माध्यम से डेटा और दस्तावेजों की जांच करने पर, यह नोट किया जाता है कि डीजी सिस्टम डेटा निर्यात लेनदेन और निर्यातक द्वारा निर्यात की गई मात्रा से संबंधित है।

98. यह आगे नोट किया गया था कि प्रतिक्रिया में उल्लिखित उत्पाद प्रकार का विवरण कोल्ड ड्रॉ किया गया था, प्रविष्टियों के बिल में हॉट रोल्ड उत्पादों का उल्लेख किया गया था। तदनुसार, प्राधिकरण ने 17 अगस्त 2022 को निर्माता को एक पत्र जारी किया जिसमें उसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। निर्यातक ने दिनांक 19 अगस्त, 2022 और 20 अगस्त, 2022 के पत्रों के माध्यम से उत्तर दिया। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर और रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक के पास हॉट रोलिंग सुविधा नहीं है और वह कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करने के लिए हॉट रोल्ड उत्पादों की खरीद करता है। तैयार उत्पाद का तब भारत को निर्यात किया जाता है। चूंकि झेजियांग जिनकिंग स्टेनलैस स्टील मैनुफैक्चर्स कं. लिमि. केवल कोल्ड रोलिंग / कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करता है, अतः इसे विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक के रूप में नहीं माना जा सकता है और अलग अलग दरें मंजूर नहीं की जा सकती हैं।

vi. झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मेन्युफैक्चर्स कं. लिमि., के लिए निर्यात कीमत

99. झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मेन्युफैक्चर्स कं. लिमि., देयता कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मेन्युफैक्चर्स कं. लिमि., ने भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
100. निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर के विश्लेषण पर, यह नोट किया गया था कि उत्तर में रिपोर्ट की गई मात्रा भारतीय सीमा शुल्क डेटा से मेल नहीं खाती। निर्यातक के अनुरोध पर प्राधिकरण ने ईमेल डेटा 05-09-2022 के माध्यम से डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए ईमेल दिनांक 06-09-2022 के माध्यम से डेटा और दस्तावेजों की जांच करने पर। यह नोट किया जाता है कि डीजी सिस्टम डेटा निर्यात लेनदेन और निर्यातक द्वारा निर्यात की गई मात्रा से संबंधित है।
101. यह आगे नोट किया गया था कि प्रतिक्रिया में उल्लिखित उत्पाद प्रकार का विवरण कोल्ड ड्रॉ किया गया था, प्रविष्टियों के बिल में हॉट रोल्ड उत्पादों का उल्लेख किया गया था। तदनुसार, प्राधिकरण ने 17 अगस्त 2022 को निर्माता को एक पत्र जारी किया जिसमें उसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। निर्यातक ने दिनांक 19 अगस्त, 2022 और 20 अगस्त, 2022 के पत्रों के माध्यम से उत्तर दिया। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर और रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक के पास हॉट रोलिंग सुविधा नहीं है और वह कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करने के लिए हॉट रोल्ड उत्पादों की खरीद करता है। तैयार उत्पाद का तब भारत को निर्यात किया जाता है। चूंकि झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मेन्युफैक्चर्स कं. लिमि. केवल कोल्ड रोलिंग / कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करता है, अतः इसे विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक के रूप में नहीं माना जा सकता है और अलग अलग दरें मंजूर नहीं की जा सकती हैं।

vii. झेजियांग जिनटॉगडा स्पेशल स्टील मेन्युफैक्चरिंग कं. लिमि., के लिए निर्यात कीमत

102. झेजियांग जिनटॉगडा स्पेशल स्टील मेन्युफैक्चरिंग कं. लिमि., देयता कंपनी है। जांच की अवधि के दौरान झेजियांग जिनटॉगडा स्पेशल स्टील मेन्युफैक्चरिंग कं. लिमि. ने भारत को *** मी. ट. विचाराधीन उत्पाद का सीधे निर्यात किया है।
103. निर्यातक द्वारा दायर किए गए उत्तर के विश्लेषण पर, यह नोट किया गया था कि उत्तर में रिपोर्ट की गई मात्रा भारतीय सीमा शुल्क डेटा से मेल नहीं खाती। निर्यातक के अनुरोध पर प्राधिकरण ने ईमेल डेटा 05-09-2022 के माध्यम से डीजी सिस्टम डेटा प्रदान किया था। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए ईमेल दिनांक 06-09-2022 के माध्यम से डेटा और दस्तावेजों की जांच करने पर। यह नोट किया जाता है कि डीजी सिस्टम डेटा निर्यात लेनदेन और निर्यातक द्वारा निर्यात की गई मात्रा से संबंधित है।
104. यह आगे नोट किया गया था कि प्रतिक्रिया में उल्लिखित उत्पाद प्रकार का विवरण कोल्ड ड्रॉ किया गया था, प्रविष्टियों के बिल में हॉट रोल्ड उत्पादों का उल्लेख किया गया था। तदनुसार, प्राधिकरण ने 17 अगस्त 2022 को निर्माता को एक पत्र जारी किया जिसमें उसे स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया। निर्यातक ने दिनांक 19 अगस्त, 2022 और 20 अगस्त, 2022 के पत्रों के माध्यम से उत्तर दिया। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर और रिकार्ड उत्तर पर उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक के पास हॉट रोलिंग सुविधा नहीं है और वह कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करने के लिए हॉट रोल्ड उत्पादों की खरीद करता है। तैयार उत्पाद का तब भारत को निर्यात किया जाता है। चूंकि झेजियांग जिनटॉगडा स्पेशल स्टील मेन्युफैक्चरिंग कं. लिमि. केवल कोल्ड

रोलिंग / कोल्ड ड्रान प्रक्रिया करता है, अतः इसे विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक के रूप में नहीं माना जा सकता है और अलग अलग दरें मंजूर नहीं की जा सकती हैं।

viii. सभी असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

105. सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों जिन्होंने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया गया है उसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

पाटन मार्जिन

106. वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:

क्र. सं.	उत्पाद का नाम	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		(यू एस डॉ./ मी. ट.)	(यू एस डॉ./ मी. ट.)	(यू एस डॉ./ मी. ट.)	(%)	(रेंज)
1	झेजियांग बंगनुओं स्टील पाइप कं. लिमि.	***	***	***	***	0-10
2	झेजियांग हांग क्यूआन स्टेनलैस स्टील कं. लिमि. तथा झेजियांग यिंगलॉन स्टेनलैस स्टील कं. लिमि. तथा झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड	***	***	***	***	30-40
3	वेनझाउ सोडो स्टेनलैस स्टील मेनुफेक्चरिंग कं., लिमि.	***	***	***	***	40-50
4	झेजियांग हुआतियन स्टेनलैस स्टील मेनुफेक्चरिंग कं. लिमि.	***	***	***	***	20-30
5	झेजियांग यी जिय वॉन स्टील ट्यूब कं. लिमि.	***	***	***	***	60-70
6	झेजियांग जिउली हाई-टेक मेटल कं., लिमि.	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
7	हूआदी स्टील ग्रुप कं. लिमि.	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
8	जियांग्सु वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लि.	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
9	झेजियांग टिसंगशॉन स्टील पाइप कं. लिमि.,	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
10	गैर-सहयोगी/ अविशिष्ट निर्यातक	***	***	***	***	80-90

ज. क्षति और कारणात्मक की जांच

ज. 1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

107. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं :

- क. वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशन्स लिमि. द्वारा वास्तविक मंदी का दावा मानने योग्य नहीं है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं के लिए उद्योग भारत में पहले से ही मौजूद हैं और आरंभिक दिक्कतों का सामना करने वाला एक नया उत्पादक वास्तविक मंदी का दावा नहीं कर सकता है जो मोरक्को – तुर्की से हॉट-रॉलड स्टील में डब्ल्यू टी ओ पैनल के अनुसार निरंतर है। भारतीय उद्योग समग्र रूप से आरंभिक अवस्था वाला एक उद्योग है जिसकी स्थापना वास्तविक रूप से बाधित होती है क्योंकि भारतीय उत्पादकों की कुल भारतीय मांग एक तिहाई से अधिक उत्पादन है और वेलस्पन को छोड़कर सभी उत्पादक अच्छी तरह से स्थापित हैं।
- ख. वेलस्पन से नई सुविधा स्थापित नहीं की है बल्कि अपने मौजूदा संयंत्र को पुनर्जीवित किया है।
- ग. वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशन्स लिमि. आर्थिक मंदी का दावा माना नहीं जा सकता है क्योंकि जांच की शुरुआत से संबंधित अधिसूचना में प्राधिकारी ने वास्तविक क्षति और न कि वास्तविक मंदी का प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य नोट किया।
- घ. वेलस्पन स्पेशलिटी को क्षति के विश्लेषण से अवश्य ही बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने किसी वास्तविक क्षति का दावा नहीं किया है बल्कि केवल वास्तविक मंदी का दावा किया है। घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों ने प्रथम दो वर्षों में सुधार दर्शाया बल्कि वेलस्पन को जोड़े जाने के कारण उसमें गिरावट आई।
- ङ. आवेदकों को मौखिक सुनवाई के पश्चात् वास्तविक मंदी से लेकर वास्तविक क्षति के अपने दावे में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- च. आवेदकों ने घरेलू उद्योग को जानबूझकर क्षति पहुंचाने के लिए संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि को बढ़ा-चढ़ाकर उल्लेख किया है। क्षति के लिए दावे प्रकाशित सूचना के विपरीत है।
- छ. चीन जन. गण. से आयातों ने घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है क्योंकि संबद्ध आयातों की मात्रा में पूर्ण रूप में और मांग में गिरावट अनुरूप क्षति की अवधि के दौरान सापेक्ष रूप में गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग, समर्थकों और अन्य उत्पादकों की बिक्री में वृद्धि हुई है। जांच की अवधि के बाद की अवधि में भी संबद्ध आयात आधार वर्ष में हुए आयात की तुलना में कमतर है।
- ज. 2019 में और जांच की अवधि में आयातों में गिरावट का विश्लेषण दिसंबर 2020 से प्रभावी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और मई 2019 से प्रभावित घरेलू खरीद नीति के आलोक में किया जाना चाहिए।
- झ. आयात देश में मांग – आपूर्ति में अंतर को पूरा कर रहा है क्योंकि घरेलू उद्योग ने 63,247 मी. ट. की मांग के विरुद्ध केवल 25,303 मी. ट. की क्षमता स्थापित की है। घरेलू उद्योग निर्यात उन्मुख है और मूल पाइप से अलग अलग प्रकारों का उत्पादन करने के लिए विचाराधीन उत्पाद का उपयोग करते हुए बैकवर्ड एकीकरण करता है।
- ञ. पुनः निर्यात के लिए आयातों को बाहर किया जाना उपयुक्त नहीं है क्योंकि यह मात्रा के प्रभाव का आकलन करते समय शुल्क मुक्त आयातों और अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयातों को शामिल करते हुए आयात की समग्र मात्राओं की जांच करने के लिए प्राधिकारी की एक सतत् कार्यपद्धति है। यूरोपीय यूनियन के जाल-साल विरोधी कार्यालय के जांच परिणामों पर विश्वास नहीं किया जा सकता है क्योंकि केवल सीमित उत्पादकों ने उस जांच में भाग लिया, वह जांच अलग अलग अवधि से संबंधित थी और वह उस आंकड़े पर आधारित थी जो प्राधिकारी अथवा किसी अन्य पक्षकार के पास उपलब्ध नहीं था।
- ट. यदि पुनः निर्यात के उद्देश्य से आयातों को बाहर भी रखा जाना है तब विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर आंकड़े प्राप्त करना कठिन होगा क्योंकि इस उत्पाद को या तो सीधे जहाज से भेजा जाता है अथवा निर्यात करने के पूर्व उसे प्रसाधित किया जाता है। उस स्थिति में जब किसी अन्य आंकड़े पर विचार किया जाता हो, उसे सभी हितबद्ध पक्षकारों के साथ साझा किया जाना चाहिए। यदि पुनः निर्यात के उद्देश्य से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है तब निर्यात प्रवृत्ति में समान रूप से वृद्धि होनी चाहिए।

- ठ. पुनः निर्यात के लिए आयात के आंकड़ों को अलग अलग करना डी जी प्रणाली के आंकड़ों द्वारा भी संभव नहीं है क्योंकि इसका कोई संसूचक नहीं है जो आयातों के बाद वास्तविक मूल्यवर्धन की पहचान करने में सहायता करेगा।
- ड. यदि याचिकाकर्ता के दावे को स्वीकार भी किया जाता है कि यूरोप को जहाज से माल भेजने के लिए 2018-19 में आयातों में अचानक उछाल आया, जांच की अवधि में चीन जन. गण. से आयातों में आधार वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत तक गिरावट आई है जबकि आयात की कीमत में 17 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।
- ढ. संबद्ध देश और घरेलू उद्योग की लागतों की प्रवृत्ति तथा घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में आधार वर्ष की तुलना में समानुपातिक रूप से जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और इस प्रकार कोई कीमत संबंधी क्षति अथवा कीमत ह्रास या न्यूनीकरण नहीं हुआ है।
- ण. कीमत में कटौती क्षति के निर्धारण का आधार नहीं बनती है और उसे पृथक् रूप से लेकिन घरेलू उद्योग के समग्र कार्यनिष्पादन के आलोक में नहीं देखा जाना चाहिए। बिक्री कीमत का निर्धारण करना एक व्यापारिक निर्णय है जो उत्पादन की लागत पर निर्भर करता है और यदि उत्पादन की लागत को खर्चों के गलत आवंटन, हानि अथवा कमियों के कारण बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है तब इसके फलस्वरूप बिक्री कीमत उच्चतर हो सकती है।
- त. आयात कीमत और घरेलू बिक्री कीमत में क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कीमत में कटौती में 2018-19 और 2019-20 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है जबकि यह 2017-18 की तुलना में उसी दायरे में रही है।
- थ. संबद्ध आयातों की कीमते घरेलू उद्योग की लाभप्रदता से प्रभावित नहीं हुई हैं क्योंकि पीबीआईटी ने कीमत में कटौती के अत्यधिक रहने के अनुरूप संचलन किया है जबकि यह कटौती बहुत अधिक थी और कटौती में गिरावट में कमी आ रही थी।
- द. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों ने सुधार दर्शाया जबकि संबद्ध देशों की मात्रा 2017-18 और 2018-19 में सर्वाधिक थी जबकि इसकी ब्याज लागतों, ह्रास, हानि, क्षमता उपयोग आदि में तब वृद्धि हुई जब आयातों में गिरावट आई और वेलस्पन को शामिल किये जाने के बाद ऐसा हुआ।
- ध. कैप्टिव खपत संबंधी वास्तविक आंकड़ों के अभाव में, घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराये गये उत्पादन आंकड़ों की जांच नहीं की जा सकती है।
- न. मूल ट्यूब और अपेक्षाकृत छोटे ट्यूब के लिए क्षति संबंधी सामूहिक विश्लेषण बहुत अधिक मूल्यवर्धन को देखते हुए और घरेलू उद्योग द्वारा मूल ट्यूब की कैप्टिव खपत के संबंध में आंकड़ों के नहीं होने की स्थिति में सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर तथा बहुत अधिक मूल्यवर्धन को देखते हुए वस्तुपरक जांच नहीं होगी जो यूएस – हॉट-रॉल्लड स्टील और मोरक्को – हॉट-रॉल्लड (तुर्की) में डब्ल्यू टी ओ द्वारा लिये गये दृष्टिकोण के विपरीत है। प्राधिकारी को चीन जन. गण. और मेक्सिको से पेनिसिल्लीन – जी पोटासियम और चीन जन. गण. से 6-एपीए के समान मूल ट्यूब और अपेक्षाकृत लघु ट्यूब के लिए अलग अलग जांच तथा कुछ रबड़ केमिकल्स के संबंधित अनेक जांच अवश्य करनी चाहिए।
- प. कैप्टिव खपत के लिए अलग से विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है क्योंकि केवल पी सी एन-वार विश्लेषण मूल ट्यूब की जांच को अलग करने के अभाव के कारण मात्रा संबंधी प्रभाव, कीमत प्रभाव और अन्य क्षति संबंधी मापदंड के संबंध में वस्तुनिष्ठ क्षति निर्धारण किये जाने के लिए पर्याप्त नहीं है। उत्पादन आंकड़ों में कैप्टिव खपत को शामिल नहीं करने का आशय यह है कि घरेलू उद्योग का वास्तविक उत्पादन बहुत अधिक है। चूंकि संस्थापित क्षमता में दोनों उत्पादों के लिए क्षमताएं शामिल हैं अतः क्षमता के उपयोग को कम बताया जाना ही होगा।
- फ. कैप्टिव खपत में वृद्धि घरेलू बिक्री में गिरावट और मांग – आपूर्ति में अंतर का कारण हो सकता है। प्राधिकारी को क्षति का विश्लेषण चीन जन. गण. और ई यू से कुछ फोस्फोरस आधारित केमिकल

- कम्पाउण्ड और चीन से दो मिथाइल और (5) नाइट्रो इमीडाजोल जैसे मामलों में प्राधिकारी की कार्यपद्धति के अनुसार एक बार कैप्टिव खपत को छोड़कर और एक बार उक्त कैप्टिव खपत को शामिल कर अवश्य करना चाहिए।
- ब. रत्नमणि द्वारा कैप्टिव खपत में इस अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है। यदि घरेलू उद्योग के मापदंडों ने उसी प्रवृत्ति दर्शाया है, तब इसका आशय यह है कि विचाराधीन उत्पाद के एक बहुत बड़े हिस्से की खपत कैप्टिव रूप से की जा रही है और यह आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है।
- भ. यह मांग सही नहीं है क्योंकि इसमें 42 एमएम और उससे कम के कोल्ड-रोल्ड पोप्स का उत्पादन करने के लिए उपयोग किये जाने वाले 42 एमएम अथवा उससे अधिक व्यास के विचाराधीन उत्पाद शामिल नहीं हैं।
- म. जांच की अवधि में मांग महामारी के बाद के प्रभावों द्वारा प्रभावित नहीं हुई है और इसमें वृद्धि होने की संभावना है।
- य. घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन में क्षति की इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जबकि क्षमता के उपयोग में गिरावट आई है क्योंकि आवेदकों ने मौजूदा क्षमताओं को स्थिर किये बिना क्षमताओं में वृद्धि की है जो चिंता का एक कारण हो सकता है।
- कक. घरेलू उद्योग ने अभी क्षमता को बढ़ाकर प्रस्तुत किया है क्योंकि बाजार इनपुट्स के आधार पर घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षमता दावा किये गये 24,861 मी. ट. के विपरीत केवल 18,000 मी. ट. से 20,000 मी. ट. है।
- खख. वेलस्पन स्पेशिलिटी सॉल्यूशन द्वारा 2019-20 में क्षमता को बढ़ाये जाने के बावजूद, क्षमता के उपयोग में जांच की अवधि में 2019-20 में 38 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।
- गग. घरेलू उद्योग की निवल निर्धारित परिसंपत्ति, कार्यशील पूंजी और लगाई गई पूंजी में इस अवधि के दौरान संस्थापित क्षमता में वृद्धि की तुलना में उच्चतर दर से वृद्धि हुई है।
- घघ. ऐसा प्रतीत होता है कि रत्नमणि 93 प्रतिशत के क्षमता उपयोग से कार्य कर रहा है जबकि घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का केवल 40 प्रतिशत पर कार्य कर रहा है।
- ङङ. घरेलू उद्योग की घरेलू और निर्यात बिक्री दोनों में क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई है। बिक्री में मांग में गिरावट के बावजूद वृद्धि हुई है जो यह दर्शाता है कि गैर टैरिफ बाधाएं आयातों को कम करने में प्रभावी रही है।
- चच. मांग-आपूर्ति में अंतर के बावजूद घरेलू उद्योग निर्यातों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- छछ. जांच की अवधि में निर्यातों में गिरावट के बावजूद, घरेलू उद्योग की कुल लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- जज. संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग, समर्थकों और अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।
- झझ. आवेदकों के पास केवल 1.5 प्रतिशत मालसूची है जिसका कारण संबद्ध वस्तुओं का पाटन नहीं बताया जा सकता है।
- ञञ. घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।
- टट. वेलस्पन ने यह मानते हुए 37 प्रतिशत के सकल मार्जिन के साथ 2020-21 में लाभ अर्जित किया है कि यह केवल स्टेनलैस स्टील पाइप्स और ट्यूब सेगमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- ठठ. सभी आवेदकों ने कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किये गये वित्तीय विवरणी के अनुसार पिछले दो वित्तीय वर्षों में बहुत अधिक लाभ अर्जित किया है। ट्यूबासेक्स भी जो सिमलेस स्टेनलैस ट्यूब और पाइप के उत्पादन में एकमात्र सेगमेंट में कार्य करता है, ने पिछले दो वर्षों में लाभ दर्ज किया है।

- डड. जबकि घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि इसे ब्याज लागत, ह्रास और रीलशोधन खर्चों को शामिल नहीं किये जाने के बाद भी हानि हुई है, ऐसा कोई भी आंकड़ा हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणी करने की अनुमति देने के लिए रिकार्ड पर प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- ढढ. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और प्रतिफल पर प्रभाव नहीं डाला है क्योंकि इसे अन्य कारकों के कारण प्रारंभ से हानि होती रही है।
- णण. चूंकि घरेलू उद्योग ने वास्तविक क्षति के खतरे का दावा नहीं किया है अतः जांच की अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है। जांच की अवधि के बाद की अवधि में घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि पूर्ण और सापेक्ष रूप में आयातों की मात्रा में गिरावट आई है, आयात की कीमत में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग उत्पादन में वृद्धि करने में सक्षम थे और इसके साथ ही मांग में गिरावट आई है।
- तत. जब आयात सबसे अधिक था, घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों में सुधार हुआ। घरेलू उद्योग के आयातों तथा आर्थिक मापदंडों में 2019-20 में और जांच की अवधि में गिरावट आई। इस कारण से कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- थथ. आवेदक अन्य कारकों का समाधान करने में असफल रह हैं जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते थे जैसे धीमी बाजार वृद्धि, आंतरिक समस्याएं, कोविड-19 आदि। अनुच्छेद 3.5 के अनुसार, यूएस – हॉट रोलड स्टील में अपीलिय निकाय और यूएस – नार्वेजियन सालमॉन में पैनल के अनुसार, प्राधिकारी को गैर-विश्लेषण आरोपण अवश्य करना चाहिए।
- दद. प्राधिकारी को एक ओर ट्यूबासेक्स और चंदन स्टील और दूसरी ओर वेलस्पन के लिए आंकड़ों को यह सुनिश्चित करने के लिए अवश्य अलग अलग करना चाहिए कि क्षति नई कंपनी की उच्च ह्रास और ब्याज लागतों के कारण नहीं है। प्राधिकारी की मासिक अथवा तिमाही आधार पर नई कंपनी के आंकड़ों पर विचार करने की कार्यपद्धति है जैसा कि यूरोपीय यूनियन, कोरिया गणराज्य और थाइलैण्ड से स्टाइरिन बूटाडाइन रबड़ और नॉन-वोवन फेब्रिक के मामले में हुआ है।
- धध. ट्यूबासेक्स द्वारा संस्थापित दो नये पिलेजरों और 2019-20 में 27 करोड़ से अधिक के निवेश तथा मौजूदा मशीनरी में ह्रास और ब्याज लागत के कारण क्षति हो सकती है। यह वर्ष 2019-20 में घरेलू उद्योग द्वारा सूचित की गई उच्च ब्याज और ऋण लागत के अनुरूप है जिसके फलस्वरूप लाभ में गिरावट आई।
- नन. वेलस्पन एक सन कंपनी थी और इसने विचाराधीन उत्पाद उत्पादन शुरू किया क्योंकि इसे एलॉय स्टील क्षेत्र में हानि हो रही थी, जबकि विचाराधीन उत्पाद को लाभ हो रहा था।
- पप. वेलस्पन ने अपने क्रियाकलापों को स्थिर नहीं किया है और कंपनी को आरंभिक क्रियाकलापों के कारण हानि हो रही है, जिसने क्षमता के उपयोग को प्रभावित किया है जैसा कि वास्तविक रिपोर्ट में कंपनी द्वारा स्वयं स्वीकार किया गया है।
- फफ. वेलस्पन के निदेशक मंडल ने यह माना है कि एक नये व्यापार के रूप में उन्हें नये ग्राहक के अनुमोदनों, नये उत्पाद का विकास और प्रक्रिया लाइसेंसों से अनुमोदन प्राप्त करना अपेक्षित है जिसने उनके कार्यनिष्पादन को प्रभावित किया है।
- बब. सरकारी खरीद के घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग को क्षति केवल परस्पर कठोर प्रतिस्पर्धा के कारण हुई है।
- भभ. घरेलू उद्योग को निष्क्रिय क्षमता को बनाये रखा है जिसके परिणामस्वरूप उसे स्वयं क्षति हुई है। इसके अलावा, पूरी क्षमता पर भी, घरेलू उद्योग भारत में मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है और यह केवल मांग के आंशिक हिस्से की आपूर्ति कर सकता है।
- मम. कोविड-19 ने आवेदकों द्वारा माने गये अनुसार घरेलू उद्योग के प्रदर्शन को प्रभावित किया है।

- यय. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध के विपरीत, प्राधिकारी इस तथ्य की जांच कर सकते हैं कि क्या खोया गया आदेश संबद्ध वस्तुओं के विशेष ग्रेडों की आपूर्ति करने के लिए घरेलू उद्योग की अक्षमता के कारण हुआ है।
- ककक. घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण वेलस्पन की आरंभिक लागत में समायोजनों के अनुसरण में की जानी चाहिए।
- खखख. प्राधिकारी को परिसंपत्तियों और देयताओं का उचित आवंटन और ह्रास पर उनके प्रभाव, लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल और क्षतिरहित कीमत अवश्य सुनिश्चित करनी चाहिए। यदि उघाही गई निधियां विचाराधीन उत्पाद को आवंटित नहीं की जा सकती है तब यह प्रश्न खड़ा करने योग्य है कि किस प्रकार ब्याज लागत का आवंटन किया जा सकता है।
- गगग. प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करते समय मूल ट्यूब की कैप्टिव खपत के प्रभाव की अवश्य जांच करनी चाहिए।
- घघघ. घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करते समय, प्राधिकारी को प्राथमिक स्टेनलैस स्टीन का उत्पादन करने के लिए उत्पादन से संबंधित सभी अक्षमताओं के लिए समायोजन करना चाहिए। प्राधिकारी जांच की अवधि के दौरान यथाप्रकाशित स्टेनलैस स्टील बिलेट्स/ इनगोट्स की एल एम ई कीमतें यह सुनिश्चित करने के लिए कि फाउण्ट्री सेगमेंट में हुई हानि पर विचार नहीं किया जाये, अपना सकते हैं यदि वह घरेलू उद्योग की वास्तविक फाउण्ट्री लागत से कमतर हो।
- ङङङ. घरेलू उद्योग एकमात्र/ बहु स्थानों पर बहु-उत्पादों के उत्पादन में लगा हुआ है जो लागत विरूपणों की संभावना में वृद्धि करता है।
- चचच. जैसा कि वेलस्पन की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, इसने 2019 में अपना उत्पादन एलॉय स्टील के बजाय संबद्ध वस्तुओं का करना शुरू कर दिया है क्योंकि इसे एलॉय स्टील के व्यापार में बहुत अधिक घाटा हो रहा था। कंपनी ने लाभप्रदता और बाजार स्थितियों के स्वास्थ्य को देखते हुए संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया और इस प्रकार क्षति केवल आंतरिक अक्षमताओं और पूर्व की हानि होने वाले व्यापार के कारण हो सकती है।
- छछछ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता ब्याज लागत, ह्रास और ऋणशोधन खर्च में वृद्धि तथा आर्थिक मंदी और कोविड-19 के कारण मांग में गिरावट की वजह से प्रभावित हो सकती है।
- जजज. चूंकि याचिकाकर्ता बहु उत्पादों के उत्पादन में लगे हुए हैं अतः लागत विरूपण की संभावना बहुत अधिक है। प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे परिसंपत्तियों और वर्तमान देयताओं का आवंटन तथा ह्रास, लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल और क्षतिरहित कीमत पर इसके परिणाम का आधार का सत्यापन करें।
- झझझ. चूंकि वेलस्पन ने 2019-20 में उत्पादन शुरू किया है अतः यह संभव नहीं है कि किफायती उत्पादन प्राप्त किया जा सके और क्षति आरंभिक लागत और आंतरिक अक्षमताओं के कारण हो सकती है।

ज. 2. घरेलू उद्योग अनुरोध

108. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं :

- क. घरेलू उद्योग को क्षति की पूरी अवधि के दौरान क्षति हुई है।
- ख. मूल ट्यूब अर्ध-तैयार उत्पाद है और उसे संबद्ध वस्तुओं के लिये कच्चे माल के रूप में नहीं माना जा सकता है। सामूहिक क्षति विश्लेषण उपयुक्त है क्योंकि ये संबद्ध वस्तुओं के केवल प्रकार हैं और न कि डेरीवेटिव्स। ग्लास फाइबर के संबंध में पाटनरोधी जांच का संदर्भ लिया गया था।
- ग. चूंकि वेलस्पन ने हाल में क्षमताएं स्थापित की हैं और वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया, इसकी स्थापना वास्तविक रूप से धीमी की गई है।

- घ. स्टाइरिन बूटाडाइन रबड़ के संबंध में पाटनरोधी जांच में जिसे न्यायाधीकरण और उच्चतम न्यायालय द्वारा वैध ठहराया गया था, प्राधिकारी ने उत्पादकों में से एक उत्पादक को वास्तविक क्षति और उत्पादकों में से एक उत्पादक को वास्तविक मंदी की जांच की थी।
- ङ. यदि वेलस्पन ने अपनी निर्माण संबंधी सुविधाओं को पुनर्जीवित भी किया है, उसमें इसने बहुत अधिक निवेश किया है। यह एक नया उत्पादक है क्योंकि यह पहले संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन नहीं कर रहा था।
- च. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मोरक्को - तुर्की से हॉट-रोल्ड स्टील का संदर्भ उपयुक्त नहीं है क्योंकि वह मामला केवल इस बात का उल्लेख करता है जब किसी उत्पादक को स्थापना करने वाले उद्योग के रूप में माना जायेगा। पैनल ने इस आशय की कोई टिप्पणी नहीं की है कि यदि विचाराधीन उत्पाद के लिए उद्योग पहले से ही मौजूद है तब नया उत्पादक घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए वास्तविक मंदी का दावा नहीं कर सकता है। उन्हीं कारणों नॉ-वूवन फेबरिक के मामले में प्राधिकारी के जांच परिणाम का संदर्भ लेना उपयुक्त नहीं है।
- छ. फ्ल्यूरोलास्टोमर्स के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में हितबद्ध पक्षकारों के दावे के विपरीत, प्राधिकारी ने नोट किया था कि घरेलू उद्योग की अलग अलग इकाईयों वास्तविक क्षति और उसके साथ ही वास्तविक मंदी हो सकती है। प्राधिकारी द्वारा विनियरड इजीनिरयर्ड वूडन फ्लोरिंग में वैसा ही दृष्टिकोण लिया गया था।
- ज. जबकि एक ओर हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि वेलस्पन की वास्तविक मंदी की जांच नहीं की जा सकती है, दूसरी उन्होंने चंदन और ट्यूबासेक्स के आंकड़ों से इन आंकड़ों को अलग करने का अनुरोध किया है जो अपने आप में विरोधाभासी दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- झ. जैसा कि स्वयं याचिका से स्पष्ट है, वेलस्पन ने प्राथमिक रूप से वास्तविक क्षति का दावा किया है और केवल एक अतिरिक्त दावे के रूप में वास्तविक मंदी का दावा किया है।
- ञ. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों के विपरीत, घरेलू उद्योग को क्षति का मूल्यांकन घरेलू उद्योग के लिए समग्र रूप से किया जाना है और न कि अलग अलग कंपनियों के लिए जैसा कि यूनाइटेड स्टेट - जापान से कुछ हॉट - रोल्ड स्टील उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क में अपीलीय निकाय द्वारा वैध माना गया। इस प्रकार यह दावा नहीं किया जा सकता है कि एक ओर वेलस्पन की कोई वास्तविक मंदी नहीं हो सकती है क्योंकि यह एक स्थापित उद्योग का हिस्सा है और दूसरी ओर घरेलू उद्योग को क्षति वेलस्पन की कम उपयोग की गई क्षमताओं के कारण है।
- ट. घरेलू उद्योग ने आयातों की मात्रा अथवा कीमत तथा क्षमताओं सहित इसके द्वारा दी गई सभी सूचना के सत्यापन के लिये साक्ष्य उपलब्ध कराये हैं।
- ठ. यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की आयातों में वृद्धि हुई है, आयात की सही मात्रा पुनः निर्यात के लिए आयातों को बाहर किये जाने के बाद पता लगाये जाने की आवश्यकता है।
- ड. पुनः निर्यात के लिए किये गये आयातों को भारत में कुल आयातों से बाहर किया जाना चाहिए क्योंकि उनका उद्देश्य भारत में खपत के लिये नहीं था।
- ढ. चूंकि घरेलू उद्योग के पास निर्यात से संबंधित आंकड़ों तक पहुंच नहीं है, यह उस पर टिप्पणी नहीं कर सकता है कि क्या यूरोपीय यूनियन को निर्यात पुनः निर्यात के कारण किये गये आयातों के कारण इस प्रकार के आंकड़ों में वृद्धि दर्शाता है।
- ण. पुनः निर्यात के लिए आयातों से संबंधित आंकड़ों को अलग अलग नहीं करना विश्लेषण नहीं करने के लिए आधार नहीं हो सकता है। प्राधिकारी को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विश्लेषण करना चाहिए।
- त. प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के आयात और निर्यात को संबद्ध करने के उद्देश्य से तथा भारत में खपत के उद्देश्य से कुल आयातों से इन्हें बाहर किये जाने के उद्देश्य से कृपया डी जी प्रणाली से आंकड़े मंगाये।

- थ. चूंकि यूरोपीय यूनियन की जालसाजीरोधी कार्यालय की रिपोर्ट क्षति की अवधि से अतिव्याप्त होने वाली अवधि से संबंधित है, इसे अप्रचलित के रूप में नहीं माना जा सकता है। कोई दस्तावेजी साक्ष्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस रिपोर्ट का खंडन करने के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- द. जबकि घरेलू उद्योग ने यूरोपीय यूनियन को पुनः आयातों के लिए आयात का साक्ष्य उपलब्ध कराया है, हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा किये गये दावे का खंडन करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।
- ध. अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किये गये आयातों को सामान्य तौर शामिल किया जाता है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं का आयात डाउनस्ट्रीम वस्तुओं के उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता है। वर्तमान मामले में, संबद्ध वस्तुओं का आयात अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत पुनः निर्यात के लिए किया गया है और इस कारण से ऐसे आयातों को बाहर किया जाना चाहिए। जबकि अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयात घरेलू उद्योग के उत्पाद से प्रतिस्पर्धा करता है और उसका उद्देश्य भारत में खपत के लिए है, पुनः निर्यात के लिए आयात प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं और उनका उद्देश्य अन्य देश में खपत करने के लिए है। अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत आयात किये गये संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करते हुए उत्पादन किया गया डाउनस्ट्रीम वस्तु को कानूनी तौर पर भारत के मूल वस्तु के रूप में कहा जा सकता है जबकि पुनः निर्यातों के लिए आयात कानूनी रूप से किया गया है और उसे गलत तरीके से भारत में मूल के वस्तु के रूप में कहा गया है।
- न. इस तथ्य की कोई आवश्यकता नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क लागू करने के उद्देश्य से आयातों में वृद्धि होनी ही चाहिए।
- प. आयातों की मात्रा पूर्णरूप में और सापेक्ष रूप में क्षति की अवधि के दौरान अधिक रही है।
- फ. गुणवत्ता नियंत्रण आदेश ने आयात को कम नहीं किया था क्योंकि अभी भी आयात किये जा रहे हैं जबकि कोई अनुमोदित कच्चे माल का आपूर्तिकर्ता नहीं है।
- ब. चूंकि डीपीआईआईटी किसी पक्षकार और न कि किसी उत्पाद के पंजीकरण की अपेक्षा रखता है और आयातक इसके अंतर्गत पंजीकरण कर सकते हैं, यह आयात को नहीं रोकता है।
- भ. सरकार द्वारा लागू किये गये कथित गैर-टैरिफ अवरोधों के बावजूद, आयातों का वृद्धि होना जारी रहा है।
- म. घरेलू खरीद नीति आयातों को बाधित नहीं करती है क्योंकि इस देश में मांग का केवल 20 प्रतिशत इस नीति के अधीन है। इसके अलावा, चीन से आयात की जाने वाली संबद्ध वस्तुओं का प्रसंस्करणकर्ता इस नीति के अंतर्गत निविदाओं में भाग लेने में सक्षम है।
- य. सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों को आयातों की गलत घोषणा के कारण निष्क्रिय बना दिया गया है क्योंकि आयातक हॉट-रोलड उत्पाद के आयातों को दर्शाकर मूल्यवर्धन दर्शाने में सक्षम हैं और इस प्रकार सार्वजनिक खरीद नीति के अंतर्गत निविदाओं में भाग लेने में सक्षम हैं।
- कक. संबद्ध आयात जांच की अवधि के दौरान भारत में आयातों का 89 प्रतिशत था।
- खख. यद्यपि घरेलू उद्योग जांच की पूरी अवधि के दौरान घाटे पर बिक्री करता रहा है, कीमत में कटौती सकारात्मक और बहुत अधिक रही है।
- गग. हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के विपरीत, कीमत में कटौती में गिरावट यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग आयात कीमतों का मुकाबला करने के उद्देश्य से अपनी कीमतों को कम करने के लिए बाध्य था, जिसके फलस्वरूप लाभप्रदता में गिरावट आई।
- घघ. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव डाला है क्योंकि यह बिक्री की लागत में वृद्धि के समानुपात अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं थे।
- ङङ. आयातों की कीमत क्षति की पूरी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही है और इसकी बिक्री की लागत से कमतर है।

- चच. हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के विपरीत, घरेलू उत्पादकों के पास भारत में समग्र मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।
- छछ. इस दावे के उत्तर में की निबल निर्धारित परिसंपत्ति, कार्यशील पूंजी और लगाई गई पूंजी में क्षमता से उच्चतर दर पर वृद्धि हुई है, यह अनुरोध किया गया था कि आंकड़ों की प्रवृत्ति और न कि वास्तविक आंकड़ों का संदर्भ लेना इस प्रकार की तुलना को निर्थक बनाता है।
- जज. वेलस्पन एक अक्षम बाजार प्राप्त करने में सक्षम नहीं हुआ है जिसके फलस्वरूप क्षमता का कम उपयोग हुआ है।
- झझ. घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में पर्याप्त मांग के बावजूद क्षमताओं में वृद्धि के अनुपात में अपने उत्पादन को बढ़ाने में सक्षम नहीं था। घरेलू उद्योग की बिक्री, क्षमता का उपयोग क्षति की पूरी अवधि के दौरान कम रही है और घरेलू उद्योग अपने उत्पादन की बिक्री करने के लिए निर्यात करने के लिए बाध्य रहा है।
- ञञ. घरेलू उद्योग की बिक्री में क्षमताओं में वृद्धि के कारण बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इस प्रकार की बिक्री से घाटा होता है और यह उत्पादन से बहुत कम है। तब भी, जबकि 40 प्रतिशत के बाजार पर कब्जा करने के लिए क्षमता हो, तब घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा केवल 6 प्रतिशत है।
- टट. केवल घरेलू उद्योग की बहुत अधिक मात्रा में बिक्री पी एस यू को की गई है। जबकि घरेलू उद्योग का प्रदर्शन इन बिक्रियों में बेहतर रहा है, निजी क्षेत्र को बिक्रियों में पीछे बहुत अधिक हानि उठानी पड़ी है।
- ठठ. यद्यपि घरेलू उद्योग के पास समग्र मांग को पूरा करने की क्षमता है, संबद्ध आयात मांग में हिस्से का दो-तिहाई होता है। घरेलू उद्योग केवल 6 प्रतिशत बाजार हिस्से को पूरा करता है।
- डड. घाटे पर बिक्री करने और निर्यात करने के बाद भी, घरेलू उद्योग की माल सूची में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और वह उत्पादन के 10 प्रतिशत के समतुल्य है।
- ढढ. घरेलू उद्योग को क्षति की पूरी अवधि के दौरान हानि हुई है क्योंकि सस्ते आयात कीमतों ने इसे लाभप्रद कीमतें वसूलने से रोका।
- णण. घरेलू उद्योग क्षति की अवधि के दौरान घाटे पर बिक्री करने के लिए बाध्य रहा है। यह अपने ब्याज दायित्व को पूरा करने में सक्षम नहीं है क्योंकि इसे ब्याज के पूर्व हानि हुई है।
- तत. घरेलू उद्योग को क्षति की पूरी अवधि के दौरान नकद हानि हुई है और इसने क्षति की अवधि के दौरान निवेश पर नकारात्मक प्रतिफल दर्ज किया है।
- थथ. घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान गहन क्षति हो रही है क्योंकि संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई और इसकी मालसूची में वृद्धि हुई है।
- दद. घरेलू उद्योग को हानि, नकद हानि हुई है और जांच की अवधि के बाद की अवधि में निवेश पर नकारात्मक प्रतिफल इसने दर्ज किया है।
- धध. घरेलू उद्योग ने कर्मचारियों की संख्या के कारण क्षति का दावा नहीं किया है।
- नन. इन दावों के विपरीत की घरेलू उद्योग ने क्षमताएं स्थिर किये बिना क्षमताओं में वृद्धि की है, घरेलू उद्योग की क्षमता में वेलस्पन द्वारा क्षमतावर्धन के कारण वृद्धि हुई है। इस कारण से, मौजूदा उत्पादकों ने अपनी मौजूदा क्षमताओं को स्थिर किये बिना क्षमताओं का विस्तार करना जारी नहीं रखा।
- पप. घरेलू उद्योग की क्षमताओं में वृद्धि संरक्षण से अस्वीकार करने का आधार नहीं हो सकता है। जबकि हितबद्ध पक्षकारों ने एक उत्पादक द्वारा क्षमता के वर्धन का दावे का आरोप लगाया है, उन्होंने काफी लंबे समय से अन्य घरेलू उत्पादकों को हुई हानि का उल्लेख नहीं किया है।
- फफ. क्षमता के उपयोग में गिरावट के लिए क्षमताओं में वृद्धि को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि क्षमताओं का उपयोग करने के लिए इस देश में बहुत अधिक मांग थी।

- बब. क्षमता का कम उपयोग नये संयंत्र के अस्थायीकरण के मुद्दे के कारण नहीं है क्योंकि ट्यूबासेक्स और चंदन स्टील जिनके पास पुराने संयंत्र हैं, को भी क्षमता के कम उपयोग के कारण हानि हो रही है।
- भभ. वर्तमान में वेलस्पन एक रुग्ण कंपनी नहीं है। इसका वर्गीकरण संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन शुरू करने के पूर्व एक रुग्ण कंपनी के रूप में किया गया था और इस कारण से वह वर्तमान जांच में संगत नहीं है।
- मम. हितबद्ध पक्षकारों के दावे के विपरीत, बहुत कम उत्पादों के लिए अनुमोदन की आवश्यकता होती है और घरेलू उद्योग सभी ग्राहकों जिनमें वे ग्राहक शामिल हैं, जहां किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है, की मांग को पूरा कर रहा है।
- यय. वेलस्पन द्वारा अलॉय स्टील क्षेत्र में उठाई गई हानि के लिए संबद्ध वस्तुओं को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।
- ककक. यदि वेलस्पन को हानि आरंभिक समस्याओं के कारण हुई होती तब वे जांच की अवधि के बाद की अवधि में कम हो गई होती जैसा कि अन्य पक्षकारों द्वारा विश्वास किये गये नॉन-वूवन फेब्रिक के मामले में हुआ है।
- खखख. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के विपरीत, ऐसा कोई कानूनी निर्धारण नहीं है कि जैसे ही विदेशी उत्पादक पाटन का सहारा लेते हैं घरेलू उद्योग को प्राधिकारी से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उद्योग ने विगत में विभिन्न सरकारी विभागों से संपर्क किया है।
- गगग. पाटनरोधी कराकर के अंतर्गत, इस तथ्य की जांच करने की आवश्यकता है कि क्या पाटन और क्षति के बीच "एक" कारणात्मक संबंध है। इस प्रकार, केवल इस कारण से कि अन्य कारक भी घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं, का अभिप्राय यह नहीं है कि पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध नहीं है।
- घघघ. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों के विपरीत, घरेलू उद्योग को हानि ह्रास और ब्याज लागत में वृद्धि के कारण नहीं हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग का ब्याज, ह्रास, कर, ऋणशोधन के पूर्व आय में भी गिरावट आई है।
- ङङङ. यह क्षति कोविड-19 के कारण नहीं हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग को कोई बहुत अधिक संयंत्र बंद करने का सामना नहीं करना पड़ा और क्षमताओं का उपयोग करने के लिए बाजार में बहुत अधिक मांग थी।
- चचच. हितबद्ध पक्षकारों के अभिकथन के विपरीत, घरेलू उद्योग को बाजार के धीमे विकास के कारण क्षति नहीं हुई है क्योंकि अपनी पूरी क्षमताओं का उपयोग करने के लिए घरेलू उद्योग के वास्ते बहुत अधिक मांग है।
- छछछ. घरेलू उद्योग ने घरेलू और निर्यात प्रचालनों का अलग अलग प्रदर्शन उपलब्ध कराया है और इस कारण से निर्यात के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- जजज. घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध किसी ज्ञात कारक के कारण नहीं बल्कि संबद्ध आयातों के कारण हुई है।
- झझझ. इस तर्क के उत्तर में कि एल एम ई की कीमतों पर क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए विचार किया जाना चाहिए, यह अनुरोध किया गया था कि अनुबंध - III केवल रखे गये वास्तविक रिकार्ड के आधार पर क्षतिरहित कीमत के निर्धारण की अनुमति देता है। इसके अलावा, किसी कैप्टिव इनपुट को कंपनी के रिकार्ड के अनुसार लागत योग्य प्रतिफल अथवा बाजार कीमत पर मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है।
- ञञञ. इस तर्क के संबंध में की क्षतिरहित कीमत के लिए प्रतिफल का निर्धारण नहीं किया जा सकता है जब उघाही गई निधियों की पहचान नहीं की गई हो, यह अनुरोध किया गया था कि अनुबंध - III के अनुसार, लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल की अनुमति दी जाती है जिसे पहले ही घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराया गया है।
- टटट. हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के विरुद्ध, कोई आरंभिक लागत उत्पादन की लागत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों जिसमें इंड एएस 16 शामिल है, के अनुसार शामिल किया जाता है।

ज. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

109. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रतिकरों पर विचार किया है। प्राधिकारी का यहां नीचे दिया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों पर ध्यान देता है।
110. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संबद्ध आयातों ने वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशन लिमि. की स्थापना को वास्तविक रूप से मंद किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जबकि वेलस्पन स्थापित किये जाने की प्रक्रिया में है, यह कुल भारतीय उत्पादन का बहुत छोटा हिस्सा होता है। जांच की अवधि के दौरान वेलस्पन का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 10 प्रतिशत से कम था। शेष घरेलू उत्पादक काफी लंबे समय से प्रचालन में रहे हैं और इस कारण से इस उद्योग को एक स्थापित उद्योग के रूप में माना जाता है।
111. इस तर्क के संबंध में कि वेलस्पन को वास्तविक क्षति का दावा इन आवेदकों द्वारा मौखिक सुनवाई के बाद किया गया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस याचिका में, आवेदकों ने वेलस्पन को वास्तविक मंदी तथा समग्र रूप से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का दावा किया है। वेलस्पन से संबंधित आंकड़ों को आवेदकों द्वारा वास्तविक क्षति के लिए अपने दावों में शामिल किया गया था। वेलस्पन सहित घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का दावा एक नया दावा नहीं है जिसे मौखिक सुनवाई के बाद किया गया हो। इसके अलावा, प्राधिकारी ने वेलस्पन सहित घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का प्रथमदृष्ट्या के साक्ष्य के आधार पर जांच की शुरुआत की।
112. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को हॉट-रोल्ड और कोल्ड रोल्ड उत्पादों की अलग अलग जांच अवश्य करनी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन जांचों में जहां अलग अलग उत्पादन प्रकारों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल किया जाता है, प्राधिकारी कीमत में कटौती, पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से अलग अलग / पी सी एन वार विश्लेषण करते हैं। वह वर्तमान जांच में किया गया है।
113. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा कैप्टिव खपत की जांच किये जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई भी आवेदक कैप्टिव रूप से संबद्ध वस्तुओं की खपत नहीं करते हैं। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में मूल ट्यूब्स / हॉट रोल्ड उत्पाद और कोल्ड ड्रोन पाइप्स और ट्यूब्स दोनों शामिल हैं। मूल ट्यूब / हॉट रोल्ड उत्पाद मध्यवर्ती उत्पाद है और आगे मूल ट्यूब को कोल्ड ड्रोन पाइप्स और ट्यूब में प्रसंस्कृत करना कैप्टिव खपत के रूप में नहीं माना जा सकता।
114. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि क्षति का विश्लेषण ट्यूबासेक्स प्रकाश इंडिया प्रा. लिमि. और चंदन स्टील लिमि. के अलग अलग आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की जांच समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए और न कि घरेलू उद्योग के प्रत्येक घटक के लिए पृथक् रूप से किया जाता है। चूंकि वेलस्पन स्पेशलिटी सॉल्यूशन लिमिटेड को घरेलू उद्योग का एक हिस्सा माना जाता है, प्राधिकारी उक्त कंपनी के लिए आंकड़ों को अलग कर क्षति का विश्लेषण नहीं कर सकते हैं।
115. आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किये गये जांच की अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच एक नई जांच है जिसमें आवेदकों ने वास्तविक क्षति के खतरे का दावा किया है, प्राधिकारी ने केवल क्षति की अवधि आंकड़ों जांच की है। क्योंकि प्राधिकारी ने जांच की अवधि के लिए आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का निर्धारण किया है, जांच की अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों का विश्लेषण वर्तमान मामले में आवश्यक नहीं है।
116. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि जिस आदेश की हानि हुई है उसकी जांच उन ग्रेडों के लिए अवश्य की जानी चाहिए जिसका घरेलू उद्योग उत्पादन करने में सक्षम नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराया गया साक्ष्य आवेदकों द्वारा सामान्य रूप से उत्पादन किये गये संबद्ध वस्तुओं से संबंधित है।

ज. 3.1. मांग / स्पष्ट खपत का आकलन

117. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को परिभाषित किया है। इस प्रकार से आंकलन की गई मांग नीचे तालिका में दी गई है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	1,705	2,283	2,642	3,900
समर्थक + अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	9,978	10,802	12,082	11,865
संबद्ध आयात	मी. ट.	49,949	76,733	60,538	42,135
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	10,469	13,249	8,732	4,462
कुल मांग	मी. ट.	72,102	1,03,067	83,994	62,362

118. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में 2017-18 की तुलना में 2018-19 में वृद्धि हुई है, हालांकि, इसमें 2019-20 में गिरावट आई है और फिर जांच की अवधि में वृद्धि हुई है। हालांकि, यह पूर्व के वर्षों के दौरान यूरोपीय यूनियन को पुनः निर्यात किये जाने के लिए किये गये आयातों के कारण हो सकता है।

119. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि मांग को कम करके उल्लेख किया गया है क्योंकि इसमें 42 एमएम मूल ट्यूब की मांग शामिल नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में 42 एमएम मूल ट्यूब शामिल है। भारत में मांग में संबद्ध देश से, अन्य स्रोतों से आयात किये गये ऐसे मूल ट्यूब तथा घरेलू उत्पादकों द्वारा ऐसे मूल ट्यूब की घरेलू बिक्री शामिल है।

ज. 3.2. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

120. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या पाटित आयातों में भारत में या तो पूर्ण रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। क्षति के विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंड एस से लिये गये लेन-देन वार आयातों आंकड़ों पर विश्वास किया है। क्षति की जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की आयात मात्रा और पाटित आयातों का हिस्सा नीचे दिया गया है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
संबद्ध आयात	मी. ट.	49,949	76,733	60,538	42,135
अन्य आयात	मी. ट.	10,469	13,249	8,732	4,462
कुल	मी. ट.	60,418	89,982	69,269	46,596
निम्नलिखित के संबंध में आयात					
घरेलू उत्पादन	%	355	494	354	231
खपत	%	69	74	72	68
कुल आयात	%	83	85	87	90

121. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- क. वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 में संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई थी। वर्ष 2019-20 में और पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में संबद्ध आयातों की मात्रा में गिरावट आई है। आवेदकों ने इस बात पर जोर दिया है कि आयात पहले के वर्षों के दौरान अधिक था क्योंकि विचाराधीन उत्पाद को यूरोपीय संघ को पुनः निर्यात करने के लिए आयात किया जा रहा था, ताकि यूरोपीय आयोग द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से बचा जा सके। इस संबंध में, आवेदकों ने यूरोपीय धोखाधड़ी-रोधी कार्यालय की एक रिपोर्ट पर विश्वास किया है। आवेदकों ने यह भी दावा किया है कि जांच की अवधि के दौरान कोविड-19 के प्रभाव और घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता विस्तार के कारण संबद्ध आयातों की मात्रा में गिरावट आई है।
- ख. घरेलू उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों ने समान प्रवृत्ति अपनाई है। उत्पादन और खपत के संबंध में आयात वर्ष 2018-19 में बढ़े लेकिन उसके बाद गिरावट आई।
- ग. कुल आयातों में संबद्ध आयातों के हिस्से में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

122. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को भारत सरकार से गैर-व्यापारिक बाधाओं के रूप में संरक्षण प्राप्त हुआ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत सरकार द्वारा लगाए गए गैर-व्यापार अवरोध, यदि कोई हैं, वर्तमान जांच का विषय नहीं हैं। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क की जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की मात्रा काफी रही है, जबकि घरेलू उत्पादकों के पास बाजार का एक छोटा हिस्सा है।

123. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध आयात भारत में मांग-आपूर्ति अंतराल को पूरा कर रहे हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग-आपूर्ति अंतर भारत में पाटन का औचित्य नहीं है। देश में मांग-आपूर्ति अंतराल होने पर भी यह आवश्यक है कि उत्पाद उचित कीमतों पर उपलब्ध हो। किसी भी मामले में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि घरेलू उद्योग का उत्पादन भारत में मांग से कम है, भारत में क्षमताएं भारत में संपूर्ण मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।

ज.3.3. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

124. नियमावली के अनुबंध-II(ii) के अनुसार, कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करने की अपेक्षा है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को काफी हद तक कम करना है अथवा कीमतों में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती।

क) कीमत कटौती

125. संबद्ध सामानों के भारत में घरेलू बिक्री मूल्य के साथ आयातों की पहुंच कीमत की तुलना करके कीमत कटौती का आकलन किया गया है। इस संबंध में, उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की, व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों को मिलाकर तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतें कारखानागत स्तर पर निर्धारित की गई थीं।

विवरण	यूनिट	जांच की अवधि
निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***
आयातों की पहुंच कीमत	रु./मी. टन	2,54,303
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती	रेंज	20-30

126. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं तथा कीमत कटौती सकारात्मक और काफी है।
127. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि कीमत कटौती ने घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को प्रभावित नहीं किया है क्योंकि पीबीआईटी कीमत कटौती के अनुरूप आगे बढ़ा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम रही है।

ख) कीमत न्यूनीकरण/हास

128. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को काफी हद तक कम करना अथवा कीमतों में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में हुई होती, क्षति की अवधि में लागत और कीमतों में परिवर्तन की तुलना निम्नलिखित रूप में की गई थी:

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
बिक्रियों की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	135	117
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	125	119
पहुँच कीमत	रु./मी. टन	2,30,620	2,84,306	2,60,981	2,54,303
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	113	110

129. क्षति अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम रहा है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ-साथ बिक्री लागत से भी कम है। घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को बिक्री लागत के स्तर तक बढ़ाने में असमर्थ है और उसने घाटे में बिक्री की है।

क.1.1. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

130. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में उन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, नियोजित पूंजी पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट का प्रयोग करते हुए घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले कारकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति संबंधी मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।

क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा

131. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्नानुसार था:

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन	13,880	14,080	22,800	25,300
उत्पादन	मी. टन	7,245	7,437	7,951	9,919
क्षमता उपयोग	%	52	53	35	39
घरेलू बिक्रियां	मी. टन	1,705	2,283	2,642	3,900
निर्यात बिक्रियां	मी. टन	5,505	4,962	5,332	5,867

132. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- क. घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- ख. घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2018-19 में थोड़ा बढ़ा लेकिन वर्ष 2019-20 में उसमें गिरावट आई। पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। तथापि, जांच की अवधि में क्षमता उपयोग आधार वर्ष की तुलना में काफी कम है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि क्षमता उपयोग बाजार हिस्से के अभाव के कारण है जो भारत में पाटन के कारण है।
- ग. वर्ष 2018-19 में घरेलू उद्योग की क्षमता में मामूली वृद्धि हुई, क्योंकि ट्यूबेक्स ने अपनी क्षमता लगभग 3% तक कम कर दी। इसके बाद, वर्ष 2019-20 के दौरान, वेलस्पन ने अपना संयंत्र स्थापित किया। चूंकि ऐसा संयंत्र वर्ष के दौरान स्थापित किया गया था, अतः जांच की अवधि में क्षमताओं के व्यावसायीकरण का पूरा प्रभाव दिखाई दे रहा था। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि के दौरान, ट्यूबेक्स ने फिर से अपनी क्षमता को 15% तक कम कर दिया।
- घ. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। निर्यात बिक्री घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री से अधिक है। आवेदकों ने इस बात पर जोर दिया है कि घरेलू उद्योग को अपने उत्पादन के निपटान के लिए निर्यात पर निर्भर रहने के लिए मजबूर किया गया है।
133. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि रत्नामणि उच्च क्षमता उपयोग पर प्रचालन कर रही है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकार्ड में दी गई सूचना के अनुसार रत्नामणि का क्षमता उपयोग घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग से कम है।

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
प्रति वर्ष क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	117	96
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	120	98

134. किसी भी स्थिति में, प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के संबंध में क्षति विश्लेषण किया गया है। अन्य घरेलू उत्पादकों, जो घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं हैं, के निष्पादन पर क्षति विश्लेषण के लिए विश्वास नहीं किया जा सकता है।
135. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा रिपोर्ट की गई क्षमता को बढ़ा दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षमता सहित क्षति विश्लेषण का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है।

ख) बाजार हिस्सा

136. घरेलू उद्योग और आयातों का बाजार हिस्सा नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
संबद्ध आयात	%	69.28	74.45	72.07	67.56
अन्य आयात	%	14.52	12.85	10.40	7.15
घरेलू उद्योग	%	2.37	2.22	3.15	6.25
अन्य उत्पादक	%	13.84	10.48	14.38	19.03
कुल	%	100%	100%	100%	100%

137. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि, संबद्ध आयातों का भारत में अधिकांश बाजार हिस्सा है जबकि घरेलू उद्योग के पास केवल 6% हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, देश में कोई मांग-आपूर्ति अंतराल नहीं होने के बावजूद, भारतीय उत्पादकों का हिस्सा केवल लगभग 25% है।
138. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मुख्य रूप से क्षमता में वृद्धि के कारण वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता में 11,420 मी. टन की वृद्धि की, जिससे वह अपनी बिक्री बढ़ा पाया है, जिससे बाजार हिस्से में वृद्धि हुई। तथापि, इस वृद्धि को प्राप्त करने के लिए घरेलू उद्योग हानियों पर सामानों की आपूर्ति करने के लिए मजबूर था।

ग) मालसूची

139. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
प्रारंभिक	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम	मी. टन	***	***	***	***
औसत मालसूची	मी. टन	634	748	865	961

140. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मालसूची में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग संचित माल-सूची से ग्रस्त है।

घ) लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय

141. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
बिक्रियों की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	135	117
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	125	119
लाभ/(हानि)	रु./मी. टन	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(118)	(202)	(101)
लाभ/(हानि)	लाख रु.	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(65)	(449)	(442)
नकद लाभ	रु./मी. टन	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(14)	(478)	(411)
नियोजित पूंजी पर आय	%	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(18)	(108)	(82)

142. प्राधिकारी नोट करते हैं कि

- क. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पूरी क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत से कम है।
- ख. घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान हानियां हुई हैं। वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 में घरेलू उद्योग की हानि में वृद्धि हुई। जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की हानियों में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट आई है।
- ग. घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान नकद हानियां हुई हैं।
- घ. घरेलू उद्योग अपनी नियोजित पूंजी पर कोई आय अर्जित नहीं कर रहा है। क्षति अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर आय नकारात्मक है।

143. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सभी आवेदक पिछले दो वित्तीय वर्षों में लाभ अर्जित कर रहे हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा आवेदकों की वार्षिक रिपोर्ट पर विश्वास करना गलत है क्योंकि यह समग्र रूप से कंपनी के निष्पादन से संबंधित है। पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण समान वस्तु के घरेलू उत्पादन के संबंध में किया जाना अपेक्षित है जहां अलग आंकड़े ऐसी जांच की अनुमति देते हैं। चूंकि संबद्ध सामानों के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन के लिए पृथक आंकड़े रिकार्ड में उपलब्ध हैं और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किए गए हैं, अतः ऐसे आंकड़ों के आधार पर क्षति विश्लेषण किया गया है। इस प्रकार, आवेदकों की वार्षिक रिपोर्ट अथवा समग्र रूप से आवेदकों के निष्पादन पर निर्भरता प्रासंगिक नहीं है।

144. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को क्षमता विस्तार के कारण क्षति हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ब्याज और मूल्यहास लागत पर विचार किए बिना घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग का ईबीआईडीटीए (ब्याज, मूल्यहास, करों और परिशोधन से पहले की कमाई), जो बढ़े हुए मूल्यहास अथवा वित्त लागत से प्रभावित नहीं है, पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अतः, हुई क्षति को क्षमता विस्तार के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
ईबीआईडीटीए	लाख रु.	(***)	***	(***)	(***)

ड) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

145. प्राधिकारी ने नीचे दिए गए अनुसार रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित सूचना की जांच की है।

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	सं.	352	375	605	560
प्रति दिन उत्पादकता	मी. टन/दिन	20	21	22	28
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन/सं.	21	20	13	18
मजदूरी	लाख रु.	943	1,268	2,435	2,551

146. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता, मजदूरी और कर्मचारियों की संख्या में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

च) कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

147. संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से कम है। भारत में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री लागत से काफी अलाभप्रद कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बाजार में आयात का काफी हिस्सा है, जबकि घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों का हिस्सा कम है। इसके अतिरिक्त, अन्य देशों से आयात की मात्रा का भी बाजार में केवल एक छोटा सा हिस्सा है, और वह भी उच्च कीमतों पर है। इससे पता चलता है कि पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

छ) पाटन की मात्रा

148. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों का भारत में पाटन किया जा रहा है और पाटन मार्जिन सकारात्मक एवं काफी है। भारत में संबद्ध आयातों के पाटन के कारण घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि करने में असमर्थ है और उसे अपनी बिक्री लागत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को भारी हानियां, नकद हानियां हुई हैं और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय दर्ज की है। संबद्ध देश से पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ज) वृद्धि

विवरण	यूनिट	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि
क्षमता	%	-	1	61	9
उत्पादन	%	-	3	7	25
घरेलू बिक्रियां	%	-	34	16	48
प्रति यूनिट लाभ/(हानि)	%	-	(18)	(72)	50
नकद लाभ	%	-	86	(3,247)	14
नियोजित पूंजी पर आय	%	-	8	(9)	(3)

149. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और घरेलू बिक्री में पूरी क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की प्रति यूनिट हानि वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 में बढ़ी है लेकिन जांच की अवधि में कम हुई है। वर्ष 2018-19 में नकद हानियां कम हुईं लेकिन वर्ष 2019-20 में उनमें वृद्धि हुई। इसके बाद जांच की अवधि में नकद हानियां वर्ष 2019-20 की तुलना में कम हुईं। नियोजित पूंजी पर आय में वर्ष 2018-19 में सुधार आई लेकिन वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2019-20 में इसमें गिरावट हुआ। इसके बाद, जांच की अवधि में नियोजित पूंजी पर आय में फिर से गिरावट आई।

i) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

150. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को लगातार हानियां हुई हैं और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय दर्ज की है। यह दर्शाता है कि पाटित आयातों ने विचाराधीन उत्पाद के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता को प्रभावित किया है।

ज.3.4 क्षति का समग्र मूल्यांकन

151. विचाराधीन उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से पता चलता है कि:

- जांच की अवधि में आयातों की मात्रा में गिरावट आई है। इस तरह की गिरावट पिछले वर्षों के दौरान पुनः निर्यात के लिए किए गए आयात, भारत में कोविड-19 महामारी और घरेलू उद्योग द्वारा क्षमताओं के विस्तार के कारण है।
- आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है।
- संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम है।
- घरेलू उद्योग अपने उत्पादों को लाभप्रद कीमतों पर बेचने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उसकी बिक्री लागत से कम रही है।
- घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग इष्टतम क्षमता उपयोग से कम पर प्रचालन कर रहा है।
- संबद्ध आयातों का भारत में अधिकांश बाजार हिस्सा है जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा केवल 6% है।

- (vii) घरेलू उद्योग की मालसूची में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- (viii) घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान हानियां हुई हैं।
- (ix) घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान नकद हानियां हुई हैं और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय दर्ज की है।
- (x) लाभप्रदता मानदंडों ने नकारात्मक वृद्धि दर्शाई है।
- (xi) आयातों ने विचाराधीन उत्पाद के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता को प्रभावित किया है।
- (xii) पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी है।
- (xiii) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

152. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज.3.5. गैर-आरोप्य विश्लेषण और कारणात्मक संपर्क

153. घरेलू उद्योग की कीमतों पर क्षति की मौजूदगी, पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों की जांच करने पर, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक के कारण हो सकती है, जैसा कि नियमावली के तहत सूचीबद्ध है।

क) तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य

154. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों में से प्रत्येक से आयात की मात्रा नगण्य है। इसके अतिरिक्त, अन्य देशों से आयात की कीमत औसत आधार पर अधिक है। अतः, यह नहीं कहा जा सकता है कि अन्य देशों से आयातों के कारण क्षति हो रही है।

ख) मांग में संकुचन

155. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोविड-19 महामारी के प्रभाव के कारण जांच की अवधि में देश में संबद्ध सामानों की मांग में गिरावट आई है। तथापि, इस तरह की गिरावट प्रकृति में अस्थायी है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग को इस कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

ग) प्रौद्योगिकी में विकास

156. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच में यह नहीं दर्शाया गया है कि प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ था जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

घ) प्रतिस्पर्धा की स्थितियां और व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां

157. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियों में कोई परिवर्तन नहीं आया है जिन्हें घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति के लिए जिम्मेदार माना जाए।

ङ) खपत का पैटर्न

158. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध सामानों की खपत के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

159. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की सूचना केवल घरेलू उद्योग के घरेलू बाजार के संदर्भ में उसके निष्पादन से संबंधित है। इस प्रकार, हुई क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

छ) अन्य उत्पादों का निष्पादन

160. प्राधिकारी ने संबद्ध सामान के निष्पादन से संबंधित आंकड़ों पर ही विचार किया है। अतः, उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का संभावित कारण नहीं है।

ज) उत्पादकता

161. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग को इस कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

1) कोविड-19

162. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग को क्षति कोविड-19 महामारी के कारण हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान कोविड-19 महामारी के कारण मांग और संबद्ध आयातों में गिरावट आई है। तथापि, तब भी, उत्पादकों के लिए अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करने के लिए बाजार में पर्याप्त मांग थी। फिर भी, आयात बाजार का 65% से अधिक हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के घटकों को महामारी के कारण कोई महत्वपूर्ण बंदी का सामना नहीं करना पड़ा। इस प्रकार, यह नहीं कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को क्षति कोविड-19 महामारी के कारण हुई है। किसी भी स्थिति में, घरेलू उद्योग को कोविड-19 से पहले की अवधि में भी क्षति हुई है तो, घरेलू उद्योग को क्षति केवल कोविड-19 महामारी के कारण नहीं है।

ज.3.6. कारणात्मक संपर्क संबंधी निष्कर्ष

163. यद्यपि नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मानदंड दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।
- (i) भारत में संबद्ध सामानों का काफी पाटन हो रहा है। संबद्ध देश के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी है।
 - (ii) संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से कम है।
 - (iii) घरेलू उद्योग संबद्ध सामान को उसकी बिक्री लागत से अधिक कीमत पर बेचने में असमर्थ है।
 - (iv) संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।
 - (v) घरेलू उद्योग कम क्षमता के उपयोग पर प्रचालन कर रहा है।
 - (vi) घरेलू उद्योग अपने उत्पादन के निपटान के लिए निर्यात पर निर्भर है।
 - (vii) घरेलू उद्योग की मालसूची में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
 - (viii) घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान हानियां हुई हैं।
 - (ix) घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान नकद हानियां हुई हैं।
 - (x) घरेलू उद्योग ने पूरी क्षति अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय दर्ज की है।
 - (xi) घरेलू उद्योग का ईबीआईडीटीए (जो मूल्यहास अथवा ब्याज लागत को ध्यान में नहीं रखता है) भी जांच की अवधि और पिछले वर्ष के दौरान नकारात्मक है।
164. इस प्रकार, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध सामानों के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच एक कारणात्मक संपर्क मौजूद है।

झ. क्षति मार्जिन की मात्रा

165. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया गया है। क्षति मार्जिन के परिकलन के लिए संबद्ध देश से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है। क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री, यूटिलिटीयों और उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई

असाधारण अथवा अनावर्ती व्यय उत्पादन लागत में नहीं लगाए जाते हैं। विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्तियां तथा औसत कार्यशील पूंजी) पर उपयुक्त आय (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) की नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित किए गए अनुसार क्षति रहित कीमत निकालने के लिए कर पूर्व लाभ के रूप में अनुमति दी गई थी और उसका पालन किया जा रहा है।

166. सहयोगी निर्यातकों के लिए पहुंच कीमत निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्धारित की गई है। संबद्ध देश के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत का निर्धारण किया है।
167. इस तर्क के संबंध में कि कच्ची सामग्री की एलएमई कीमत पर विचार किया जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनुबंध-III के प्रावधानों के अनुसार, केवल घरेलू उद्योग द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड के अनुसार आंकड़ों पर विचार किया जा सकता है। अतः, क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग की वास्तविक कच्चे सामग्री की कीमत पर विचार किया गया है।
168. प्राधिकारी ने यह सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उद्योग के आंकड़ों का सत्यापन किया है कि क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए उत्पादन लागत के हिस्से के रूप में कोई स्टार्ट-अप लागत शामिल नहीं है।
169. उपर्युक्तानुसार निर्धारित पहुंच कीमत और क्षतिरहित कीमत के आधार पर, प्राधिकारी द्वारा उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण किया गया है और यह नीचे तालिका में दिया गया है: -

क्रम सं.	उत्पादकों के नाम	क्षतिरहित कीमत	पहुँच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		(अमे. डॉ./मी. टन)	(अमे. डॉ./मी. टन)	(अमे. डॉ./मी. टन)	(%)	(रेंज)
1	झेजियांग बंगतुओ स्टील पाइप कंपनी लिमिटेड,	***	***	***	***	0-10
2	झेजियांग हांगकान स्टेनलेस स्टील कं., लि. तथा झेजियांग यिंगलॉग स्टेनलेस स्टील कं., लि. तथा झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
3	वानजाउ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	30-40
4	झेजियांग हुआतियन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं. लि.	***	***	***	***	10-20
5	झेजियांग यी जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि.	***	***	***	***	50-60
6	झेजियांग जियुली हाईटेक मेटल्ट कं. लि.	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
7	हॉदी स्टील ग्रुप कं. लि.	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)

क्रम सं.	उत्पादकों के नाम	क्षतिरहित कीमत	पहुँच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		(अमे. डॉ./मी. टन)	(अमे. डॉ./मी. टन)	(अमे. डॉ./मी. टन)	(%)	(रेंज)
8	जियांग्सु वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लि.	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
9	झेजियांग टिसंगशॉन स्टील पाइप कं. लिमि.,	***	***	(***)	(नकारात्मक)	(नकारात्मक)
10	असहयोगी/शेष निर्यातक	***	***	***	***	70-80

अ. भारतीय उद्योग का हित

अ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

170. भारतीय उद्योग के हित के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. घरेलू उत्पादकों को गैर-व्यापार बाधाओं के रूप में सरकार से पर्याप्त संरक्षण प्राप्त हुआ है। इस्पात मंत्रालय की घरेलू खरीद नीति के अंतर्गत सरकारी खरीद पर घरेलू उद्योग का विशिष्ट नियंत्रण है। भारत की कुल मांग के 30-35% के लिए सरकारी संविदाएं हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी सार्वजनिक खरीद आदेश के लिए चीन जन. गण. के उत्पादकों को डीपीआईआईटी में पंजीकरण करना होता है। चूंकि किसी भी चीनी उत्पादक ने पंजीकरण नहीं कराया है, अतः सरकारी संविदाएं केवल घरेलू उत्पादकों के लिए उपलब्ध होंगी। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, जिसमें कच्ची सामग्री प्रदाताओं को बीआईएस द्वारा लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, से पहले ही वर्ष 2019-20 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान आयात में 35% से अधिक की गिरावट आई है।
- ख. घरेलू उद्योग प्रयोक्ता उद्योग के गुणवत्ता मानदंडों को पूरा नहीं करता है और प्रयोक्ताओं को कतिपय विशिष्ट ग्रेडों के लिए आयातों पर निर्भर रहना पड़ता है। शुल्क लगाने से अंतिम प्रयोक्ता प्रभावित होंगे, जो जनहित के विरुद्ध होगा।
- ग. घरेलू उद्योग अनुचित व्यापार परिपाटी में लगा हुआ है क्योंकि यह गौण उत्पादकों को आपूर्ति करने से इनकार करता है और अंतिम प्रयोक्ताओं की तुलना में जानबूझकर 15% अधिक कीमत लगाता है। घरेलू उद्योग आपूर्ति आदेशों का उत्तर नहीं देता है और मदर ट्यूब की आपूर्ति में अत्यधिक विलंब होता है।
- घ. पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग के लिए संरक्षण अथवा भारत को आत्मनिर्भर बनाने का साधन नहीं है, बल्कि यह मूल्य सुधार का एक साधन है और इसका प्रयोग भारतीय बाजार में आवेदकों का हिस्सा बढ़ाने के लिए नहीं किया जा सकता है। वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग स्वयं निचले स्तर के प्रयोक्ताओं से प्रतिस्पर्धा को प्रतिबंधित करने के लिए बाजार में कीमत ह्रास में लगा हुआ है।
- ङ. प्राधिकरण ने डाउनस्ट्रीम उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव के संदर्भ में जनहित की जांच नहीं की है, जिससे उपयोगकर्ताओं की लागत में 50-60% की वृद्धि होगी। डंपिंग रोधी शुल्क लगाने से एमएसएमई क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जो अनुपलब्धता के साथ-साथ भारत में उत्पाद की उच्च कीमत के कारण कठिनाई का सामना करेगा।
- च. प्राधिकारी को उच्च कीमतों के कारण प्रयोक्ताओं पर अधिक बोझ से बचने के लिए एक निश्चित कोटा अथवा शुल्क के रूप में एक ट्रिगर कीमत की सिफारिश करनी चाहिए, जैसा कि बुल्गारिया, चीन जन. गण., मलेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया से पूर्व-संवेदी सकारात्मक ऑफसेट एल्यूमीनियम प्लेटों के मामले में अथवा कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब और ताइवान से एसीटोन के मामले में हुआ है।

- छ. कोविड-19 ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और अक्षम घरेलू उद्योग का समर्थन करने के लिए शुल्क लगाने से बाजार पर बोझ पैदा करने वाली गैर-किफायती लागत आएगी।
- ज. मदर ट्यूब पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से निचले स्तर के प्रयोक्ताओं को कठिनाई होगी जो मदर ट्यूब का प्रयोग करके पाइप और ट्यूब का उत्पादन करते हैं तथा इस प्रकार, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पाइप और ट्यूब से सीधे प्रतिस्पर्धा में हैं।
- झ. घरेलू उद्योग की कैप्टिव खपत में वृद्धि मांग-आपूर्ति अंतराल का कारण हो सकती है।
- ञ. आवेदकों के अनुरोधों के विपरीत, यदि पाटनरोधी शुल्क लगाना उत्पादकों के हित में होता तो अधिक घरेलू उत्पादकों ने आवेदन पत्र का समर्थन किया होता।
- ट. आवेदकों के अनुरोधों के विपरीत, घरेलू उद्योग के पास आत्मनिर्भर बनने की क्षमता नहीं है। आत्मनिर्भर नीति को भारत में उत्पादकों के संपूर्ण घटकों की संभावनाओं से देखा जाना चाहिए जिसमें प्रसंस्करणकर्ता शामिल हैं।
- ठ. प्राधिकारी आधारभूत सीमा शुल्क से संबंधित मुद्दों को उठाने के लिए सही मंच नहीं हैं। घरेलू उत्पादकों को आयात की तुलना में पहले से ही लाभ है क्योंकि वे मूल सीमा शुल्क के अध्यधीन नहीं हैं।
- ड. पाटनरोधी शुल्क लगाना जनहित में नहीं है क्योंकि संबद्ध सामानों और निचले स्तर के उद्योग की मौजूदा बाजार स्थितियां कोविड-19 के कारण नाजुक हैं। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध सामानों की लागत प्रयोक्ताओं के लिए गैर-किफायती हो जाएगी।
- ढ. घरेलू उद्योग प्रयोक्ता उद्योग के गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करने में सक्षम नहीं है जिसके कारण प्रयोक्ताओं को भारत में विशेषीकृत ग्रेड आयात करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पाटनरोधी शुल्क कुछ उत्पादकों के लिए लाभप्रद हो सकता है लेकिन इससे बड़ी संख्या में अंतिम प्रयोक्ता प्रभावित होंगे।
- ण. घरेलू उद्योग ने द्वितीयक उत्पादकों को आपूर्ति करने से इंकार कर दिया है। घरेलू उद्योग से कोई उत्तर प्राप्त न होने के साक्ष्य उपलब्ध कराए गए हैं। घरेलू उद्योग अंतिम उपयोगकर्ताओं से लिए गए मूल्य की तुलना में द्वितीयक निर्माताओं से 15% अधिक मूल्य वसूल करता है। घरेलू उद्योग स्वयं डाउनस्ट्रीम बाजार में कीमत विरूपण में संलग्न है।

ख.2 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

171. भारतीय उद्योग के हित के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. सार्वजनिक हित पर पाटनरोधी उपायों के प्रभाव का अध्ययन विभिन्न पक्षकारों (क) घरेलू उत्पादकों, (ख) घरेलू उपभोक्ताओं, (ग) अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम उद्योग, (घ) आम जनता और (ङ) पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य/प्रयोजन के हितों के परिप्रेक्ष्य में किया जाना चाहिए।
- ख. इस तर्क के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से प्रसंस्करणकर्ताओं को कठिनाईयां होंगी, यह अनुरोध किया गया था कि शुल्क लगाए जाने से मदर ट्यूबों की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि कोल्ड परिष्कृत सामानों की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ेगा। अतः, कोल्ड परिष्कृत सामानों पर शुल्क लगाए जाने से प्रसंस्करणकर्ता अपनी तैयार सामग्री के लिए अधिक कीमत वसूलने में सक्षम होंगे, जिससे मदर ट्यूब पर शुल्क के किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को नकारा जा सकेगा।
- ग. प्रयोक्ता और प्रसंस्करणकर्ता यह दावा नहीं कर सकते हैं कि यदि बाजार में उचित मूल्य बहाल किए जाते हैं तो उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।
- घ. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत को विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी क्योंकि संबद्ध सामानों की स्थापित क्षमता भारत में मांग से अधिक है।
- ङ. चूंकि घरेलू उद्योग कोल्ड परिष्कृत पाइपों के उत्पादन के लिए मदर ट्यूब का प्रयोग कर रहा है, अतः ऐसे प्रयोग को संबद्ध सामानों के लिए मांग-आपूर्ति अंतराल पैदा करना नहीं माना जा सकता, जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा किया गया है।

- च. नोसिल लिमिटेड बनाम भारत सरकार और डीएसएम इंडेमिट्सु लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में माने गए अनुसार, मांग-आपूर्ति अंतराल की मौजूदगी शुल्क लागू न करने का आधार नहीं हो सकता। किसी भी स्थिति में, शुल्क लगाए जाने से आयात प्रतिबंधित नहीं होते, बल्कि केवल एक समान अवसर सुनिश्चित करता है।
- छ. घरेलू उद्योग की वर्तमान बेकार क्षमता 26% के बाजार हिस्से को पूरा कर सकती थी।
- ज. भारत सरकार बीआईएस और सार्वजनिक खरीद नीति जैसे उपायों को शुरू करके संबद्ध सामानों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से बाजार की उचित स्थिति आएगी और सरकार के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।
- झ. घरेलू उद्योग ने संबद्ध सामानों के उत्पादन में काफी निवेश किया है, तथापि, अनुचित व्यापार परिपाटियों के कारण, घरेलू उद्योग निवेश पर उचित आय अर्जित करने में असमर्थ है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को प्रचालनों की बंदी से बचाया जा सकेगा।
- ञ. यदि पाटन को नियंत्रित नहीं किया जाता है, तो भारत उत्पादक के बजाय संबद्ध सामान का प्रसंस्करणकर्ता बन जाएगा। यद्यपि घरेलू उद्योग को हानियां हुई हैं, तथापि राजस्व और लाभ के मामले में प्रसंस्करणकर्ता के निष्पादन में सुधार हुआ है।
- ट. शुल्क लगाए जाने से बाजार में सभी प्रतिभागियों को उचित व्यापार क्षेत्र प्राप्त होगा, क्योंकि विदेशी उत्पादक एपीटीए समझौते के अंतर्गत रियायती शुल्क का लाभ लेने के बावजूद पाटन का सहारा ले रहे हैं।
- ठ. घरेलू उद्योग ने काफी निवेश किया है जिससे देश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यदि पाटन को नियंत्रित नहीं किया जाता है, तो घरेलू उद्योग को बंद करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिससे बेरोजगारी बढ़ेगी।
- ड. भारत में तेल और गैस उद्योग की मांग बढ़ने का अनुमान है जिससे भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादन में वृद्धि होगी। पाटनरोधी शुल्क न लगाए जाने की स्थिति में, निचले स्तर के उद्योग की मांग में वृद्धि को संबद्ध देश से आयातों द्वारा अधिगृहीत कर लिया जाएगा।
- ढ. चीनी उत्पादकों ने स्वीकार किया है कि उनकी लागत और कीमतें सरकारी हस्तक्षेप से प्रभावित होती हैं जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि एक को छोड़कर, किसी भी पक्षकार ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए आवेदन पत्र दायर नहीं किया है। इससे उन्हें सस्ते दामों पर निर्यात करने की अनुमति मिलती है।
- ण. घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए सामानों की गुणवत्ता के संबंध में तर्क प्रयोक्ताओं द्वारा नहीं, बल्कि संबद्ध सामानों के निर्यातकों द्वारा उठाए गए हैं।
- त. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामान भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के तहत इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 दिनांक 22 दिसंबर, 2020 की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं।
- थ. चूंकि कोविड-19 ने प्रयोक्ताओं के साथ-साथ घरेलू उद्योग को भी प्रभावित किया है, अतः यह आवश्यक है कि अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए उचित प्रतिस्पर्धा मौजूद रहे।
- द. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के विपरीत, घरेलू उद्योग और विशेष रूप से चंदन स्टील ने प्रसंस्करणकर्ताओं को पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति की है।
- ध. हितबद्ध पक्षकारों के दावे के विपरीत घरेलू उद्योग हमेशा समय पर सुपुर्दगी सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त ग्राहक प्रतिक्रिया रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि घरेलू उद्योग समय पर सुपुर्दगी सुनिश्चित करता है।
- न. विचाराधीन उत्पाद कुल वैश्विक इस्पात उत्पादन का मात्र 1.1% है और इस खंड में केवल कुछ उत्पादक शामिल हैं। ऐसे उत्पादकों को निरंतर क्षति उन्हें अपना प्रचालन बंद करने के लिए बाध्य करेगी जिससे भारत संबद्ध वस्तुओं का निवल आयातक बन जाएगा।

अ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

172. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के मूल्य स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों को लागू करने से कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन परिपाटियों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे, घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य, सामान्य रूप से, पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। अतः, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी तरह प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए विचाराधीन उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
173. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या पाटनरोधी लगाए जाने से जनता के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस तरह के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए, प्राधिकारी ने भारतीय बाजार में सामानों की उपलब्धता पर शुल्क लगाए जाने के प्रभाव, उत्पाद के प्रयोक्ताओं के साथ-साथ घरेलू उद्योग पर प्रभाव और आम जनता पर प्रभाव को व्यापक रूप से मापा। यह निर्धारण वर्तमान जांच के दौरान प्रस्तुत किए गए अनुरोधों और साक्ष्यों पर आधारित है।
174. प्राधिकारी ने आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए जांच की शुरुआत की अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं के लिए वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की है, जिसमें उनके प्रचालन पर पाटनरोधी शुल्क के किसी भी संभावित प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग और प्रयोक्ताओं द्वारा जनहित के संबंध में उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच निम्नलिखित रूप में की गई है।
175. जैसा कि यहां ऊपर उल्लेख किया गया है, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आयातित सामानों की उपलब्धता सीमित नहीं होती, बल्कि केवल उचित व्यापारिक क्षेत्र की स्थापना सुनिश्चित होती है। किसी भी स्थिति में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादकों के पास पर्याप्त क्षमताएं हैं। अतः, घरेलू स्तर पर उत्पाद की पर्याप्त उपलब्धता है। इसके अतिरिक्त, देश में कई घरेलू उत्पादक हैं, जो पर्याप्त परस्पर प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हैं।
176. इस तर्क के संबंध में प्राधिकारी ने डाउनस्ट्रीम उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव की दृष्टि से जनहित का विश्लेषण नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जनहित का विश्लेषण आयातकों, प्रयोक्ताओं, घरेलू उत्पादक तथा आम जनता सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों के हितों के संबंध में किया गया है। डाउनस्ट्रीम उद्योग प्रमुखतः मदर ट्यूब के आयातों में कार्यरत है और उसे कोल्डरोल्ड ट्यूब और पाइप के उत्पादन हेतु आगे प्रसंस्कृत करता है। चूंकि विचाराधीन उत्पाद में कोल्ड-रोल्ड उत्पाद तथा हॉट-रोल्ड उत्पाद/मदर ट्यूब, दोनों शामिल हैं। इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाने से कच्ची सामग्री तथा तैयार उत्पाद, दोनों की कीमतें प्रभावित होंगी। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम उद्योग के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, उत्पाद के अंतिम प्रयोक्ताओं में उनके हितों पर किसी प्रतिकूल प्रभाव संबंधी कोई अभ्यावेदन नहीं दिया है।
177. जैसा कि इस अंतिम निष्कर्ष के संगत भाग में उल्लेख किया गया है, भारत सरकार द्वारा गैर-प्रशुल्क बाधाओं, यदि कोई हैं, के रूप में घरेलू उद्योग को दिया गया संरक्षण वर्तमान जांच का विषय नहीं है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार, गैर-प्रशुल्क बाधाएं लगाए जाने के बाद भी, संबद्ध देश में उत्पादक भारत में पाटन कर रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। ऐसी परिस्थितियों में, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से निर्यातकों की अनुचित परिपाटी पर अंकुश लगेगा और भारतीय उद्योग के साथ-साथ संबद्ध देश के निर्यातकों को उचित व्यापारिक क्षेत्र उपलब्ध होगा।
178. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दी गई संबद्ध सामानों की गुणवत्ता संबंधी अनुरोध निर्यातकों द्वारा किए गए हैं न कि अंतिम प्रयोक्ताओं अथवा उपभोक्ताओं द्वारा। स्टेनलेस स्टील सीमलेस पाइप और ट्यूब के सभी

आपूर्तिकर्ता भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के तहत इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2020 के तहत इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय मानदंडों के अनुरूप होने के लिए बाध्य हैं। रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, घरेलू उद्योग इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी मानदंडों के अनुसार उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रख रहा है।

179. घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना यह भी दर्शाती है कि उसने प्रसंस्करणकर्ताओं को भी सामानों की आपूर्ति की है, और उसे उपभोक्ताओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें उत्पादों की समय पर सुपुर्दगी भी शामिल है।
180. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि कोविड-19 महामारी ने निचले स्तर के उद्योग को प्रभावित किया है और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उपर्युक्त उद्योग के लिए कठिनाइयाँ पैदा होंगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोविड-19 महामारी ने निचले स्तर के उद्योग, घरेलू उद्योग तथा विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों और निर्यातकों को प्रभावित किया है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पैदा होगी।
181. इस तर्क के संबंध में कि मदर ट्यूब के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से प्रसंस्करणकर्ताओं की उत्पादन लागत बढ़ जाएगी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में मदर ट्यूब और कोल्ड ड्रॉन ट्यूब्स दोनों शामिल हैं। विचाराधीन उत्पाद पर शुल्क लगाए जाने से मदर ट्यूब और कोल्ड ड्रॉन ट्यूबों के आयातकों पर समान रूप से प्रभाव पड़ेगा, इस प्रकार, प्रसंस्करणकर्ता की बिक्री पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
182. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना उत्पादकों के हित में होता तो अधिक उत्पादकों ने आवेदन पत्र का समर्थन किया होता। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध सामानों के सात प्राथमिक उत्पादक हैं। एक प्राथमिक उत्पादक संबद्ध देश में एक कंपनी से संबद्ध है जिसने भारत को निर्यात किया है और वर्तमान जांच का विषय है। आवेदन पत्र तीन घरेलू उत्पादकों द्वारा दायर किया गया था और दो अन्य उत्पादकों द्वारा समर्थित किया गया था। ऐसी स्थिति में अधिकतर उत्पादक ने आवेदन पत्र का समर्थन किया है।
183. रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, भारत में संबद्ध आयातों के पाटन के कारण, घरेलू उद्योग को हानियाँ, नकद हानियाँ हो रही हैं और उसने नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय दर्ज की है। घरेलू उद्योग पूरी क्षति अवधि में भारत में गहन पाटन के कारण संबद्ध आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ है। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निवारण होगा। तथापि, विचाराधीन उत्पाद के आयातकों के निष्पादन में सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग ने प्रसंस्करणकर्ताओं के निष्पादन के संबंध में निम्नानुसार सूचना दी है।

कंपनियां	विवरण	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
हेवी मेटल एंड ट्यूब्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	लाभ	94	116	114	111	7
	राजस्व	5,641	10,089	18,863	17,742	12,136
एमबीएम ट्यूब प्राइवेट लिमिटेड*	लाभ	46	47	37	3,780	3,780
	राजस्व	1,799	2,466	3,593	173	173
क्रिस्टल ग्लोबल इंजीनियरिंग लिमिटेड	लाभ	92	262	629	454	94
	राजस्व	6,508	7,555	11,342	8,051	6,894
शाल्को इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	लाभ	221	280	376	333	340
	राजस्व	7,435	5,888	11,286	11,968	9,123
शुभलक्ष्मी मेटल्स एंड ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड	लाभ	64	109	259	586	576
	राजस्व	7,585	9,024	13,056	13,568	10,474
वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड	लाभ	29	301	426	604	3,095
	राजस्व	2,739	6,825	13,792	17,781	30,933

मैक्सिम ट्यूब्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	लाभ	601	613	945	712	952
	राजस्व	29,541	30,591	38,064	32,156	35,807
रतनदीप मेटल एंड ट्यूब्स लिमिटेड	लाभ	402	359	595	809	556
	राजस्व	8,958	9,898	14,632	17,029	13,796
पटेल्स एयरफ्लो लिमिटेड	लाभ	64	219	319	240	223
	राजस्व	1,789	3,480	5,247	4,538	4,014
कुल	लाभ	1,613	2,306	3,699	7,628	9,624
	राजस्व	71,993	85,815	1,29,876	1,23,006	1,23,349

*चूंकि वर्ष 2020-21 के लिए एमबीएम ट्यूब प्राइवेट लिमिटेड के वित्तीय विवरण उपलब्ध नहीं थे, अतः वर्ष 2020-21 के आंकड़े वर्ष 2019-20 के आंकड़ों के समान माने गए हैं।

184. इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने द्वितीयक उत्पादकों को आपूर्ति करने से इंकार कर दिया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि द्वितीयक उत्पादक द्वारा रिकॉर्ड में रखे गए साक्ष्य घरेलू उद्योग से संबंधित नहीं हैं बल्कि संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य उत्पादक से संबंधित हैं, जो प्राधिकारी के समक्ष नहीं है। इसके अलावा, साक्ष्य केवल एक द्वितीयक उत्पादक और एक घरेलू उत्पादक से संबंधित है, और इस प्रकार, समग्र स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा मदर ट्यूबों की आपूर्ति करने से इंकार करने के संबंध में किसी अन्य द्वितीयक उत्पादक ने रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य नहीं रखा है। किसी भी मामले में, चूंकि विचाराधीन उत्पाद में द्वितीयक उत्पादकों द्वारा उत्पादित उत्पाद शामिल हैं, इसलिए उन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

ट. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

ट.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

185. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं:

- क. यद्यपि प्राधिकारी ने हॉट ड्रॉन और कोल्ड ड्रॉन पाइपों और ट्यूबों की आबद्ध खपत की जांच की है, तथापि मदर ट्यूब (42 मि.मी. और अधिक व्यास) और छोटी ट्यूब (42 मि.मी. या कम व्यास) में अंतर है। हॉट ड्रॉन और कोल्ड ड्रॉन प्रक्रियाओं में गोल बार/बिलेट के ज़रिए निर्माण शामिल है। मदर ट्यूब की छोटी ट्यूबों के निर्माण हेतु आबद्ध खपत होती है। प्राधिकारी, आबद्ध खपत को शामिल करके या हटाकर अलग क्षति विश्लेषण कर सकते हैं।
- ख. चूंकि वेलस्पन एक नया उत्पादक है, इसलिए प्राधिकारी वास्तविक मंदी के रूप में वेलस्पन की क्षति की जांच कर सकते हैं।
- ग. ट्यूबसेक्स द्वारा आयात काफी अधिक हैं और 2019-20 में घरेलू उद्योग द्वारा बिक्रियों के 50 प्रतिशत से अधिक हैं। चीन जन.गण. से एल्युमिनियम फॉयल के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच में, प्राधिकारी ने माना था कि आवेदक घरेलू उद्योग नहीं हो सकता है, यदि कंपनी द्वारा आयात की मात्रा जांच अवधि के बाद बढ़ी हो।
- घ. पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार प्राधिकारी को भारतीय उत्पादकों द्वारा सहयोग के आधार पर घरेलू उद्योग को परिभाषित करने के लिए प्राधिकार नहीं देते हैं। भारतीय उत्पादक जैसे रत्नामणि, जिंदल साँ और लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स को घरेलू उद्योग के दायरे के भीतर शामिल किया जाना चाहिए।
- ड. यद्यपि प्राधिकारी नोट करते हैं कि तैयार उत्पाद के संबंध में शिनशान द्वारा पूरी सूचना नहीं दी गई है, तथापि उत्पादक ने पहले ही उत्तर में बताया है कि वह कोल्ड फिनिशड स्टेनलेस स्टील, सीमलेस ट्यूबों और पाइपों का विनिर्माता है। यह बात उसकी वेबसाइट, निर्यात दस्तावेज और उपभोक्ताओं के साथ पत्राचार से भी स्पष्ट है।

- च. शिनशान ने प्राधिकारी द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण को गलत समझा है, उसने इसमें समझा कि प्राधिकारी के लिए पहचान करना अपेक्षित है कि क्या उत्पाद पोलिशड है या पेटेड और न कि क्या फिनिशड या कोल्ड फिनिशड।
- छ. प्राधिकारी ने आधारभूत परिष्कृत आंकड़े तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचने के आधार नहीं दर्शाए हैं कि सेंडविक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़े डीजी सिस्टम के आंकड़ों से मेल नहीं खाते हैं।
- ज. भारतीय कंपनी को सेंडविक चीन द्वारा भुगतान की गई राशि उत्तर में बताई गई है। चूंकि वह भारत को हुए निर्यातों से संबंधित नहीं है, इसलिए उसे परिशिष्ट 3क में प्रत्यक्ष व्यय में शामिल नहीं किया गया है। सेंडविक द्वारा निर्यातित उत्पाद विशिष्ट प्रयोगों सहित उत्तम उत्पाद हैं और इसलिए भारतीय बाजार में उन्हें उच्चतर कीमत मिलती है।
- झ. यदि डीजी सिस्टम के आंकड़े एकमात्र वास्तविक स्रोत है तो निर्यातकों को भाग लेने की कोई आवश्यकता नहीं है और प्राधिकारी को एआरडब्ल्यू के मामले की तरह मार्जिन निर्धारण हेतु डीजी सिस्टम के आंकड़ों का प्रयोग करना चाहिए।
- ञ. निर्यातक द्वारा सूचित निर्यात आंकड़ों और डीजी सिस्टम के आंकड़ों के बीच अंतर आंकड़ों की सूचना के समय में अंतर के कारण हो सकता है।
- ट. डीजी सिस्टम के आंकड़ों का अलग-अलग ब्यौरा बताया जाए ताकि निर्यातक अंतर संबंधी स्पष्टीकरण दे सकें।
- ठ. प्राधिकारी ने इस तथ्य के आधार पर कुछ उत्तरों को अस्वीकृत किया है कि ये निर्यातक उत्पादक नहीं हैं। तथापि, वास्तव में वे संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं।
- ड. पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन काफी अधिक है क्योंकि वे बड़े हुए सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत पर आधारित हैं। ऐसे अधिक शुल्क लागू करने से भारत को निर्यात अव्यवहार्य हो जाएंगे और भारत में मांग-आपूर्ति में अंतर बढ़ जाएगा।
- ढ. प्राधिकारी को इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को अपनाना चाहिए जब पाटन का आरोप नहीं लगा था और नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय नहीं थी।
- ण. भारत को शेनटैक द्वारा निर्यातित समस्त संबद्ध वस्तु कोल्ड फिनिशड है, जैसा निरीक्षण प्रमाण-पत्र और चीनी सीमा शुल्क घोषणा प्रपत्र से स्पष्ट है। चूंकि कोल्ड प्रसंस्कृत वस्तुओं की कीमत अधिक है और कोल्ड प्रसंस्कृत उत्पाद की तुलना में है, इसलिए उत्पादक के पास हॉट प्रसंस्कृत उत्पाद को कोल्ड प्रसंस्कृत उत्पाद बताने का कोई कारण नहीं है।
- त. चूंकि हॉट रोल्ड बिलेट्स का उत्पादन एक प्रमुख प्रक्रिया है जिसमें काफी मूल्यवर्धन शामिल है और हॉट रोल्ड बिलेट्स दायरे का भाग नहीं है, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि डिंगशेंग, जिनशिन, जुंडा और जिंगटोंगा संबद्ध वस्तु के उत्पादक नहीं हैं। अन्य चीनी उत्पादकों और घरेलू उद्योग का आरंभिक बिंदु भी समान है।
- थ. डिंगशेंग और जिंगटोंगा ने भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों से मिलान किया था और उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से यह स्पष्ट था कि अंतर इस वजह से था कि भारतीय सीमा शुल्क आंकड़े उत्पाद आयातों के आधार पर आयात दर्ज नहीं करते हैं, जिससे एनपीयूसी शामिल हो जाता है।
- द. प्राधिकारी से पीसीएन स्तरों पर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने तथा शुल्क की सिफारिश करने का अनुरोध है।
- ध. यद्यपि प्राधिकारी ने नोट किया है कि भारत को इक्यूआर में निर्यातित वस्तुओं की मात्रा और जिनशिन और जुंडा द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों में अंतर है क्योंकि इनकी सूचना उत्पादकों को नहीं दी गई थी और उन्हें इसे स्पष्ट करने का अवसर नहीं दिया गया था। इसके अलावा, भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों को प्राप्त करने का प्राधिकार भी उत्पादकों को नहीं दिया गया था।

- न. वास्तविक घरेलू मांग प्राधिकारी द्वारा आकलित मांग से अधिक है क्योंकि उसमें घरेलू उद्योग द्वारा आबद्ध रूप से खपत की गई मदर पाइपों की मांग शामिल नहीं है।
- प. मैक्सिम की लेखा परीक्षा रिपोर्ट और हैवी मेटल की नमूना खरीद बीज़क दर्शाते हैं कि वे बिलेट्स के प्रयोग से वस्तु उत्पादित करते हैं, जैसा पहले बताया गया है। दोनों कंपनियों से कोई अन्य साक्ष्य देने के लिए नहीं कहा गया है।
- फ. ईयू एंटी-फ्राड आफिस रिपोर्ट पर भरोसा किया जाना चाहिए क्योंकि इस रिपोर्ट में प्रयुक्त आंकड़े प्राधिकारी और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के पास उपलब्ध नहीं हैं और रिपोर्ट में विचारित जांच अवधि, जांच अवधि से अलग है, केवल कुछ उत्पादकों ने जांच में भाग लिया है और मैक्सिम ने पहले ही अपनी उत्पादन प्रक्रिया में विस्तार किया है और वह पश्चवर्ती समेकित हो गई है।
- ब. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि क्षति चीन जन.गण. में सरकारी सहायता के रूप में सब्सिडीकरण की वजह से हुई है।
- भ. रत्नमिणि की आबद्ध खपत में वृद्धि हुई है। यदि घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत में भी वृद्धि हुई तो इसका अर्थ है कि व्यापार की प्रवृत्ति में बदलाव आया है।
- म. यद्यपि प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग महामारी के कारण किसी खास शटडाउन से नहीं गुजरा है। ट्यूबासेक्स के प्रचालन उसके संयंत्रों और विनिर्माण इकाईयों के शटडाउन द्वारा प्रभावित हुए थे।
- य. जियांग्सु वुजिन ने भेल को 94 प्रतिशत निर्यात की आपूर्ति की है, जो आयातक द्वारा जारी वैश्विक निविदा के तहत थी। केवल प्राधिकारी के पास उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर जियांग्सु वुजिन को असहयोगी मानना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और नियम 16 का उल्लंघन है। आवेदक द्वारा बार-बार अनुरोध के बाद भी प्राधिकारी ने डीजी सिस्टम आंकड़ों से लेन-देन उपलब्ध नहीं कराया है।
- कक. जियांग्सु वुजिन ने जांच अवधि से पहले भारत को निर्यात किया है, जो संभवतः किसी बाद की तारीख को भारतीय पत्तन पर पहुंचा है। इसके अलावा, डीजी सिस्टम के आंकड़ों में एनपीयूसी के आयात भी शामिल हो सकते हैं।
- खख. प्राधिकारी जियांग्सु वुजिन और डीजी सिस्टम के आंकड़ों के बे-मेल होने के संबंध में डेस्क सत्यापन के समय मामला नहीं उठा सकते हैं और उन्होंने निर्यातक द्वारा सूचित 85 प्रतिशत से अधिक निर्यात सौदों का सत्यापन किया है।
- गग. चूंकि डीजी सिस्टम हितबद्ध पक्षकार नहीं है, इसलिए ऐसे आंकड़ों की गोपनीयता का पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के तहत दावा नहीं किया जा सकता है।
- घघ. प्राधिकारी की प्रक्रिया के अनुसार वेलस्पन को क्षति का विश्लेषण नई कंपनी की तिमाही और मासिक निष्पादन पर विचार करते हुए करना चाहिए।
- ड.ड. जियांग्सु वुजिन ने घरेलू उत्पादकों के अलग क्षति आंकड़ों का अनुरोध किया है किंतु उसे इस संबंध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।
- चच. मांग, घरेलू बिक्री, निर्यात बिक्री, क्षमता उपयोग, क्षमता, समायोजित क्षमता और उत्पादन के लिए वास्तविक आंकड़े बताने के बजाए केवल सूचिबद्ध आंकड़े दिए गए हैं। यद्यपि, इस सूचना का घरेलू उद्योग ने प्रकटन किया था।
- छछ. प्राधिकारी ने लाभ, नकद लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और ईबीआईडीटीए के रुझानों के भी गोपनीय होने का दावा किया है।
- जज. प्राधिकारी ने इस निष्कर्ष पर पहुंचने का कोई आधार नहीं बताया है कि पहले विचाराधीन उत्पाद को भारत में अन्य देशों को पुनः निर्यातित करने के लिए आयात किया जा रहा था।

- झझ. यह निष्कर्ष कि भारत में क्षमता पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और भारत में मांग-आपूर्ति में कोई अंतर नहीं है परंतु घरेलू उत्पादकों का हिस्सा मांग का केवल 25 प्रतिशत है, एक दूसरे के विपरीत है।
- ञञ. सेंडविक ने 18 अगस्त, 2022 को हुई बैठक में स्पष्ट किया है कि डीजी सिस्टम के आंकड़ों और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के बीच अंतर डीजी सिस्टम आंकड़ों की शेयरिंग से सह-संबंधित किया जा सकता है।
- टट. मध्यवर्ती उत्पाद के उत्पादक की भागीदारी की कोई जरूरत नहीं है और ऐसी गैर-भागीदारी पर कोई प्रतिकूल अर्थ नहीं निकाला जा सकता है। प्राधिकारी भारतीय कंपनी को निर्यातक प्रश्नावली नहीं भेजते हैं क्योंकि वह एक घरेलू उत्पादक है और विदेशी उत्पादक नहीं है।
- ठठ. चूंकि सेंडविक के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार से मना किया गया है, इसलिए मध्यवर्ती उत्पाद के उत्पादक की भागीदारी की कोई आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु चीन के निर्यातकों की उत्पादन लागत पर विचार नहीं करेंगे।
- डड. सेंडविक को भारतीय कंपनी से प्राप्त अपेक्षित सूचना दी जाए और भारतीय कंपनी को ऐसे सूचना देने के लिए सहमत करने का समय दिया जाए।
- ढढ. चूंकि प्राधिकारी ने सेंडविक को संपूर्ण अपरिष्कृत डीजी सिस्टम आंकड़े प्रदान नहीं किए हैं, इसलिए निर्यातक ने संभव सीमा तक निर्यात सौदों को सह-संबंधित किया है। कुछ सौदे सह-संबंधित नहीं हो सके क्योंकि डीजी सिस्टम आंकड़ों में प्रविष्टि-वार बिल हैं जो एक से अधिक बीजक को प्रविष्टि बिल में मिला सकते हैं। प्राधिकारी बीजक-वार/प्रविष्टि बिल-वार आयात आंकड़े प्रदान कर सकते हैं।
- णण. डीजी सिस्टम आंकड़ों के लिए सह-संबंध नहीं होने का दूसरा कारण यह हो सकता है कि कुछ आयात एसईजेड या गैर-ईडीआई स्थानों से किए गए हों, आपूर्तिकर्ता का नाम सही दर्ज न हुआ हो और भारत में आयातों के रूप में दर्ज होने हेतु सौदों में 5-6 समाह का समय लग सकता है।
- तत. सेंडविक ने भारतीय ग्राहकों के नाम उपलब्ध कराए हैं और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़ों के सत्यापन के लिए उनसे स्वतंत्र पृष्ठताछ की जा सकती है।
- थथ. सेंडविक ने डीजी सिस्टम में सूचित से अधिक आयातों का दावा किया है, इसलिए निर्यातक द्वारा कोई सूचना छिपाई नहीं गई है।
- दद. यद्यपि प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि सूरज लिमिटेड ने भारी मात्रा में संबद्ध वस्तु का आयात किया है, तथापि रिकॉर्ड में कोई वास्तविक साक्ष्य नहीं है। प्राधिकारी ने ऐसी सूचना के स्रोत को बताया या उसका प्रकटन नहीं किया है।
- धध. प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत के बाद रत्नामणि के समर्थन संबंधी कोई सूचना रिकॉर्ड में नहीं रखी गई थी। कंपनी द्वारा प्रस्तुत आंकड़े घरेलू उद्योग ने गोपनीय होने का दावा किया था। यद्यपि रत्नामणि ने स्वयं इस गोपनीयता की मांग नहीं की थी।
- नन. यद्यपि प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि लाल बाबा ने आवेदन का समर्थन किया है, परंतु ऐसे समर्थन पत्र को हितबद्ध पक्षकारों के बीच कभी परिचालित नहीं किया गया, इसलिए लाल बाबा को घरेलू उत्पादक नहीं मानना चाहिए।
- पप. यद्यपि वर्तमान जांच सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादन पर विचार करते हुए शुरू की गई थी, तथापि उसके उत्पादन को बाद में केवल इसलिए कुल भारतीय उत्पादन से हटा दिया गया था क्योंकि उसने भाग नहीं लिया। याचिकाकर्ता पहले से ही निर्यातक के साथ भारतीय कंपनी का संबंध जानते थे।
- फफ. विभिन्न भारतीय उत्पादकों की उत्पादन क्षमता संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं जो काफी असूचित उत्पादन का संकेत करते हैं। प्राधिकारी ने भारत में कुल भारतीय उत्पादन की निर्धारण की पद्धति का प्रकटन नहीं किया है।

- बब. गैर समर्थक उत्पादकों का उत्पादन गलत है क्योंकि याचिकाकर्ता से दुगुनी क्षमता होने के बावजूद ऐसे उत्पादक कुल भारतीय उत्पादन के 33 प्रतिशत से कम का उत्पादन कर रहे हैं। प्राधिकारी को स्वतंत्र रूप से भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन का सत्यापन करना चाहिए।
- भभ. प्राधिकारी ने सेंडविक के लिए डेस्क सत्यापन नहीं किया था जो अवैध और मनमाना है।
- मम. घरेलू उद्योग को क्षति निर्यातों पर फोकस के कारण हुई थी और जांच अवधि के दौरान निर्यातों में गिरावट आई है।

ट.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

186. जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. क्षमता, क्षमता उपयोग, उत्पादन, बिक्री और कुल मांग तथा लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश पर आय के रुझानों के वास्तविक आंकड़ों का प्रकटन किया जाए।
- ख. चूंकि सामान्य मूल्य भारत में उत्पादन लागत पर आधारित है, इसलिए घरेलू उद्योग को उसका प्रकटन किया जाए।
- ग. झेजियांग जुयुली हार्ड-टेक मेटल्स कंपनी लिमिटेड ने अपनी विभिन्न शाखाओं के लिए अलग परिशिष्ट-1 प्रस्तुत किया है, तथापि यह प्राधिकारी की प्रक्रिया के अनुसार नहीं है क्योंकि विभिन्न शाखाओं के पास अलग-अलग भागीदारी करने की आवश्यक स्थिति नहीं होती है। एक संचयी परिशिष्ट-1 प्रस्तुत करना होगा।
- घ. झेजियांग जुयुली हार्ड-टेक मेटल्स कंपनी लिमिटेड ने भ्रामक सूचना प्रस्तुत की है क्योंकि उसने बताया है कि उसे वाट्सएप पर ऑर्डर प्राप्त होते हैं, परंतु चीन जन.गण. में वाट्सएप पर प्रतिबंध है। चूंकि यह सूचना गलत है, इसलिए अन्य प्रदत्त सूचना की विश्वसनीयता के बारे में संदेह है।
- ड. झेजियांग डिंगशांग स्टेनलेस स्टील कंपनी लिमिटेड; झेजियांग जिनशिन स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड; झेजियांग जुंडा स्टील पाइप मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड; और झेजियांग जिनटोंगडा स्पेशल स्टील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने अविश्वसनीय आंकड़े प्रस्तुत किए हैं क्योंकि निर्यातों की मात्रा और निर्यातित वस्तुओं के प्रकार भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों के संगत नहीं हैं। इस प्रकार इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत उत्तर अस्वीकृत किया जाना चाहिए।
- च. प्राधिकारी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों और भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों के बीच अंतर विनिर्दिष्ट कर सकते हैं।
- छ. यद्यपि घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई है, तथापि संबद्ध आयातों की कीमत में कमी आई है। यद्यपि भारत में मांग-आपूर्ति में भी अंतर नहीं है किंतु घरेलू उत्पादकों की अप्रयुक्त क्षमता पर विचार करते हुए ऐसे स्थिति में पहुंच कीमत में गिरावट का कोई औचित्य नहीं है, जब भारत में मांग-आपूर्ति में अंतर है।
- ज. घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंडों में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की कीमत पर सुधार हुआ है। यद्यपि बिक्री मात्रा बढ़ी है। तथापि क्षति अवधि में प्रति यूनिट घाटे में भी वृद्धि हुई है।
- झ. घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग पूरी क्षति अवधि में कम रहा है क्योंकि वह पाटित आयातों के कारण बाजार प्राप्त करने में असमर्थ है।
- ञ. घरेलू उद्योग ने पैमाने की किरायातों को प्राप्त करने के लिए काफी निर्यात किया है। यदि घरेलू उद्योग पूर्णतः घरेलू बिक्रियों पर निर्भर होता तो घाटे काफी अधिक हो गए होते।
- ट. आबद्ध कच्ची सामग्री के मानक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार नहीं हैं और वास्तविक मूल्य पर विचार किया जाना चाहिए।

- ठ. क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु विचार की गई निवल स्थिर परिसंपत्तियां ट्यूबासेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की लेखा बहियों के अनुसार होने चाहिए, जिनमें कंपनी द्वारा प्रदत्त वास्तविक राशि पर विचार किया गया है।
- ड. गैर-प्रचालन आय पर क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए।

ट.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

187. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात कि अनुरोधों की जांच की है, और यह नोट करते हैं कि कुछ टिप्पणियां दोहराव हैं जिनकी पहले ही अंतिम जांच परिणाम के संगत पैराओं में पर्याप्त रूप से जांच और समाधान किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा पहली बार की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत समझे जाने पर उनकी निम्नानुसार जांच की गई है।
188. प्रकटीकरण विवरण जारी करने के अनुसरण में, एसएसपीटीएमए ने हेवी मेटल और मैक्सिम ट्यूब्स के साथ इस आधार पर गुजरात के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की कि प्राधिकरण प्रकटीकरण विवरण के समक्ष प्रस्तुत किए गए उनके अनुरोध और दस्तावेजों को संदर्भित नहीं किया गया है और उन पर विचार नहीं किया गया है। गुजरात के माननीय उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 09 सितंबर 2022 में रिट याचिका संख्या 17982/2022 का निपटारा करते हुए एलडी. एसजी द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण पर ध्यान दिया कि याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर सभी प्रस्तुतियों और दस्तावेजों पर अंतिम निष्कर्ष जारी करने से पहले प्राधिकरण द्वारा विचार किया जाएगा। इसके अलावा, गुजरात के माननीय उच्च न्यायालय ने भी याचिकाकर्ताओं को दस्तावेजों को फिर से जमा करने की स्वतंत्रता प्रदान की।
189. गुजरात के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका संख्या 17982/2022 में मैक्सिम ट्यूब्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ("मैक्सिम") और हेवी मेटल एंड ट्यूब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ SSPTMA के तर्क के संबंध में कि उनके प्रत्युत्तर प्रस्तुतियाँ दिनांक 22 तारीख मार्च 2022 पर विचार नहीं किया गया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटीकरण विवरण जारी करते समय प्राधिकरण द्वारा प्रत्युत्तरों के अनुरोधों पर पहले ही विचार कर लिया गया था। हालांकि, जैसा कि न्यायालय ने निर्देश दिया है, अंतिम निष्कर्ष जारी करने से पहले इन पर फिर से विचार किया गया है।
190. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त रिट याचिका में, इन दोनों कंपनियों ने दावा किया है कि उन्होंने ऑडिट रिपोर्ट के साथ-साथ नमूना खरीद चालान को प्रत्युत्तर प्रस्तुतियों के लिए प्रदर्शन के रूप में प्रदान किया ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि वे अपने कच्चे माल से पीयूसी का उत्पादन कर रहे हैं और हैं पिछड़ा एकीकृत। इस संबंध में, प्राधिकरण मैक्सिम ट्यूब्स और हेवी मेटल द्वारा उनके प्रत्युत्तर प्रस्तुतियों में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियों और ईमेल दिनांक 13 सितंबर 2022 के माध्यम से आगे की प्रस्तुतियों पर ध्यान देता है। प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार, प्राधिकरण ने निष्कर्ष निकाला कि ये कंपनियां जांच अवधि के दौरान बिलेट/राउंड बार से पीयूसी प्रस्तुत करें। तथापि, चूंकि इन कंपनियों ने भी जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है, इसलिए दोनों कंपनियों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना गया है।
191. प्राधिकारी एसएसपीटीएमए की अन्य सदस्य कंपनियों के तर्कों को भी नोट करते हैं जिन्होंने प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए हैं और उनका पीयूसी का घरेलू विनिर्माण होने का दावा है। इस संबंध में, इन कंपनियों ने ईमेल दिनांक 13 सितंबर 2022 के माध्यम से अतिरिक्त दस्तावेज भी प्रस्तुत किए हैं। अपने विश्लेषण में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये कंपनियां पीयूसी की द्वितीयक निर्माता हैं, जिसमें या तो वे घरेलू स्तर पर मदर पाइप/ट्यूब की खरीद करती हैं या उनका आयात करती हैं। जबकि वे महत्वपूर्ण मूल्यवर्धन करते हैं और उन्होंने जांच की अवधि से संबंधित प्रमाण पत्र/अन्य प्रामाणिक दस्तावेज भी प्रस्तुत किए हैं, यह भी एक तथ्य है कि इन कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है और इस प्रकार, उन्हें घरेलू उद्योग के हिस्से के रूप में नहीं माना गया है।

192. इस तर्क के संबंध में कि डीजी सिस्टम्स के आंकड़े नहीं दिए गए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण जारी होने के बाद डीजी सिस्टम से निर्यातकों के विशिष्ट सौदे प्रदान किए हैं।
193. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि डीजी सिस्टम के आंकड़ों को एकमात्र प्रामाणिक स्रोत नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे मामले में, जहां निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़े भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों से बिल्कुल अलग हैं, प्राधिकरण भारतीय सीमा शुल्क डेटा पर अधिक भरोसा करने के लिए इच्छुक है, क्योंकि यह डेटा एक ज्ञात विश्वसनीय स्रोत से है।
194. इस तर्क के संबंध में कि मदर ट्यूब और छोटी ट्यूब के समान वस्तु नहीं होने के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच नहीं की गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई उक्त दलील की पहले ही इस अंतिम जांच परिणाम के संगत खंड में जांच की गई है।
195. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि मदर ट्यूब और छोटी ट्यूबों के बीच अंतर है और आबद्ध खपत को शामिल करने या हटाने के लिए अलग क्षति विश्लेषण अपेक्षित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मदर ट्यूब हॉट रोल्ड उत्पाद होते हैं जिन्हें अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधे बेचा जा सकता है या कोल्ड उत्पाद अथवा छोटी ट्यूब बनाने के लिए आगे प्रसंस्कृत किया जा सकता है। चूंकि हॉट रोल्ड और कोल्ड-रोल्ड, दोनों उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं, इसलिए कोल्ड रोल्ड उत्पादों के विनिर्माण के लिए हॉट-रोल्ड उत्पादों के प्रयोग को आबद्ध खपत नहीं माना जा सकता है।
196. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई है। दूसरी ओर डीआई ने तर्क दिया कि एनआईपी निचले हिस्से पर निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत को प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया और उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित किया गया है। क्षति रहित कीमत पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर निर्धारित की गई है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है क्योंकि अन्य किसी पद्धति के अंतर्गत सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में प्राधिकारी के पास कोई सूचना उपलब्ध नहीं थी। न तो घरेलू उद्योग और न ही किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी उचित तीसरे देश में कीमत या ऐसे देश में कीमत संबंधी कोई सूचना प्रदान नहीं की है, जो सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार हो सकती थी।
197. सेंडविक चीन द्वारा अपनी संबंधित भारतीय इकाई को भुगतान की गई राशि के तर्क के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकरण ने ऐसी राशि के भुगतान के उद्देश्य के संबंध में एक प्रश्न उठाया था। निर्यातक ने प्रस्तुत किया है कि उक्त राशि भारत को सीधे निर्यात से संबंधित नहीं है और ग्राहक ऑर्डर के लिए सीधे निर्यातक से संपर्क करते हैं। इतनी राशि के भुगतान का उद्देश्य स्पष्ट नहीं है। प्राधिकारी द्वारा इस बारे में एक प्रश्न जारी किए जाने के बाद भी निर्यातक इस तरह के खर्च की प्रकृति और कारण पर स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है। ऐसी स्थिति में, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि निर्यातक द्वारा दायर उत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
198. इस तर्क के संबंध में कि सेंडविक ने प्राधिकारी द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को स्पष्ट किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि 18 अगस्त, 2022 को हुई बैठक के दौरान निर्यातक को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विस्तृत लिखित उत्तर देने का निदेश दिया गया था। प्राधिकारी ने ऐसे अनुरोध प्रस्तुत करने हेतु तीन दिन का समय दिया था। तथापि, प्रकटन विवरण जारी होने से पहले इस संबंध में निर्यातक से कोई लिखित उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था। सेंडविक ने 30 अगस्त, 2022 अर्थात् प्रकटन विवरण जारी होने के बाद उक्त प्रश्नों के संबंध में लिखित उत्तर प्रस्तुत किया था। इसके अलावा, निर्यातक ने उत्तर के साथ कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है और तदनुसार प्राधिकारी उसे स्वीकार नहीं करते हैं।
199. इस अनुरोध के संबंध में कि भारत में स्थित सेंडविक के संबंधित उत्पादक को वर्तमान जांच में भाग लेने की कोई जरूरत नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक के लिए संबंधित कंपनी से नज़दीकी कीमतों पर कच्ची सामग्री की खरीद सिद्ध करना अपेक्षित है। वर्तमान जांच में सेंडविक मैटिरियल टैक्रोलॉजी (चाइना) कंपनी लिमिटेड ने यह सिद्ध नहीं किया है। भारतीय कंपनी की भूमिका प्रमुख हो जाती है क्योंकि उसने निर्यातक को प्रमुख कच्ची सामग्री प्रदान की है।

200. सेंडविक ने बताया है कि डीजी सिस्टम के आंकड़े निर्यात सौदों से मेल नहीं खाते हैं क्योंकि केवल चुनिंदा आंकड़े निर्यातक को दिए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी उत्पादकों/निर्यातकों को उनके स्वयं के निर्यात सौदों से संबंधित डीजी सिस्टम के आंकड़ों का समान सैट दिया गया था। यद्यपि संबद्ध देश से अधिकांश अन्य निर्यातक ऐसे सौदों को मिलाने में सक्षम थे और उन्होंने असमानता के वैध कारण बताए थे, तथापि सेंडविक ऐसा करने में असमर्थ था। प्राधिकारी ने ऐसे निर्यातकों के उत्तर को स्वीकार किया है, जिन्होंने डीजी सिस्टम के आंकड़ों से अपने निर्यात आंकड़ों को मिलाया है, तथापि प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि चूंकि डीजी सिस्टम के आंकड़ों और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात आंकड़ों के बीच भारी अंतर है और निर्यातक ऐसे अंतर के कारण बताने में असमर्थ है, इसलिए ऐसे उत्पादक के उत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
201. इस तर्क के संबंध में कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि सूरज लिमिटेड ने भारी मात्रा में आयात किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीजी सिस्टम के आंकड़ों के अनुसार सूरज लिमिटेड ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। सूरज लिमिटेड भारत में प्रमुख आयातक है और इस कंपनी का फोकस उत्पादन के बजाए आयात पर है।
202. इस तर्क के संबंध में कि आवेदक ने रत्नामणि के समर्थन के संबंध में रिकॉर्ड में कोई सूचना नहीं दी है। यह नोट किया जाता है कि रत्नामणि द्वारा प्रस्तुत समर्थन पत्र घरेलू उद्योग की याचिका के साथ सभी हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया गया था। समर्थन पत्र के आंकड़े भारत में एक घरेलू उद्योग के स्वामित्व संबंधी आंकड़े हैं और इसलिए उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ शेयर नहीं किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी ऐसे आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है।
203. लाल बाबा के समर्थन पत्र के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसे उत्पादक द्वारा स्वयं गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया था। चूंकि प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को घरेलू उत्पादकों द्वारा ज़ाहिर समर्थन के बारे में बताया है और समर्थन पत्र के आंकड़े गोपनीय प्रकृति के हैं, इसलिए किसी हितबद्ध पक्षकार के हितों से कोई पक्षपात नहीं हुआ है।
204. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि यद्यपि जांच सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादन पर विचार करते हुए शुरू हुई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा याचिका दायर करने के समय उत्पादन सहित कुल भारतीय उत्पादन के आधार पर स्थिति निर्धारित की थी। प्राधिकारी का प्रथमदृष्टया निष्कर्ष था कि याचिकाकर्ता के पास भारतीय उत्पादन में प्रमुख हिस्सा है और इसलिए वह जांच शुरुआत के समय घरेलू उद्योग होने का पात्र है। तथापि, जांच की प्रक्रिया के दौरान और विभिन्न पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए यह नोट किया गया है कि सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड एक चीनी निर्यातक से संबंधित है, जिसने भारत को भारी मात्रा में निर्यात किया है। इस प्रकार प्राधिकारी पूर्व प्रक्रिया के आलोक में सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादन को भारत में घरेलू उद्योग के कुल घरेलू उत्पादन के निर्धारण से बाहर रखा गया है।
205. इस तर्क के संबंध में कि भारतीय उत्पादकों की उत्पादन क्षमता के संबंध में रिकॉर्ड में साक्ष्य रखे गए हैं और भारतीय उत्पादन गलत निर्धारित किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भारतीय उत्पादकों की क्षमताएं बताई थी और न कि वास्तविक उत्पादन। इसके अलावा, यह नोट किया गया है कि कुछ भारतीय उत्पादकों के लिए प्रदत्त क्षमता का विचाराधीन उत्पाद के बजाए विभिन्न उत्पादों की संयुक्त क्षमता थी। इस प्रकार, ऐसी सूचना पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित करने के लिए भारत में कुल उत्पादन में याचिकाकर्ताओं का हिस्सा निर्धारित करना होगा। प्राधिकारी ने जिंदल साँ लिमिटेड को छोड़कर भारतीय उत्पादकों के उत्पादन को उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर निर्धारित किया है। चूंकि किसी अन्य पक्षकार ने जिंदल साँ लिमिटेड के उत्पादन के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है, इसलिए प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में दी गई सूचना पर भरोसा किया है।

206. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह दलील दी है कि नियमावली में किसी निर्यातक से संबंध के कारण कुल भारतीय उत्पादन निर्धारित करने के लिए किसी घरेलू उत्पादक के उत्पादन की अनदेखी करने की अनुमति नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 5 के अन्तर्गत स्थिति को उस घरेलू उद्योग के उत्पादन के संदर्भ में निर्धारित करना अपेक्षित है जिसे नियम 2(ख) के अन्तर्गत परिभाषित किया गया है क्योंकि पाटित वस्तुओं के निर्यातकों और आयातकों से संबंधित होने या स्वयं आयातक होने के कारण उन उत्पादकों को बाहर रखने का विवेकाधिकार है। तदनुसार, का घरेलू उद्योग की स्थिति के निर्धारण में सेंडविक एशिया प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादन पर संबद्ध देश में एक निर्यातक जिसने भारत को निर्यात किया है, से उसकी संबद्धता के कारण विचार नहीं किया गया है।
207. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी ने सेंडविक के लिए डेस्क वेरिफिकेशन नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में डेस्क वेरिफिकेशन विधिवत रूप से किया गया है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और सूचना के संबंध में प्रस्तुत आंकड़ों के सत्यापन के लिए 23 मार्च, 2022 को एक पत्र जारी किया था।
208. अंतिम जांच परिणाम के संगत खंड में नोट किए गए अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति निर्यात निष्पादन के कारण नहीं हुई है क्योंकि प्राधिकारी ने केवल घरेलू बिक्री की दृष्टि से घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण किया है।
209. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और मांग, घरेलू बिक्री, निर्यात बिक्री, क्षमता उपयोग, क्षमता, समायोजित क्षमता और उत्पादन के लिए रुझानों को शेयर किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस अंतिम जांच परिणाम में शेयर किया गया है।
210. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि वेल्सपन को हुई क्षति की जांच वास्तविक मंदी के रूप में होनी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने वेल्सपन को हुई क्षति की जांच वास्तविक मंदी के रूप में करने का अनुरोध किया है। तथापि, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि चूंकि विचाराधीन उत्पाद के लिए उद्योग भारत में पहले ही स्थापित हो गया है, इसलिए वेल्सपन के संबंध वास्तविक मंदी का दावा नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, प्रकटन के बाद अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए यह तर्क कि वेल्सपन की क्षति की जांच वास्तविक मंदी के रूप में की जाए, स्वीकृत नहीं हो सकता है।
211. इस दावे के संबंध में कि रत्नामणि और जिंदल सॉ और लाल बाबा सीमलेस ट्यूब्स को घरेलू उद्योग के भाग के रूप में शामिल किया जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या घरेलू उत्पादक का पहले प्रमुख हिस्सा है, ताकि वे नियम 2(ख) के अन्तर्गत घरेलू उद्योग बन सकें। वह अन्य घरेलू उत्पादक सहित किसी पक्षकार को जांच में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं।
212. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि ट्युबासेक्स को घरेलू उद्योग के दायरे के भीतर नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि उसने संबद्ध वस्तु का आयात किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस अंतिम जांच परिणाम के संगत भाग में इस मुद्दे की जांच की गई है। इस मुद्दे के संबंध में कि प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से एल्युमिनियम फायल के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच में घरेलू उद्योग के दायरे से घरेलू उत्पादक को बाहर किया था क्योंकि जांच अवधि के बाद आयात बढ़ गए थे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त जांच के तथ्य वर्तमान जांच से अलग थे। घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर किया गया था क्योंकि उसने जांच अवधि के दौरान आयात किया था और उसका कोई औचित्य नहीं बताया था। तथापि, वर्तमान जांच में जांच अवधि के दौरान ट्युबासेक्स द्वारा कोई आयात नहीं किए गए हैं और इसलिए ट्युबासेक्स को घरेलू उद्योग में शामिल किया गया है।
213. इस दलील के संबंध में कि ईयू एंटी-फ्रॉड आफिस रिपोर्ट पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया गया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि रिपोर्ट के अनुसार संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से पूर्ववर्ती वर्ष में यूरोपीय संघ को पुनः निर्यातित की गई थी।
214. भारत में मांग-आपूर्ति अंतर के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमताएं रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में पूरी मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त है। मांग-आपूर्ति अंतर को भारत में स्थापित

क्षमताओं के संबंध में देखा जाए और न कि भारतीय उत्पादकों के उत्पादन के संदर्भ में। यद्यपि याचिकाकर्ताओं के पास भारत में उत्पादन का 50-60 प्रतिशत हिस्सा है तथापि, सभी विनिर्माताओं की क्षमता काफी अधिक है।

215. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि घरेलू उद्योग ने चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के सब्सिडीकरण के आधार पर क्षति का दावा किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने भारत में पाटित आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी ने पाटन और क्षति और कारणात्मक संबंध का विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा निकाला गया निष्कर्ष चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के सब्सिडीकरण यदि कोई हो, से संबंधित नहीं है।
216. इस दावे के संबंध में घरेलू मांग अधिक है क्योंकि उसमें घरेलू उद्योग द्वारा आबद्ध रूप से खपत की गई मदर पाइपों की मांग शामिल नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि विचाराधीन उत्पाद में मदर पाइप और कोल्ड रोल्ड उत्पाद दोनों शामिल हैं, इसलिए कोल्ड रोल्ड उत्पादों के विनिर्माण के लिए मदर पाइप की खपत को आबद्ध खपत नहीं माना जा सकता है। चूंकि मांग में घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए और देश में आयातित कोल्ड रोल्ड उत्पाद शामिल हैं, इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू बाजार में बेचे गए और संबद्ध देश से आयातित मदर पाइपों की मांग का सही आकलन किया गया है। मांग में कोल्ड रोल्ड उत्पादों को बनाने हेतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त मदर पाइपों को शामिल करने से समान उत्पाद की दोहरी गणना हो जाएगी।
217. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग को क्षति कोविड के कारण टुबासेक्स के बंद होने के कारण हुई थी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता का संयंत्र जांच अवधि के दौरान केवल 13 दिनों के लिए बंद था। शटडाउन की इतनी कम अवधि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।
218. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दलील दी है कि नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय उचित नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को नियोजित पूंजी पर आय की अनुमति प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया और भारत में न्यायालयों के विभिन्न फैसलों के अनुसार दी गई।
219. इस दलील के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश पीसीएन स्तरों पर की जानी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में पीसीएन को निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की उचित तुलना के प्रयोजनार्थ बनाया गया है। तथापि, पीसीएन स्तरों पर पाटनरोधी शुल्क के निर्धारण की जरूरत के संबंध में रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं है। इसलिए प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश कमतर शुल्क नियम सहयोगी और असहयोगी उत्पादकों के लिए निर्धारित मार्जिनों के भारित औसत के आधार पर की जाए।

ठ. निष्कर्ष एवं सिफारिशें

220. दी गई दलीलों, प्रदत्त सूचना, किए गए अनुरोधों और ऊपर यथा दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते उक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:
 - i. आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के नियम के भीतर घरेलू उद्योग है और आवेदन नियमावली के अन्तर्गत अपेक्षाओं को पूरा करता है।
 - ii. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन हो रहा है। पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।
 - iii. आयातों से जांच अवधि में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हुई है। मूल्य कटौती महत्वपूर्ण है।
 - iv. संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से कम है, जिससे कीमत में गिरावट और ह्रास होता है।
 - v. घरेलू उद्योग अपने उत्पादों को लाभकारी कीमतों पर बेचने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उसकी बिक्री लागत से कम रही है।
 - vi. हालांकि घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग इष्टतम क्षमता उपयोग से कम पर काम कर रहा है।

- vii. घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान नकद घाटा हुआ है।
- viii. घरेलू उद्योग अपनी नियोजित पूंजी पर कोई प्रतिफल अर्जित नहीं कर रहा है। क्षति अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ नकारात्मक है।
- ix. आयातों ने विचाराधीन उत्पाद के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता को प्रभावित किया है।
221. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और पाटन, क्षति और उसके कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए घरेलू उद्योग, संबद्ध देश के दूतावास, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर दिया गया था। इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच की शुरुआत करने और इसे पूरा करने के बाद, प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना पाटन और परिणामी क्षति की भरपाई के लिए आवश्यक है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से, संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे वर्णित ढंग और तरीके से अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।
222. इस नियमावली के नियम 4(घ) और नियम 17(1)(ख) में दिए गए प्रावधान के अनुसार, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, जिससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो सके। तदनुसार, प्राधिकारी चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शुल्क तालिका के कॉलम 3 में वर्णित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच (5) वर्षों के लिए नीचे शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7304	स्टेनलेसस्टील - ब्रस सीमलेस ट्यू और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग बंगनूओं स्टील पाइप कंपनी लिमिटेड	114	एमटी	यूएसडा.
2	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग हांगक्यूआन स्टेनलेस स्टील कं., लि. तथा झेजियांग यिनलोंग स्टेनलेस स्टील कं., लिमिटेड तथा झेजियांग यिनलाई स्टील ट्यूब कं., लिमिटेड	886	एमटी	यूएसडा.
3	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	वेनझोऊ सोडो स्टेनलेस स्टील मैनुफैक्चरिंग कं., लिमिटेड	1,492	एमटी	यूएसडा.

4	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग हुआटेन स्टेनलेस स्टील मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लि.	1,005	एमटी	यूएसडा.
5	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग यि जिया वांग स्टील ट्यूब कं. लि.	3,191	एमटी	यूएसडा.
6	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग जियुलि हार्ड-टेक मेटल्स कं. लि.	शून्य	एमटी	यूएसडा.
7	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	हुआडि स्टील ग्रुप कं., लि.	शून्य	एमटी	यूएसडा.
8	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	जियांगसु वुजिन स्टेनलेस स्टील पाइप ग्रुप कं. लि.	शून्य	एमटी	यूएसडा.
9	7304	स्टेनलेसस्टील - स ट्यूब्स सीमले और पाइप्स **	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग शिंगशान स्टील पाइप कंपनी लिमिटेड	शून्य	एमटी	यूएसडा.
10	7304	स्टेनलेसस्टील - सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स **	चीन जन.गण. सहित कोई देश	चीन जन.गण. सहित कोई देश	अ-सहयोगी/ रेजिडुआल निर्यातक	3,801	एमटी	यूएसडा.

** स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब्स और पाइप्स जिनका व्यास 6 एनपीएस तक शामिल है, या माप की अन्य इकाई जो इससे तुलनीय हो, चाहें हॉट एक्स्ट्रूजन प्रक्रिया या हॉट पियरसिंग प्रक्रिया के प्रयोग से विनिर्मित हो और चाहें हॉट फिनिश या कोल्ड फिनिश पाइप्स और ट्यूबों के रूप में बेचा जाए, जिनमें डिफेक्टिव, गैर-प्राइम और सैकेंडरी ग्रेड के रूप में आयातित संबद्ध वस्तु शामिल हैं।

223. इस अधिसूचना के उद्देश्य से आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथा-निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार से सीमा शुल्क शामिल हैं।

ड. आगे की प्रक्रिया

224. इस जांच परिणाम को केन्द्र सरकार द्वारा उसे स्वीकृत करने के बाद इसके विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क प्रशुल्क नियमावली, 1995 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अनन्त स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

FINAL FINDINGS
NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd September, 2022

(CASE No - AD (OI) – 13/2021)

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of “Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes” originating in or exported from China PR.

F. No. 6/13/2021-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as “the Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the “Anti-Dumping Rules” or “the Rules”) thereof;

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. The Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) received a petition from Chandan Steel Limited, Tubacex Prakash India Private Limited and Welspun Specialty Solutions Limited (hereinafter also referred to as the “applicants” or the “domestic industry”) in accordance with the Act and the Anti-Dumping Rules for initiation of an anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty concerning imports of the Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes (hereinafter also referred to as the “product under consideration” or the “subject goods”) originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the “subject country”).
2. And whereas, in view of the duly substantiated petition filed and sufficient prima facie evidence submitted by the applicants, the Authority, initiated the anti-dumping investigation vide Notification No. 6/13/2021-DGTR dated 10th September 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping of the subject goods and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - a. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the present anti-dumping petition before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the Anti-Dumping Rules.
 - b. The Authority issued a public notice dated 10th September 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the anti-dumping investigation concerning import of the subject goods from the subject country.
 - c. The Embassy of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules. The Authority emailed a copy of the initiation notification to the Government of the subject country, through its Embassy in India, known producers and exporters from the subject country, known importers / users and the domestic industry as well as the other interested parties as per the email addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within the prescribed time-limit.
 - d. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the petition to the known producers/exporters and to the Government of the subject country, through its Embassy in India, in accordance with Rule 6(3) of the Anti-Dumping Rules. A copy of the non-confidential version of the petition was circulated to other interested parties, whenever requested.

- e. The Authority sent exporter's questionnaire to the known producers/exporters to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.
- f. The Embassy of the subject country in India was requested to advise the exporters/producers from its country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the known producers/exporters was also sent to the Embassy along with the list of the known producers/ exporters from the subject country.
- g. In response to the initiation notification of the subject investigation, the following producers/exporters from the subject country have responded by filing the questionnaire response:
 - i. Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd. ("Zhejiang Bangnuo")
 - ii. Wenzhou Sparkling International Trade Co., Ltd. ("Wenzhou Sparkling")
 - iii. Zhe Jiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd. ("HongQuan")
 - iv. Zhejiang Yin Long Stainless Steel Co., Ltd. ("Yin Long")
 - v. Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd. ("Yin Lai")
 - vi. Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.
 - vii. Wenzhou Huachao Tech Co., Ltd. ("Huachao")
 - viii. Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Company Limited ("Wenzhou Sodo")
 - ix. Wenzhou Gissun Stainless Steel Co., Ltd. ("Wenzhou Gissun")
 - x. Leo Ronaldo (UK) Hi-Tech Metals Limited ["Leo Ronaldo (UK)"]
 - xi. Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd. ("Yi Jia wang")
 - xii. Wenzhou New Succeed International Trading Co., Ltd. ("Wenzhou New Succeed")
 - xiii. Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd. ("Jiuli")
 - xiv. Shengtak New Materials Co., Ltd.
 - xv. Sandvik International Trading (Shanghai) Co., Ltd.
 - xvi. Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd.
 - xvii. Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd.
 - xviii. Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd. ("Dingshang")
 - xix. Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd. ("Jinxin")
 - xx. Zhejiang Junda Steel Pipe Manufacturing Co., Ltd. ("Junda")
 - xxi. Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd. ("Xintongda")
 - xxii. Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd.
 - xxiii. Huadi Steel Group Co., Ltd.

- h. The China Chamber of Commerce for Metals, Minerals & Chemicals Importers & Exporters (CCCMC) has filed only injury and written submission.
- i. The Authority sent questionnaire to the known importers / users of the subject goods in India, calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.
- j. In response to the initiation of the subject investigation, following importers/users have responded by filing questionnaire response:
 - i. Heavy Metal & Tubes India Private Limited
 - ii. Krystal Global Engineering Limited
 - iii. Maxim Tubes Company Private Limited
 - iv. MBM Tubes Private Limited
 - v. Patels Airflow Limited
 - vi. Ratnadeep Metal and Tubes Limited
 - vii. Shubhlaxmi Metals and Tubes Private Limited
- k. The Authority sent the questionnaire to the following known Associations of the subject goods in India for circulation and calling for the necessary information in accordance with the Rules:
 - i. Associated Chambers of Commerce and Industry of India
 - ii. Confederation of Indian Industry
 - iii. Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry
 - iv. Stainless-Steel Pipes and Tubes Manufacturers Association ('SSPTMA')
- l. The Stainless-Steel Pipes and Tubes Manufacturers Association has filed only post-oral hearing submissions. Further, this issue has been further dealt in the post disclosure section.
- m. The Authority sent notice of initiation to the following other domestic producers, intimating them of the initiation of investigation, with a request to provide relevant information to the Authority in the form and manner prescribed:
 - i. Jindal Saw Limited
 - ii. Lal Baba Seamless Tubes
 - iii. Sandvik Asia Private Limited
- n. Due to the worldwide outbreak of COVID-19 and consequent restrictions on physical movement imposed by different countries, including India, the Authority circulated the non-confidential version of the evidence presented by the domestic industry and the various interested parties to the other interested parties for inspection among them.
- o. The request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of the subject goods for the past three years and also the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.
- p. The non-injurious price (NIP) has been determined based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India as per information furnished by the domestic industry and in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules. Such non-injurious price has been considered to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- q. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st April 2020 – 31st March 2021 (12 months). The injury analysis period covers 1st April 2017 – 31st March 2018, 1st April 2018 – 31st March 2019, 1st April 2019 – 31st March 2020 and the period of investigation.

- r. Considering the fact that the subject goods are being imported under various types, the applicants proposed the Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN-to-PCN comparison for the injury examination.
- s. The Authority invited the views from the interested parties regarding the PCN methodology proposed by the domestic industry. A discussion for determination of PCN was conducted on 25th November 2021. All the interested parties were given time to submit their views in writing.
- t. The Authority finalized the PCNs vide letter dated 16th December 2021, pursuant to which the interested parties filed the PCN-wise information.
- u. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in an oral hearing held on 8th March, 2022 through video conferencing. The parties, which presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by the rejoinder submissions, if any.
- v. Physical verification of the information provided by the domestic industry, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of the present final findings.
- w. Due to the worldwide outbreak of COVID-19 and consequent restrictions on physical movement imposed by the different countries, including India, the physical inspection through on-the-spot verification of the information submitted by the exporters were not carried out by the Authority. The desk verification of the information provided by the producers/ exporters, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information, to the extent deemed necessary, has been relied upon for the purpose of this investigation.
- x. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- y. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded its views on the basis of the facts available.
- z. The Authority has considered all the arguments raised and information provided by all the interested parties at this stage, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation. The Authority will further examine the evidentiary documents submitted by the interested parties subsequent to this final finding, which will form the basis for conclusions at the time of the final findings.
- aa. *** in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- bb. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$: Rs. **75.22**

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. In the initiation notice, the product under consideration was defined as follows:

“3. The product under consideration is stainless-steel seamless tubes and pipes with diameter up to and including 6 inches, whether manufactured using hot extrusion process or hot piercing process and whether sold as hot finished or cold finished pipes and tubes, including subject goods imported in the form of defectives, non-prime or secondary grades.

4. Stainless-steel seamless tubes and pipes are used for structural purposes and to transfer liquids and gases. The product under consideration is used in application relating to oil and gas; petrochemicals and refineries; atomic energy; power generators including nuclear and thermal power; and aerospace and defence applications.

5. The product under consideration can be manufactured using either hot extrusion process or hot piercing process, which is also known as cross roll piercer process. The scope of product under consideration includes product manufactured using both processes.

6. The product under consideration is classified under Chapter 73 under tariff headings 7304. The customs classification is only indicative and is not binding on the scope of the present investigation."

5. Subsequently, comments were received from interested parties for clarification in the scope of the PUC and forming PCNs. The Authority held consultations with the domestic industry and other interested parties on the scope of the PUC and PCN methodology on 25th November, 2021. All the interested parties were allowed to make oral submissions followed by written submissions. It was clarified during the consultations that the interested parties would be allowed to make requests for product exclusions at later stages of the investigation. In view of the comments by all the interested parties, the definition of PUC was amended vide Corrigendum Notification F. No. 6/13/2021-DGTR dated 13th December, 2021. Paragraph 3 of the initiation notification was substituted by the paragraph below:

"3. Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes with diameter up to and including 6 NPS, or comparable thereof in other unit of measurement, whether manufactured using hot extrusion process or hot piercing process and whether sold as hot finished or cold finished pipes and tubes, including subject goods imported in the form of defectives, non-prime or secondary grades."

6. Thereafter, the Authority notified the final PCN methodology vide communication dated 16th December, 2021 and circulated to all the interested parties and uploaded the same on the website of the Authority. Interested parties were directed to submit questionnaire responses as per the final PCN methodology by 30th December, 2021. The timeline was extended until 6th January, 2022 based on requests from interested parties. Subsequently, the Authority received certain requests for product exclusions, which are examined below.

C.1. Submissions by the other interested parties

7. The following submissions were made by the other interested parties with regard to the product under consideration and like article.
- a. The scope of the product under consideration should not include hot-rolled and cold-rolled steel products as there is significant value addition of at least 35% from hot-rolled to cold-rolled as per the Domestic Procurement Policy and the end-uses of both products are different and cannot be used interchangeably.
 - b. Tubacex offers hot-rolled and cold-rolled pipes and tubes to different customers as per their usage and requirement.
 - c. Mother tubes and further processed smaller tubes are not like articles as the domestic producers are using mother tubes of 42 mm diameter to produce smaller tubes of less than 42 mm diameter implying that both the products have separate markets. There is 20-35% value addition from mother tubes to smaller tubes.
 - d. Mother tubes are primarily used for the transportation of oil and gas and are built to endure and operate in low-pressure situations while smaller tubes are used in high-pressure situations, like in boilers, reactors, etc.
 - e. Smaller tubes have a lower diameter, higher thickness, and higher tolerance as compared to mother tubes which have a higher diameter and lower wall thickness, which indicates lower heat and pressure resistance. There is a price difference of around 25-30% between mother tubes and smaller tubes.
 - f. The Authority should not club upstream and downstream product to avoid exclusion of producers which import upstream product. Reliance cannot be placed on the anti-dumping investigation on imports of flat rolled products of stainless steel as in that case significant value addition took place upto hot rolling.

- g. Grade 2328-1 is not manufactured by the domestic industry and should be excluded as it is a specialized grade used in boilers, manufactured by BHEL, for ultra-supercritical thermal plants operated by NTPC. Only the producers approved by NTPC can supply the said product.
- h. While two of the applicants participated in the technical bid for supply for the grade 2328-1 by BHEL, it was rejected as BHEL found that they did not have the technical capability to supply the said grade. As commercial bid is placed post technical bid, none of the applicants were able to participate in the same.
- i. Grade 2328-1 cannot be compared to other products falling under the same PCN.
- j. Grade 2328-1 is easily identifiable by the Indian Customs since order for the grade is placed by the nomenclature. Since the said grade is only ordered by BHEL. Jiangsu Wujin has exported the same with proper description.
- k. The scope of the product under consideration should be limited to grades manufactured and sold by the domestic industry as per decision of the Hon'ble CESTAT on Oxo Alcohols Industries' Association v. Designated Authority and the findings of Authority in various cases.
- l. Defective, non-prime and secondary grades have not been included as PCN and must be excluded from the scope of the product under consideration since such low-priced products directly impact the export price and landed value of prime and quality checked grades.

C.2. Submissions by the domestic industry

- 8. The submissions of the domestic industry with regard to the product under consideration and like article are as follows:
 - a. The product under consideration consists of both mother tubes/hollows, hot finished pipes and cold finished/drawn pipes and tubes.
 - b. The inclusion of hot-rolled and cold-rolled products is consistent with the past practice of the Authority, in anti-dumping and anti-subsidy investigations concerning imports of flat rolled products and seamless pipes and tubes of carbon steel.
 - c. Processing of the product from one type to another does not constitute captive consumption as has been claimed by the interested parties. Considering mother tubes processed into cold drawn pipes as captive consumption, would result in the double counting of the same product in the total production.
 - d. In a number of cases, the Authority has included both the primary product and the processed product, such as fatty alcohols, glass fibre, solar cells, PTFE and CPVC.
 - e. The reference by interested parties to the investigation concerning aluminium foils is not appropriate, as in that case, Raviraj Foils Limited and Jindal India Limited were importing foil stock, which was not part of a product scope, for producing foil.
 - f. The reliance by interested parties on Morocco – Hot-rolled steel pipes and 2 Methyl (5) Nitro Imidazole is not appropriate as in these cases the subject goods were captively consumed to make downstream products.
 - g. There is no requirement that the product types included in the product scope be homogenous, as held in EC – Farmed Salmon and EC – Fasteners. Thus, both mother pipes and smaller pipes can be included in the product scope.
 - h. Contrary to the claim of the other interested parties, the domestic industry can produce the specialized grades of the product under consideration.
 - i. Grade 2328-1 should not be excluded from the scope of the product under consideration as one of the producers constituting the domestic industry is an approved supplier of the said grade. The applicants are unable to supply the said grade since the demand for such product is limited and low-priced imports have taken away such market.
 - j. Grade 2328-1 is included within the scope of the product under consideration which is evident from the fact that the comments on PCN filed by the exporters constituted of a PCN for such grade.

- k. Since Grade 2328-1 is indistinguishable from other grades, the Customs Authority will not be able to check whether the declared product is actually the same grade, and it may lead to circumvention of anti-dumping duty. The European Commission, in anti-dumping investigation on imports of silico manganese from India, did not exclude low-carbon silico manganese as such exclusion would have led to circumvention of duties.
- l. Regarding the request for exclusion of secondary, non-prime or defective grades, it was emphasized that such grades are invariably generated in production of the subject goods, have same functions and uses, and are interchangeably used with the subject goods produced and sold by the domestic industry.
- m. Exclusion of secondary or non-prime grades would lead to gross circumvention of duty and would be inconsistent with the past practice of the Authority.

C.3. Examination by the Authority

9. The product under consideration is Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes with diameter up to and including 6 NPS, or comparable thereof in other unit of measurement, whether manufactured using hot extrusion process or hot piercing process and whether sold as hot finished or cold finished pipes and tubes, including subject goods imported in the form of defectives, non- prime or secondary grades.
10. The Authority, on the basis of the submissions and arguments made by the domestic industry and various other interested parties, provided an opportunity to all the interested parties to present their views orally on the PUC and the PCNs in a hearing held on 25th November, 2021. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file their written submissions on the PUC and the PCNs. Subsequently, on examination of the comments received from the various interested parties, the Authority finalized the PCN methodology for the present investigation and issued a clarification on the PUC through an order dated 16th December, 2021.
11. Also, it was clarified that the scope of the product under consideration does not include square, rectangular or triangular shaped pipes and tubes. All the interested parties were then requested to submit questionnaire responses on the basis of the finalized PCN methodology by 30th December, 2021. The finalized PCN methodology shall be applied to assess dumping and material injury being caused to the domestic industry for the products produced during the period of investigation.
12. Stainless-steel seamless tubes and pipes is classified under Chapter 73 under the Tariff Heading 7304. The tariff classification is only indicative and not binding on the scope of the product under consideration.
13. After obtaining views of all the interested parties, the Authority vide letter dated 16th December, 2021 notified the following PCN methodology for the purpose of the present investigation:

SN	Characteristics	Code Description	Code Sign
1	Finish/Process	Hot Finished Cold Finished	“H” “C”
2	Grade of Steel used	304, 304L, 304LN, 304H, 304N, 1.4301, 1.4306, 1.4307, 1.4567 or equivalents/variants thereof	“1”
		316 or variants of 316, such as 316L, 316H, 316Ti, 316N, 316LN, 317L, 1.4401, 1.4404, 1.4435 or equivalents/variants thereof	“2”
		Tp-309S, Tp-309H, Tp-309cb, Tp-310S, Tp-310H, UNS S30815 or equivalents/variants thereof	“3”
		321, 321 H, 1.4541, 1.4878 or equivalents/ variants thereof	“4”
		347, 347H, 347HFG, Code case 2328-1 (UNS S30432), Tp-310HCbN (UNS S31042), 1.4550, 1.4961 or equivalents/ variants thereof	“5”

		UNS 31254, UNS N08904, UNS S31050, UNS N08020, UNS N08028, UNS N08800, UNS N08810, UNS N08811, UNS 31803, UNS 32205, UNS 32750, UNS 32760, 1.4501, 1.4410, 1.4547, 1.4462 or equivalents/ variants thereof	“6”
		Tp-410, Tp-410S, Tp-405, Tp-446 or equivalents/ variants thereof	“7”
		Other than above	“8”
3	Outer Diameter	Upto 15.875 mm or equivalent in any other unit	“A”
		Above 15.875 mm - upto 33.40 mm or equivalent in any other unit	“B”
		Above 33.40 mm – and upto 60.30 mm or equivalent in any other unit	“C”
		Above 60.30 mm – and upto 101.60 mm or equivalent in any other unit	“D”
		Above 101.60 mm – upto 141.30 mm or equivalent in any other unit	“E”
		About 141.30 mm – upto 168.30 mm or equivalent in any other unit	“F”
4	Wall Thickness	Upto 1 mm or equivalent in any other unit	“1”
		Above 1 mm – upto 5 mm or equivalent in any other unit	“2”
		Above 5 mm – upto 11 mm or equivalent in any other unit	“3”
		Above 11 mm – upto 16 mm or equivalent in any other unit	“4”
		Above 16 mm – upto 23 mm or equivalent in any other unit	“5”

14. Some of the interested parties have contended that hot-rolled pipes and cold rolled pipes are two different products and cannot be treated as one product under consideration. At the outset, the Authority notes that there is no requirement that the product scope be internally homogenous. The WTO Agreement as well as the domestic law do not define the product under consideration or establish any specific obligation concerning the scope of a product. The law intends to allow wide discretion to investigating authorities to determine the product under consideration. The product scope can include different product types, as long as dumping thereof is causing injury to the domestic industry. Therefore, merely because production of cold-rolled products requires additional processing or value addition, has a different use, or has a higher price, is not sufficient basis to conclude that both hot-rolled and cold-rolled pipes and tubes cannot be included within the scope of the product under consideration.
15. The Authority notes that hot-rolled pipes are intermediate products which are further processed into cold-drawn / cold-reduced pipes. Cold drawn process is further processing of the hot-rolled pipes and tubes. Thus, such a process is an incremental process. In view of the same, exclusion of one type of product under consideration will lead to imports of the other type at unfair prices into India.
16. As per the information on record, the responding exporters from the subject country have supplied both hot rolled and cold rolled pipes and tubes. Thus, exclusion of cold-rolled pipes and tubes from the scope of the product under consideration, is likely to lead to direct imports of cold-drawn pipes and tubes from the subject country, thereby nullifying the very purpose of the entire exercise of imposition of the anti-dumping duty. However, exclusion of hot-rolled products is likely to lead to increase in imports of the hot-rolled product and secondary products for further processing in India

and thereafter selling as cold-rolled pipes, rendering the anti-dumping duty futile. Even at present, there are a number of processors or secondary producers in the country, as emphasized by the domestic industry as well as the interested parties. Therefore, exclusion of hot-rolled or cold-rolled pipes would defeat the purpose of any anti-dumping duty, if imposed.

17. The Authority notes that majority cost involved in the production of the subject goods is on raw material and utilities up to the stage of production of mother tubes/pipes. At the stage of raw material, the cost of different types of products varies on account of composition of steel which is the defining feature in technical / chemical standards.
18. The product under consideration is manufactured using either hot extrusion process or hot piercing process. In case of hot extrusion, the basic production process includes peeling of round bar and cutting it to the desired length. Thereafter, a deep hole is drilled to remove impurities. The material is then heated at a temperature of 1050 – 1200 degrees centigrade. Such hot billets are then extruded on the hot extrusion press to make mother pipes. Similarly, in case of hot piercing, the round bar is cut to desired length and heated in a rotary at a temperature of 1050 – 1200 degrees centigrade. The hot billet is then pierced to obtain mother pipes. The production process is the same between hot-rolled pipes and cold-rolled pipes upto this stage. Process upto this stage is quite significant in terms of production efforts, plant & equipment and investments.
19. Information provided by the domestic industry shows that hot-rolled products and cold-rolled products can be treated as one product under consideration considering (a) both hot rolled and cold rolled products are produced by the same production technology; (b) manufacturing facilities are the same up to the stage of hot drawing; (c) essential raw material used for manufacture stainless-steel pipes and tubes are the same for both hot-drawn and cold-drawn products. Mere difference in terms of processing or in the end-use or price of the product does not imply that the same cannot be covered under the scope of the product under consideration.
20. The Authority notes that similar arguments on the scope of the product under consideration were made in the anti-dumping investigation on imports of Flat Rolled Products of Stainless Steel from China PR, Korea RP, European Union, Japan, Taiwan, Indonesia, USA, Thailand, South Africa, UAE, Hong Kong, Singapore, Mexico, Vietnam and Malaysia. However, the Authority held that hot-rolled and cold-rolled stainless steel flat products do not form two different products and are required to be considered as one product under consideration.
21. After analysing the submissions made by the domestic industry and the other interested parties, the Authority notes that as per the consistent practice, hot-drawn and cold-drawn pipes and tubes consists of the product under consideration in the present investigation. However, in view of the differences in cost and price of such pipes, the Authority has devised a PCN methodology segregating the two.
22. With regards to the contention that Grade 2328-1 should be excluded from the scope of the product under consideration, the Authority notes that the CESTAT in *Oxo Alcohols Industries' Association v. Designated Authority* held that any product imported into the country for which like article is not produced by the domestic industry should be excluded from the scope. As per the information on record, Grade 2328-1 is exclusively used by BHEL. One of the domestic producers has shown that it has the capacity to manufacture the said grade and has been approved by BHEL for supplying this grade. The producer has further submitted that it has not been able to provide the same due to competition with cheap imports. In view of the same, the Authority finds that the like article of the domestic industry has already been approved by the user and thus, exclusion of Grade 2328-1 is not warranted in the present case.
23. Some of the interested parties have contended that defective, non-prime and secondary grades should be excluded from the scope of the product under consideration. The Authority notes that defective, non-prime and secondary grades are merely a different quality of the product under consideration and not different products. The basic manufacturing process, application and uses of the non-prime products remain the same as that of the subject goods manufactured by the domestic industry. Such grades are competing in the same market having the same functions and uses as well as used interchangeably. The cost of manufacturing such grades also remain the same, since they are produced in the same process as prime grades. Further, exclusion of such grades may lead to

circumvention of anti-dumping duty. Exclusion of defective, non-prime and secondary grades is not warranted in the present investigation.

24. On the basis of the information on record, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and the ones imported from the subject country. The Authority notes that the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. In view of the same, the Authority finds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from the subject country.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Submissions by the other interested parties

25. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the domestic industry and standing:
- a. The domestic industry representing only 6% market share in the total demand cannot be considered representative of the Indian industry.
 - b. Maxim and Heavy Metal are also manufacturing the product under consideration from billets, which has not been acknowledged in the petition
 - c. Suraj Limited has not been considered as a primary or secondary producer and has been designated as a mere importer, despite being a known producer of the subject goods with significant domestic production, as noted by Olaf Report. The Authority must include the other producers within the domestic industry to avoid risk of material distortion as held by the Appellate Body in Russia – Commercial Vehicles and EC – Fasteners.
 - d. The Authority must not disregard the producers that perform significant value addition of cold-rolling on hot-rolled mother tubes/pipes as being mere processors, as per its own practice in case of Aluminium foil of 80 microns and below from China PR. Further, such entities have been considered as the producers by the Ministry of Steel.
 - e. The applicants have not provided any information regarding production of alleged secondary producers. Such secondary producers or processors producing the subject goods are eligible to be considered as the domestic producers, as per the view taken by the Appellate Body in US – Lamb and the Authority in anti-dumping investigation on imports of Choline Chloride.
 - f. Only the Authority can decide which domestic producers fall within the scope of the domestic industry. The Rules do not provide for suo moto elimination by the applicants.
 - g. Tubacex has imported the subject goods from other countries and must be excluded from the scope of the domestic industry under Rule 2(b). Rule 2(b) does not provide that the imported product shall be from the subject country only.
 - h. In order to check whether the focus of the producer has shifted to importation, the Authority should check imports made by Tubacex in relation to production.
 - i. Tubacex had been importing the subject goods from the subject country before the period of investigation and started importing the subject goods from the other countries right before filing the petition, just to avail benefit of the anti-dumping investigation.
 - j. The imports by Tubacex have contributed injury to the domestic industry and thus, Tubacex must be excluded from the scope of the domestic industry.
 - k. The Authority may check the grades imported by Tubacex. In case, grades domestically not manufactured by Tubacex were imported to build inventories in order to supply during the period of investigation, such product types should be excluded from the scope of the product under consideration.

- l. The Authority must examine the quantity of imports and nature of business of such imports made by Tubacex in the injury period and the post-POI. Thereafter, determine the standing of the domestic industry, as in the case of aluminium foil from China PR.
- m. Tubacex has procured the product under consideration during the period of investigation from traders such as Kobe Steel Ltd, Jay Jagdamba Ltd and Raju Steel Company who are importing from China PR.
- n. The Authority was required to issue a speaking order at the stage of initiation itself explaining why Tubacex has been considered as the domestic industry despite importing the subject goods from the subject country.
- o. Upon exclusion of Tubacex, the domestic industry may not fulfil the standing requirements as per Rule 2(b) and 5(3). Thus, the Authority must terminate the investigation in the absence of appropriate standing.
- p. If Tubacex is included within the scope of the domestic industry, then the members of the respondent association must also be included as the domestic industry, since such members have the same manufacturing process as Tubacex.
- q. Contrary to the submissions of the domestic industry, mere relationship with Sandvik Asia Private Limited with an entity in the country is insufficient grounds for disqualification of its production as part of total Indian production.
- r. There is a need to examine whether Tubacex and Chandan Steel had captively consumed or sold any inventories of the subject goods imported from China PR during the period of investigation, to ensure the applicants have not benefitted from the alleged dumping.
- s. Ratnamani Metals cannot be considered as a supporter as it has not provided a support letter in the format prescribed under the Trade Notice 13/2018 and 14/2018. As a result, the initiation is invalid.
- t. Ratnamani and Jindal, who have regularly participated in anti-dumping investigations, have not participated in the present investigation as they are earning bumper profits and have not suffered injury on account of the subject imports.
- u. If hot-rolled and cold-rolled products are clubbed, then the Authority must separately determine standing of the applicants for both the product types. Clubbing of hot-rolled and cold-rolled products would set wrong precedent by creating preference for vertically integrated companies and would prejudice the rights of the downstream producers to qualify as the domestic industry.

D.2. Submissions by the domestic industry

26. The following submissions have been made by the applicants with regard to the domestic industry and standing:
 - a. The petition has been filed by Chandan Steel Limited, Tubacex Prakash India Private Limited and Welspun Specialty Solutions Limited and has been supported by Ratnamani Metals and Tubes Limited.
 - b. The applicants account for 43% of the domestic production in India and along the supporters account for 67% of the domestic production in India. Thus, it constitutes a major proportion in domestic production and constitute the domestic industry under the Rules.
 - c. The total production in India is overstated as it includes production of Sandvik Asia Private Limited which is related to an exporter in the subject country, namely, Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., and such production should be excluded from the total Indian production.
 - d. In case the production of Sandvik is excluded, the applicants account for 54% of the total Indian production and along with the supporter account for 85% of the Indian production.
 - e. The applicants have not imported the subject goods from the subject country during the period of investigation.

- f. Tubacex imported negligible volume of the subject goods in comparison to the demand in India as well as the total imports in India prior to the period of investigation. As held by CESTAT in *Anwar Jute Mills v. Designated Authority*, imports made by the domestic industry are relevant only in the period of investigation. The focus of the applicant is manufacturing and not importing.
- g. While Tubacex has imported small volumes prior to the period of investigation and is majorly involved in manufacturing from round bars / billets, processors import the product under consideration in the form of hot-finished pipes and perform cold-drawn process on it.
- h. The question of eligibility under Rule 2(b) arises only when the producer has imported the alleged dumped article, and not imports from the non-subject countries, as also held by the Tribunal in *Birla Ericsson v Designated Authority*. Further, only imports during the period of investigation are relevant.
- i. Contrary to the claims of the other parties, the Authority has noted in the initiation notification itself that the domestic industry has not imported the subject goods from the subject country during the period of investigation.
- j. While Tubacex had purchased the subject goods from the traders identified by the interested parties for urgent requirements, it is not aware of the origin of such goods. As per information available with the domestic industry, the traders had not even imported the subject goods from China PR. While the interested parties have contended that traders imported subject goods from China PR to supply to Tubacex, they have not placed any evidence on record in this respect.
- k. The focus of Tubacex remains on production, and not importation, and it is one of the largest producers in India.
- l. Unlike the members of Indian Stainless Seamless Pipes Manufacturers Association (ISSPMA), Tubacex has a fully integrated plant with hot piercing machines, and produces the subject goods from bars and billets.
- m. Even if Tubacex is treated as ineligible to constitute the domestic industry, the production of the other applicants would nevertheless constitute a major proportion, almost 35% of the eligible production.
- n. In response to the contention of the interested parties, both Tubacex and Chandan have not captively consumed or sold inventories of the subject goods imported from China PR. In any case, Rule 2(b) requires consideration of only whether the product was imported during the period of investigation.
- o. Processors are not producers of the subject goods itself, since they are importing the subject goods in significant quantities and they are only engaged in cold drawing / cold reduction process, converting one form of the product under consideration into the other form of the product under consideration.
- p. The production of processors cannot be included in the total Indian production as the hot finished pipes imported / procured domestically by them are already accounted for in the total demand in India. The same view was taken by the Authority in the anti-dumping investigation on imports of Flat Rolled Products of Stainless Steel.
- q. In accordance with the test applied by the Authority in the anti-dumping investigation concerning imports of SDH equipment, merely processing of the goods from hot rolled to cold rolled cannot be considered as constituting production. The reference to the US – Lamb case is not appropriate as it only explains the definition of the domestic industry having regard to identification of like or directly competitive article.
- r. The mere fact that some of the producers may have performed better does not vitiate the constitution of the domestic industry. The Appellate Body in *China – Anti-dumping and Countervailing Duties on Certain Automobiles* held that the possibility that weaker performing producers in a given industry would more strongly support or participate in an investigation is simply a reflection of the realities of trade remedial actions.

- s. Suraj Limited was not listed as a domestic producer since despite having a plant, it has only imported the subject goods for re-export. It imported significant quantities, equivalent to almost 7% of total imports, and 100% of its production is processing of pipes. Accordingly, it was listed as an importer.
- t. Even though Sandvik has raised concerns regarding the determination of Indian production, it has not provided the actual production of its related producer in India.
- u. The Association should provide documentary evidence that the production of the subject goods from billets / round bars was started by Maxim Tubes Company Private Limited and Heavy Metal & Tubes (India) Private Limited prior to or during the period of investigation. It should also be established that these companies are not involved in importing the subject goods directly or indirectly.
- v. The capacities of the domestic producers claimed by the interested parties are not accurate. In some cases, such as in the case of Lal Baba, Tubacex and Jindal Saw Limited, the interested parties have referred to capacities including that of other products. In case of Ratnamani, the parties have relied upon outdated information. The total Indian production has been determined based on actual information, discussions with other producers and market estimates.
- w. In case of Chandan Steel, the capacity relied upon is that based on a particular size; however, for the present investigation, it has provided capacity based on its records.
- x. Vide Trade Notice 4/2021 dated 16th June 2021, the Authority has allowed supporters to express support after giving information with regard to capacity, production, and sales.
- y. Even if support letters are not considered, the requirements of Rule 5(3) are satisfied.
- z. Since the processors are importing the subject goods, they are participating in the investigation to oppose any duty.

D.3. Examination by the Authority

27. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines the domestic industry as under:

“(b) ‘domestic industry’ means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

28. The petition was filed by Chandan Steel Limited, Tubacex Prakash India Private Limited and Welspun Specialty Solutions Limited. No imports have been made by the applicants from the subject country during the period of investigation. It is further noted that the applicants are not related to any importer or exporter of the subject goods in the subject country. The petition was supported by Ratnamani Metals and Tubes Limited. Post initiation of investigation, Lal Baba Seamless Tubes has also expressed support vide letter dated 14th March 2022.
29. The Authority notes that Tubacex Prakash India Private Limited has imported the subject goods from the subject country prior to the period of investigation. However, no imports have been made during the period of investigation. Since Rule 2(b) refers to the imports of alleged dumped article, only the imports made by the domestic industry from the subject country during the period of investigation are relevant and not imports made prior to or post-period of investigation. Therefore, the exclusion under Rule 2(b) is not attracted.
30. The Authority further notes that in evaluating the eligibility of a producer to constitute the domestic industry, the following factors are considered.
- i. if the domestic producer is predominantly an importer and not a manufacturer of the product in India, they can be excluded.
 - ii. if the domestic producer has shielded itself from the effects of dumping by resorting to imports or exports to a related party, they should be excluded.

- iii. if a domestic producer has participated in some way in the dumping practices or has otherwise unduly benefitted from it, they must be excluded.
 - iv. if the inclusion of a domestic producer would distort the injury findings, they must be excluded.
 - v. if a domestic producer does not co-operate with the Authority, such producer can be deemed ineligible.
31. The Authority notes that in the present case, Tubacex is predominantly a manufacturer, and its focus has not shifted from production to importation. Rather, Tubacex has slightly increased its capacity, by about 18%, over the injury period. Further, there is no evidence that Tubacex has shielded itself or benefitted from dumping, as its performance has been adverse even during the period when it was importing the subject goods. Since it is amongst the largest domestic producers, exclusion of Tubacex would lead to distortion of the findings.
32. Some of the interested parties have contended that there is a need to check captive consumption as well as sales of Tubacex Prakash India Private Limited and Chandan Steel Limited for the subject goods imported from the subject country. The Authority notes that none of the applicants captively consume the product under consideration. Since hot-drawn and cold-drawn pipes and tubes consists of the product under consideration, consumption of hot-drawn pipes cannot be considered as captive consumption of the subject goods.
33. Some of the interested parties have contended that the domestic industry with market share of 6% is not represented of the Indian industry. The Authority notes that according to Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules, the domestic industry includes the domestic producers of the subject goods whose output constitutes major proportion of the domestic production in India. Since the applicants constitute major proportion of the domestic production in India, they can constitute the domestic industry.
34. Some of the interested parties have contended that the secondary producers in India should be included within the scope of the domestic industry. As per the evidence on record, the secondary producers procure the product under consideration and process it to change its form. The input as well as the output of the said producers constitutes the product under consideration. The production by the secondary producers is already accounted for in the total demand in India in either the imports into the country or the domestic sales of the domestic producers. The Authority notes that such producers are mainly involved in importation of the product under consideration and performing cold drawn process on the product under consideration. The focus of the said producers is importation rather than manufacturing. The imports by the secondary producers have been significant and they have contributed to dumping in India. As per the evidence on record, the performance of the secondary producers has been positive while the domestic industry has incurred losses. Thus, the said producers have shielded themselves from and benefitted from dumping in India. Hence, the Authority holds that they are ineligible to constitute the domestic industry. In light of the above, the production by Suraj Limited cannot be considered for determining the total Indian production as the company is a major importer of the subject goods from the subject country. As per the information on record, Suraj Limited has imported substantial quantity of the subject goods from the subject country.
35. With regards to the contention that Ratnamani Metals & Tubes Limited cannot be considered as a supporter since it has not submitted the letter in the prescribed format, the Authority notes that Trade Notices 13/2018 and 14/2018 have been replaced by Trade Notice 4/2021 dated 16th June 2021 allowing the supporters to express support after giving information concerning capacity, production and sales. Ratnamani Metals & Tubes Limited has supplied such information. Therefore, the Authority has considered the support expressed by Ratnamani Metals & Tubes Limited in the present investigation.
36. Some of the interested parties have contended that the production of Sandvik Asia Private Limited cannot be excluded from the total Indian production merely due to relationship with an entity in the subject country. The Authority notes that Sandvik Asia Private Limited has a related entity in the subject country, namely, Sandvik Materials Technology (China) Company Limited. As per evidence on record, Sandvik Materials Technology (China) Company Limited has exported to India during the

period of investigation. Further, Sandvik Asia Private Limited has not cooperated with the Authority, even though its related producer in China PR has filed a response. Thus, in accordance with Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules, the production of Sandvik Asia Private Limited is not considered in the total Indian production.

37. The applicants account for a major proportion of the domestic production.

Producer	Production (MT)	Share in production (%)	Share in production (Range)
Applicants	***	***	50-60%
Chandan Steel Limited	***	***	10-20%
Tubacex Prakash India Private Limited	***	***	25-35%
Welspun Specialty Solution Limited	***	***	5-15%
Supporters	***	***	30-40%
Ratnamani Metals & Tubes Limited	***	***	25-35%
Lal Baba Seamless Tubes	***	***	0-10%
Other producers	***	***	5-15%
Jindal Saw Limited	***	***	5-15%
Total Indian Production	18,263	100%	100%

The production of Lal Baba Seamless Tubes was inadvertently added into the production of other producers in the disclosure statement. The Authority has now corrected the same and added it to the total production of supporters. The total Indian production as well as share in of the petitioners has remained unchanged.

38. Thus, the Authority holds that Chandan Steel Limited, Tubacex Prakash India Private Limited and Welspun Specialty Solutions Limited constitute the domestic industry under Rule 2(b) and the petition satisfies the requirements of Rule 5(3) of the Anti-Dumping Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions by the other interested parties

39. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to confidentiality:
- Trade notices are binding on all the interested parties as held by Hon`ble Supreme Court in Steel Authority of India v. Collector of Customs, Bombay and Bombay High Court in Star Chemicals (Bombay) Limited v. Union of India.
 - The applicants have claimed excessive confidentiality inconsistent with Trade Notice 10/2018 and failed to disclose (i) actual sales value and sales realization per unit (ii) R&D expenses and funds raised (iii) PBIT per unit and total PBIT and (iv) interest / finance cost and depreciation and amortization expenses.
 - The applicants have not provided any information in costing formats A-L without any reasonable justification or good cause, which is in violation of Trade Notice 1/2013.
 - The applicants have not provided their financial statements and balance sheet which are in public domain, which is inconsistent with Trade Notice 1/2013.
 - For funds raised, the applicants have drawn reference to financial statement. However, the applicants are multi-product companies and financial statements cannot reflect information for only product under consideration, denying the interested parties their right of defense.

- f. The applicants have claimed confidentiality regarding the capacity and production of supporting producer, non-supporting and secondary domestic producers or processors, when such producers have themselves not claimed any confidentiality.

E.2. Submissions by the domestic industry

40. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality:
 - a. The exporters have claimed excessive confidentiality and not adhered to the Trade Notice 10/2018 by claiming channel of distribution, corporate structure, related parties engaged in activities relating to the product under consideration, manufacturing process, raw material, publicly available information and information of producers of the product under consideration, confidential.
 - b. Some of the producers have claimed the whole responses to questions as confidential instead of redacting only confidential parts. The applicants are unable to defend their interest in such a case.
 - c. Zhejiang HongQuan Stainless Steel Company Limited has made contrary submissions in the response. At one place it has claimed the name of the related party confidential while at another place has claimed that it does not have related parties.
 - d. There is a need to check whether any related entity is involved in activities related to the product under consideration.
 - e. Disclosure of actual selling price, cost and profit would allow customers to know the level of profits earned by the domestic industry and the average selling price, and may lead to demands for price adjustments from customers. Other domestic producers would also be able to redraw their pricing strategy based on these average prices.
 - f. Chandan Steel Limited and Welspun Specialty Solutions Limited account for a major share of the production of the domestic industry, and disclosure of actual cost and pricing information would result in the information of the two larger producers being disclosed, to a great extent, inter-se.
 - g. The domestic industry has disclosed that R&D expenses and funds raised were not identifiable separately for the product under consideration, and reference may be made to the financial statements.
 - h. Since R&D expenses and funds raised are not injury parameters, the rights of the interested parties cannot be prejudiced by non-disclosure thereof.
 - i. While the interested parties have claimed that the domestic industry was required to give financial statements under Trade Notice 1/2013, they have not provided such statements themselves.
 - j. Since the information contained in Section VI relates to business proprietary information, the same cannot be disclosed to the interested parties.
 - k. Contrary to the assertions of the interested parties, the domestic industry has justified the confidentiality claimed by it.
 - l. Since the supporters have provided the information on a confidential basis, the same cannot be disclosed.

E.3. Examination by the Authority

41. With regard to confidentiality of the information, the Rule 7 of the Anti-dumping Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

42. The Authority considers that any information which is by nature confidential (for example, the disclosure of which would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by the parties to an investigation shall, upon good cause shown, should be treated as such by the Authority. Such information cannot be disclosed without specific permission of the party submitting it.
43. The Authority has considered the claims of confidentiality made by the applicant and the opposing interested parties and on being satisfied about the same, the Authority has allowed the claims on confidentiality. The Authority made available to all the interested parties the non-confidential version of the evidence submitted by the various interested parties for inspection as per Rule 6(7) of the Anti-Dumping Rules.
44. With regards the contention that the domestic industry has failed to disclose the information on production of other producers, it is noted that such information is the proprietary information of other producers and thus, cannot be disclosed.
45. With regards the R&D expenses and funds raised, the Authority notes that these parameters do not impact the injury to the domestic industry. Since these are not directly impacting the injury parameters, no prejudice has been caused to the interest of any interested party.
46. With regards to the disclosure of actual sales value, sales realization per unit, PBIT per unit and total PBIT per unit, the Authority notes that the domestic industry has stated that the disclosure of the said information would be of significant disadvantage to the domestic industry. It is also noted that the data prior to 2019-20 constitutes of only two producers and disclosure of actual information will lead to disclosure of information of the two applicants.

F. MISCELLANEOUS ISSUES

F.1. Submissions by the other interested parties

47. The submissions made by the other interested parties with regards to other issues are as follows:
 - a. The petition did not contain sufficient basis to necessitate initiation.
 - b. The domestic industry must provide entire import data inclusive of imports for re-exports which have been excluded in the import segregation, as per the segregation methodology.
 - c. For price effect, the Authority is requested to examine segregation methodology adopted by the domestic industry along with conversion factor used for conversion of different units of quantity into single measurement for a meaningful analysis of imports.
 - d. Sandvik is not aware whether the import data received on 8th March 2022 is the data as provided by the applicants or collected from the DGCI&S by the Authority.
 - e. Sandvik has not received authorization from the Authority to obtain DGCI&S data as per Trade Notice 7/2018 and in absence of such authorization, it is unable to provide any meaningful comments regarding accuracy of imports data provided by the applicants.
 - f. Fixed form of duty would negatively impact downstream users who import the subject goods and offer unfair protection to the domestic industry in light of the demand-supply gap in the country.
 - g. The Authority should recommend a fixed quota or a trigger price of form of duty to avoid overburden on the users due to higher prices, as in the case of pre-sensitized positive offset

aluminium plates from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea, or the case of Acetone from Korea RP, Saudi Arabia and Taiwan.

- h. The Authority is not the appropriate forum to raise concerns regarding mis-declared goods.
- i. If the Authority holds that subject goods are being mis declared in India, it will be applicable to all exporters and importers without an explicit investigation against them.

F.2. Submissions by the domestic industry

48. The submissions made by the domestic industry with regards to other issues are as follows:
- a. The total volume of imports into India must be determined after exclusion of imports made for re-exports as done by the Authority in anti-dumping investigation on imports of caustic soda.
 - b. The domestic industry has provided sorted import data as provided in Trade Notice 7/2018.
 - c. The argument that fixed form of duty would be injurious to users has been made by exporters of the subject goods, and not users.
 - d. The request for trigger price form of duty should not be accepted since the prices of steel and steel products have increased significantly in recent period, and such trigger price would render the duty futile.
 - e. Cold drawn / cold finished products exported from the subject country are being mis-declared as semi-finished / hot-rolled products in India, as evident from the Report issued by the Anti-Fraud Office of the European Commission.
 - f. As regards the claim that mis-declaration of goods cannot be raised before the Authority, it was submitted that the issue is relevant for determination of volume and price of imports, demand in the country, and appropriate PCN.

F.3. Examination by the Authority

49. The Authority notes that the present investigation was initiated based on a duly substantiated petition filed by the domestic industry. The investigation was initiated after prima facie satisfaction regarding existence of dumping, injury and causal link. The petition contained all information relevant for the purpose of initiation of the investigation. Subsequent to initiation, further information has been sought from the applicants to the extent deemed necessary and the same has been provided by the applicants.
50. With regards to the contention that the Authority is not the appropriate forum to raise concerns regarding mis-declaration of goods, it is noted that the concerns of the applicants relate primarily to the correct identification of hot-rolled and cold-rolled pipes and tubes. In the present case, the Authority has referred to and considered the data of the responding producers for determination of the PCN-wise prices, including export price and landed price. The information provided by the exporters was duly verified by the Authority during the course of the investigation. The Authority has considered such verified information submitted by the cooperating producers / exporters for the purpose of determination of margins, and not the data as declared to the customs authorities.
51. As regards the form of duty, the Authority shall determine the same only after inviting comments to the disclosure statement from all interested parties, and after having concluded the existence of dumping, injury and causal link, and the need for imposition of anti-dumping duty.
52. With regards to the contention that there is a need to check the segregation methodology and conversion factor adopted by the domestic industry, the Authority notes that physical verification of data has been conducted in the present investigation. The Authority has considered only the verified data including segregation methodology and conversion factors for the purpose of the present final findings.

G. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

G.1. Submissions by other interested parties

53. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the normal value, export price and dumping margin:

- a. China PR should not be treated as a non-market economy since Article 15 of the Accession Protocol has expired on 11th December 2016, as understood by US and EU at the time of China's accession to WTO. As such, the practice of determining 'surrogate country' for normal value determination should not be used. Reference can be made to the recent Appellate Body report in EC-Fasteners (China).
- b. India is bound by the principle of "pacta sunt servanda" as a member of WTO and must recognize China's full market economy status from 11th December 2016. It cannot invoke domestic law as a justification for failure to perform.
- c. Statement issued by White House and Explanatory Memorandum attached to EU Council decision reveal that US and European Union also shared the understanding that China PR can be treated as a non-market economy only till 11th December 2016.
- d. The cost and prices provided by the producers must be used to determine normal value and not analogue country data.
- e. Korea RP is not an appropriate third country as the volume of imports from Korea RP is very low and it is not possible to determine PCN wise export price from the import description.
- f. The Authority should determine individual margin for Sandvik based on the questionnaire response, which will show that it is not dumping.
- g. Sandvik operated under market economy conditions as the business decisions regarding prices, costs and inputs etc. are in response to demand-supply situation in the market and without any interference of the State. Sandvik is subject to bankruptcy and property laws and the exchange rate is determined market
- h. Contrary to the submissions of the domestic industry, Sandvik is a manufacturer of the subject goods and has provided details of manufacturing activity to the Authority. Procession of mother tubes into cold rolled pipes and tubes constitute manufacturing as the final product is not the same as mother tubes and cannot be used for the same purpose.
- i. The Authority should not sample producers / exporters at such belated stage as sampling should have been done before filing of questionnaire response, as is also practice of US and EU.
- j. Even if the Authority undertakes sampling, Jiangsu Wujin should be sampled as it majorly supplies special grades of products for use in projects of Government of India.

G.2. Submissions by the domestic industry

54. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the normal value, export price and dumping margin:
 - a. China PR should be treated as a non-market economy in accordance with Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol and the normal value should be determined in terms of Annexure I, Rule 7 of the AD Rules.
 - b. Since the provisions of Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol continue to remain in force, the producers in China PR are required to show that market economy conditions prevail.
 - c. The Appellate Body in EC – Fasteners did not deal with specifically whether the entire provisions of Article 15(a) or only the provisions of Article 15(a)(ii) shall lapse on the expiry of 15 years.
 - d. In all recent investigations, the Authority has considered China PR to be a non-market economy.
 - e. Contrary to the claims of the interested parties, European Union and USA continue to disregard domestic sales and cost of China PR. While China had approached the WTO Dispute Settlement Body regarding the same, but later suspended it.
 - f. Since no exporter, barring one, has filed for a market economy status, they should be treated as operating in a non-market economy. The normal value should be determined based on the imports of Korea RP into India as Korea RP has the second highest imports to India after the subject country. As held by the Tribunal in Kuitun Jinjiang Chemical Industry Company Vs.

Designated Authority, only the volume of the exports and whether the surrogate country is dumping during the period of investigation is relevant.

- g. Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., cannot be granted market economy treatment as the foreign exchange rate in China PR is regulated by the Government and electricity has been provided by the State Grid Company Limited at subsidized price.
- h. While the exporter has claimed that the monthly foreign exchange conversion rates are set by the Sandvik Group, the local rate for yearly statements is as per the Chinese Central Bank. The Government undervalues its currency to ensure that the Chinese goods remain competitive in the international market.
- i. The Authority has held that the electricity in China PR is provided at subsidized rates in a number of investigations including that on imports of Welded Stainless-Steel Pipes and Tubes, Saccharin and Atrazine Technical.
- j. Sampling of producers is necessary since a number of producers have participated, of which some constitute a very small share of imports, and the Authority has limited time to conclude the investigation. Sampling must be done based on volume of exports.
- k. Individual duties cannot be awarded to Sandvik as it is a processor and not a producer. It procures the subject goods from its related party in India and Sweden and performs only cold drawn process on it. Since both the related parties have failed to participate in the present investigation, individual duties cannot be granted.
- l. Sandvik has failed to establish that it has procured the subject goods from its related parties in at arm's length basis. In case such inputs are not at arm's length basis, the cost of production of the exporter is understated especially due to the fact that the major cost of production happens at the stage of hot finishing.
- m. There is a need to check the inputs used by the exporters to produce the product under consideration. In case the exporters merely undertake processing by procuring mother hollows, no individual duties can be granted to them.
- n. Korea RP cannot be rejected as surrogate country merely because of PCN-wise information is not available. The Authority can rely on the information available from DGCIS data.

G.3. Examination by the Authority

55. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

"(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

4. If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

5. The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China PR if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable,

the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

56. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a)(ii) of China's Accession Protocol have expired on 11th December 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of the Anti-Dumping Agreement read with obligation under Article 15(a)(i) of the Accession Protocol require the criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is noted that except Sandvik Material Technology (China) Company Limited, no other producers/ exporters from China PR has submitted information substantiating that they are operating under market economy conditions, the normal value is required to be determined as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.
57. With regards to the contention of sampling, the Authority notes that it has not resorted to sampling in the present investigation and hence, these concerns are not required to be addressed.
58. The Authority has examined the market economy treatment claim made by Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd. The exporter has stated that it is a 100% subsidiary of a Swedish Company and procures raw material from related entities situated in Sweden and India. The Authority notes that the producer has not established that the procurement of raw material from the related parties was at an arm's length price. It is further noted that the exporter has failed to establish that the cost of utilities, including electricity and water, consumed is reflective of a fair market price. As per the evidence on record, the company has purchased electricity from State Grid Jiangsu Electric Power Company Limited which is a part of the Chinese Government owned State Grid Company Limited. The price at which the said entity supplies to the producer is not reflective of market prices. In such a case, the Authority concludes not to grant market economy status to Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd.

Determination of Normal Value

Examination of normal value for China PR

59. The Authority notes that barring Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd. none of the producers from China PR have claimed determination of normal value on the basis of their own data/information, the normal value has been determined in accordance with para 7 of Annexure I of the Rules which reads as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the

aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments. ”

60. The applicants have claimed that Korea RP should be considered as market economy third country and accordingly, have claimed normal value on the basis of price of exports from Korea RP to India. The applicants have determined normal value on the basis of CIF price of exports from Korea RP to India. Such price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, port expenses, commission, bank charges and inland freight. Since apart from China PR, imports from Korea RP account for significant imports in India and there is no evidence of dumping from Korea RP, the Authority examined whether the price of such imports can be used for the determination of normal value. However, it is noted that the Authority has adopted PCN in the present investigation. The descriptions of the import transactions, as reported in the Indian customs data, from Korea RP do not permit the identification of the PCNs in all cases. Since it is necessary to undertake PCN-wise comparison in the present investigation, the import data from Korea RP cannot be considered. Therefore, in the absence of accurate identification of PCN-wise information, the normal value cannot be determined based on the imports from Korea RP to the other countries, including India.
61. In view of the above, the normal value for the product under consideration imported from China PR into India is determined “on other reasonable basis” on the basis of price payable in India. The normal value for all the producers in China PR has been determined based on cost of production as optimized for the domestic industry after reasonable additions for the selling, general & administrative expenses and the reasonable profit margin and the same is given in the dumping margin table below.

Determination of Export Price

62. The followings producers / exporters have filed responses to the exporters' questionnaire:

I. Bangnuo Group

- a. Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd. (“Zhejiang Bangnuo”)
- b. Wenzhou Sparkling International Trade Co., Ltd. (“Wenzhou Sparkling”)

II. Zhejiang Group

- a. Zhejiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd. (“HongQuan”)
- b. Zhejiang YinLong Stainless Steel Co., Ltd. (“YinLong”)
- c. Zhejinag Yinlai Steel Tube Co., Ltd. (“YinLai”)

III. Huatian Group

- a. Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.
- b. Wenzhou Huachao Tech Co., Ltd. (“Huachao”)

IV. SODO Group

- a. Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Company Limited (“Wenzhou Sodo”)
- b. Wenzhou Gissun Stainless Steel Co., Ltd. (“Wenzhou Gissun”)
- c. Leo Ronaldo (UK) Hi-Tech Metals Limited [“Leo Ronaldo (UK)”]

V. Yi Jia Wang Group

- a. Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd. (“Yi Jia wang”)
- b. Wenzhou New Succeed International Trading Co., Ltd. (“Wenzhou New Succeed”)

VI. Zhejiang Jiuli Hi-Tech

- a. Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd. (“Jiuli”)

VII. Shengtak

- a. Shengtak New Materials Co., Ltd.

VIII. Sandvik

- a. Sandvik International Trading (Shanghai) Co., Ltd.
- b. Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd.
 - i. Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd.
 - ii. Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd.
 - iii. Huadi Steel Group Co., Ltd.
 - iv. Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd. (“Dingshang”)
 - v. Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd. (“Jinxin”)
 - vi. Zhejiang Junda Steel Pipe Manufacturing Co., Ltd (“Junda”)
 - vii. Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd. (“Xintongda”)

Determination of export price**I. Bangnuo Group****Export price for Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd.**

63. Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd., has exported *** MT of the product under consideration to India through unrelated trader, Wenzhou Sparkling International Trade Co., Ltd.
64. Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd., has claimed the adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight and port expenses. In its post disclosure statement, the company stated that it is understood that the Authority has assessed a very high constructed normal value and non-injurious price, resulting in high rate of dumping margin and injury margin for them and urged the Authority to re-examine the calculation of dumping and injury margin. Accordingly, the Authority re-examined the calculation of margins and found out that the margins needed correction. The re-worked dumping margin is shown in the dumping margin table below.

II. Hongquan Group**Export price for Zhe Jiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd.**

65. Zhe Jiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Zhe Jiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd., has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
66. Zhe Jiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd., has claimed the adjustments on account of inland freight, port charges, marine insurance, ocean freight and bank charges. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhe Jiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd., has been determined and same is shown in dumping margin table below.

Export price for Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd.

67. Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd has exported *** MT of the product under consideration directly to India.
68. Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd has claimed the adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and bank charged. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd. has been determined and same is shown in dumping margin table below.

Export price for Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd.

69. Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd. is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd. has exported *** MT of the product under consideration directly to India. It is noted that though the exports by this company are not representative but since the company is a part of Hongquan Group, therefore Authority has proceeded with the group treatment for the said producer/exporter.

III. Huatian Group

Export price for Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.

70. Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd. is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd. has exported *** MT of the product under consideration to India through unrelated trader, Wenzhou Huachao Tech Co., Ltd. However, *** MT Wenzhou Huachao Tech Co., Ltd. sold to India directly purchased from another producer/exporter/trader who has not participated.
71. Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd. has claimed the adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight and port expenses. In its post disclosure statement, the company stated that it is understood that the Authority has assessed a very high constructed normal value and non-injurious price, resulting in high rate of dumping margin and injury margin for them and urged the Authority to re-examine the calculation of dumping and injury margin. Accordingly, the Authority re-examined the calculation of margins and found out that the margins needed correction. The re-worked out dumping margin is shown in the dumping margin table below.

IV. SODO Group

Export price for Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.

72. Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Company Limited is a limited liability company. During the period of investigation, Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd., has exported *** MT of the product under consideration to India through unrelated trader, Wenzhou Gissun Stainless Steel Co., Ltd., and *** MT through unrelated trader, Leo Ronaldo (UK) Hi-Tech Metals Limited. However, *** MT Leo Ronaldo (UK) Hi-Tech Metals sold to India directly purchased from Wenzhou Gissun Stainless Steel Co., Ltd., which is produced by another producer/exporter who has not participated.
73. Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Company Limited has claimed the adjustments on account of inland freight, port charges, ocean freight, bank charges and marine insurance. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Company Limited has been determined and same is shown in dumping margin table below.
74. Further, Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Company Limited has claimed in their EQR Part-1 that the name of exporter Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd. (hereinafter referred to as “WENZHOU SODO” or “the company”) was changed to Zhejiang Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd with effect from 15th November, 2020. In this regard they have submitted Business License, Change registration form and Organization Chart. The same issues, along with the same documents, were reiterated vide their email dated 08.09.2022, requesting the Authority to mention the new name in the duty table as well as other relevant places of the Final Findings since the exporter has fully cooperated with the Authority. The Authority has examined the issue and noted that for change of name there is a set procedure laid down in Trade Notice No. 12/2018 dated 17.09.2018. The Authority, therefore, urges WENZHOU SODO to apply under Trade Notice No. 12/2018 dated 17.09.2018.

V. Yi Jia Wang Group

Export price for Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd. and Wenzhou New Succeed International Trading Co., Ltd.

75. Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd., has exported *** MT of the product under consideration to India through Wenzhou New Succeed International Trading Co., Ltd.
76. Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd., has claimed the adjustments on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and bank charged. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd., has been determined and same is shown in dumping margin table below.

VI. Zhejiang Jiuli Hi-Tech**Export price for Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd.**

77. Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd., has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
78. Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd., has claimed the adjustments on account of Ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and bank charges. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd., has been determined and same is shown in dumping margin table below.

VII. Shengtak**Export price for Shengtak New Materials Co., Ltd.**

79. Shengtak New Materials Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Shengtak New Materials Co., Ltd., has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
80. Further, on analysis of response/desk verification of documents filed by the exporter, the Authority noted that the quantity of exports reported by the exporter significantly differed from the DG Systems data. In this regard, the Authority issued a letter dated 22nd August, 2022, providing an opportunity to the exporter to clarify the same. The producer/exporter had replied on 25th August, 2022. On examining the additional data provided by Shengtak New Materials Co., Ltd., it is observed that the exports declared by the producer/exporter for the period of investigation are not correlating with the DG Systems data available with the Authority. On request of the exporter, the Authority had provided DG Systems data to the exporter vide email dated 05-09-2022. In response, the exporter submitted documentary evidence and clarified the quantity mismatch. Whereas the Authority has taken note of the clarification regarding mismatch, the Authority has also noted that in some of the import entries in the DG systems data, the word "Hot" is clearly mentioned in the description, while in appendix-3A, all entries are claimed as Cold Finished. Therefore, the Authority decides to reject the response filed by the company and has not determined the individual margins for the company.

VIII. Sandvik**Export price for Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd.**

81. Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd is a limited liability company. During the period of investigation, Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
82. Further, on 23.03.2022, the Authority had sent a letter for desk verification to analyse the response/documents filed by the exporter. The Authority noted that the quantity of exports reported by the exporter significantly differs from the DG Systems data. In this regard, the Authority issued a letter dated 17th August, 2022, providing an opportunity to the exporter to clarify the difference. However, Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., did not submit any information clarifying the same. Further, after issuance of the disclosure statement, the said exporter had replied vide e-mail dated 30-08-2022 without any relevant documents. On request of the exporter, the Authority had provided DG Systems data vide email dated 05-09-2022. In response, the exporter did not submit documentary evidence for clarifying the quantity mismatch. Thereafter, as per the Hon'ble High Court of Delhi order (W.P.(C) 12894/2022 & CM Nos. 39167-69/2022) dated 06-09-2022, the exporter had submitted documentary evidence to the Authority vide email dated 09-09-2022. On examining the data submitted by Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., it is noted that DG Systems data is not correlating with the export transactions.
83. Further, the response filed by Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., shows that the company imports product under consideration from its related entities and undertakes cold-drawn process on the same. The finished product is then sold in the home market as well as exported to India. The producers of the hot-rolled products have not participated in the present investigation. Since Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., cannot be considered as a producer of product under consideration and the producers of intermediate product (hot-rolled product) have not participated in the present investigation, individual duties cannot be granted to Sandvik Materials

Technology (China) Co., Ltd. Because of the above-mentioned reasons, the Authority decides to reject the response filed by the company and has not determined the individual margins for the company.

i. Export price for Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd.

84. Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd., is a joint stock company. During the period of investigation, Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd., has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
85. Further, on analysis of the response/desk verification documents filed by the exporter, the Authority noted that the quantity of exports reported by the exporter significantly differs from the DG Systems data. In this regard, the Authority issued a letter dated 26th July, 2022, providing an opportunity to the exporter to clarify the same. The producer/exporter had replied on 3rd August, 2022. On examining the additional data provided by Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd., it was observed that the exports declared by the producer/exporter for the period of investigation were not correlating with the DG Systems data available with the Authority. Therefore, the Authority had proposed to reject the response filed by the company. On request of the exporter, the Authority had provided DG Systems data to the exporter vide email dated 05-09-2022. On examining the data and documents submitted by Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd. vide email dated 06-09-2022, it is noted that DG Systems data is correlating with the export transactions and quantity exported by Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd. Hence, the submissions of the exporter have been accepted and the Authority has determined the individual margins for the company.
86. Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd., has claimed the adjustments on account of Ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and bank charges. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd., has been determined and same is shown in dumping margin table below.

ii. Export price for Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd.

87. Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd. has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
88. On analysis of the response filed by the exporter, the Authority noted that the type of finish, that is, hot-finished or cold-finished is not mentioned in the export documents provided by the company along with the response. The Authority issued a letter dated 17th August, 2022, seeking clarification from the exporter regarding the finish/process for the product under consideration exported to India. The exporter made submissions vide letter dated 22nd August, 2022. The exporter stated that no finish is conducted on the product exported to India. However, the Authority noted that the PUC was either hot-finished or cold-finished. The PUC was manufactured either using cold-finished process or hot-finished process. In the absence of requisite information, the Authority had earlier determined that the response filed by the exporter cannot be accepted. However, in response to the disclosure statement dated 29th August, 2022, the exporter vide letter dated 2nd September, 2022 submitted that the exporter understood the word “Finish” as a noun, in its nominal meanings: “the condition of the surface of a material” or “the last covering of varnish, polish, or paint, that is put onto something” (in Dictionary of Cambridge) and submitted “no finish” in response to the above question in letter dated 17th August, 2022. The exporter vide letter dated 2nd September, 2022 submitted exports documents related to all the exports made during POI, which show cold-finished PUC. The exporter also submitted another response dated 6th September, 2022 wherein, Custom Declaration certificates issued by Custom Authorities of China for the all the exports to India of PUC were cold finished.
89. On analysis of the responses filed by the exporter, it was noticed that the Cold Rolled/Finished was mentioned on all the exports documents furnished by the exporter. Custom Declaration certificates issued by Custom Authorities of China also show Cold Rolled PUC was exported to India. Hence, the submissions of the exporter are accepted and the Authority has determined the individual margins for the company.
90. Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd., has claimed the adjustments on account of, inland freight, port expenses and credit cost. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Zhejiang

Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd. has been determined and same is shown in dumping margin table below.

iii. Export price for Huadi Steel Group Co., Ltd.

91. Huadi Steel Group Co., Ltd is a limited liability company. During the period of investigation, Huadi Steel Group Co., Ltd., has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
92. Huadi Steel Group Co., Ltd has claimed the adjustments on account of Ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and bank charges. Post disclosure statement, the Authority rechecked the constructed normal value data and found out that the dumping and injury margins of the exporter needed correction. Accordingly, the corrected dumping margin has been shown in dumping margin table below.

iv. Export price for Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd.

93. Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd., has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
94. On analysis of the response filed by the exporter, it was noted that the quantity reported in the response did not match the Indian customs data. On request of the exporter, the Authority had provided DG Systems data to the exporter vide email dated 05-09-2022. On examining the data and documents submitted by the exporter vide email dated 06-09-2022, it is noted that DG Systems data is correlating with the export transactions and quantity exported by the exporter.
95. It was further noted that while the description of product type mentioned in the response was cold drawn, the bill of entries stated hot rolled products. Accordingly, the Authority issued a letter to the producer dated 17th August, 2022 providing an opportunity to clarify the same. The exporter replied vide letters dated 19th August, 2022 and 20th August, 2022. Considering the reply filed by the exporter and the information on record, it is noted that the producer does not have hot-rolling facility and purchases hot-rolled products to undertake cold-drawn process. The finished product is then exported to India. Since Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd. only undertakes cold-rolling / cold drawn process, it cannot be considered as a producer of the product under consideration and individual duties cannot be granted.

v. Export price for Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd.

96. Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
97. On analysis of the response filed by the exporter, it was noted that the quantity reported in the response did not match the Indian customs data. On request of the exporter the Authority had provided DG System data to the exporter vide email dated 05-09-2022. On examining the data and documents submitted by the exporter vide email dated 06-09-2022, it is noted that DG Systems data is correlating with the export transactions and quantity exported by the exporter.
98. It was further, noted that while the description of product type mentioned in the response was cold drawn, the bill of entries stated hot rolled products. Accordingly, the Authority issued a letter to the producer dated 17th August, 2022 providing an opportunity to clarify the same. The exporter replied vide letters dated 19th August, 2022 and 20th August, 2022. Considering the reply filed by the exporter and the information on record, it is noted that the producer does not have hot-rolling facility and purchases hot-rolled products to undertake cold-drawn process. The finished product is then exported to India. Since Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd. only undertakes cold-rolling /cold drawn process, it cannot be considered as a producer of the product under consideration and individual duties cannot be granted.

vi. Export price for Zhejiang Junda Steel Pipe Manufacturing Co., Ltd.

99. Zhejiang Junda Steel Pipe Manufacturing Co., Ltd is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Junda Steel Pipe Manufacturing Co., Ltd has directly exported *** MT of the product under consideration to India.

100. On analysis of the response filed by the exporter, it was noted that the quantity reported in the response did not match the Indian customs data. On request of the exporter the Authority had provided to the exporter the DG Systems data vide email dated 05-09-2022. On examining the data and documents submitted by the exporter vide email dated 06-09-2022, it is noted that DG Systems data is correlating with the export transactions and quantity, exported by the exporter.
101. It was further noted that while the description of product type mentioned in the response was cold drawn, the bill of entries stated hot rolled products. Accordingly, the Authority issued a letter to the producer dated 17th August, 2022 providing an opportunity to clarify the same. The exporter replied vide letters dated 19th August, 2022 and 20th August, 2022. Considering the reply filed by the exporter and the information on record, it is noted that the producer does not have hot-rolling facility and purchases hot-rolled products to undertake cold-drawn process. The finished product is then exported to India. Since Zhejiang Junda Steel Manufacturing Co., Ltd only undertakes cold-rolling /cold drawn process, it cannot be considered as a producer of the product under consideration and individual duties cannot be granted.

vii. Export price for Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd.

102. Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd., is a limited liability company. During the period of investigation, Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd has directly exported *** MT of the product under consideration to India.
103. On analysis of the response filed by the exporter, it was noted that the quantity reported in the response did not match the Indian customs data. On request of the exporter the Authority had provided to the exporter the DG System data vide email dated 05-09-2022. On examining the data and documents submitted by the exporter vide email dated 06-09-2022, it is noted that DG Systems data is correlating with the export transactions and quantity exported by the exporter.
104. It was further noted that while the description of product type mentioned in the response was cold drawn, the bill of entries stated hot rolled products. Accordingly, the Authority issued a letter to the producer dated 17th August, 2022 providing an opportunity to clarify the same. The exporter replied vide letters dated 19th August, 2022 and 20th August, 2022. Considering the reply filed by the exporter and the information on record, it is noted that the producer does not have hot-rolling facility and purchases hot-rolled products to undertake cold-drawn process. The finished product is then exported to India. Since Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd. only undertakes cold-rolling / cold drawn process, it cannot be considered as a producer of the product under consideration and individual duties cannot be granted.

viii. Export price for all non-cooperative producers / exporters

105. The export price for all other producers and exporters, that have not participated in the present investigation, has been determined as per facts available. The same has been mentioned in the dumping margin table.

Dumping Margin

106. The normal value, export price and dumping margin determined in the present investigation are as follows: -

S.No.	Name of Producer	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
		(USD/MT)	(USD/MT)	(USD/MT)	(%)	(Range)
1	Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd.	***	***	***	***	0-10
2	Zhejiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd. and Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd. and Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd.	***	***	***	***	30-40

3	Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.	***	***	***	***	40-50
4	Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
5	Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd.	***	***	***	***	60-70
6	Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
7	Huadi Steel Group Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
8	Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
9	Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
10	Non-cooperative / residual exporters	***	***	***	***	80-90

H. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

H.1. Submissions by the other interested parties

107. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:

- a. Claim of material retardation by Welspun Specialty Solutions Limited is unsustainable, since industry for the subject goods already exists in India and a new producer facing start-up difficulties cannot claim material retardation which is consistent as per the WTO Panel in Morocco – Hot-rolled Steel from Turkey. Indian industry as a whole is not a nascent industry whose establishment is materially retarded as Indian producers account for more than one third of total Indian demand and all producers, except Welspun, are well established.
- b. Welspun has not set up new facility but has revamped its existing plant.
- c. The claim of material retardation by Welspun Specialty Solutions Limited cannot be sustained as the Authority in the initiation notification noted prima facie evidence of material injury and not material retardation.
- d. Welspun Specialty must be excluded from the injury analysis since they have not claimed any material injury, but only material retardation. The economic parameters of the domestic industry in the first two years showed improvement but declined due to addition of Welspun.
- e. The applicants should not be allowed to change their claim of material retardation to material injury post oral hearing.
- f. The applicants have exaggerated the increase in the volume of the subject imports to deliberately invent injury to the domestic industry. The claim for injury is contrary to the published information.
- g. Imports from China PR have not caused injury to the domestic industry as volume of the subject imports has declined in absolute and relative terms over the injury period in line with decline in demand while the sales of the domestic industry, supporters and other producers has increased. Even post period of investigation, the subject imports are lower than that in the base year.

- h. Decline in imports in 2019 and in the period of investigation should be analysed in light of Quality Control Order effective from December 2020 and Domestic Procurement Policy effective from May 2019.
- i. The imports are fulfilling the demand-supply gap in the country as the domestic industry has installed capacity of only 25,303 MT as against demand of 63,247 MT. The domestic industry is export oriented and has backward integration, using the product under consideration to produce different variants from mother pipes.
- j. Exclusion of imports for re-exports is not appropriate as it is a consistent practice of the Authority to examine overall import volumes, including duty-free imports and imports under advance license while assessing the volume effect. Reliance cannot be placed on the findings of the EU Anti-fraud Office since only limited producers participated in that investigation, the investigation pertained to different period and was based on data that is not available with the Authority or any other party.
- k. Even if imports for the purpose of re-exports are to be excluded, it would be difficult to obtain data on imports of the product under consideration as the product is either transshipped directly or processed further before exporting. In the event any other data is considered, the same should be shared with all interested parties. If there is substantial rise in imports for the purpose of re-exports, there should be a corresponding rise in export trend.
- l. Segregation of import data for re-exports is not possible even by DG Systems data as it has no indicators which would help identify the actual value addition post imports.
- m. Even if the claim of the petitioners is accepted that imports surged in 2018-19 for transshipment to Europe, the imports from China PR in period of investigation have declined by 20% when compared to base year while the imports price has increased by 17%.
- n. The trend of prices of the subject country and the domestic industry as well as the cost of sales of the domestic industry have increased during period of investigation commensurately, when compared to the base year, and thus, there is no price injury or price suppression or depression.
- o. Price undercutting does not form the basis of injury determination and must not be seen in isolation, but in light of overall performance of the domestic industry. Fixing selling price is a business decision which depends on the cost of production and if the cost of production is inflated due to misallocation of expenses, losses or deficiencies, it can lead to higher selling price.
- p. The import price and the domestic selling price have increased throughout the injury period. Further, price undercutting has declined during the period of investigation when compared to 2018-19 and 2019-20, while it has remained in same range when compared to 2017-18.
- q. The prices of the subject imports have not affected the profitability of the domestic industry since the PBIT has moved in line with price undercutting, remaining high when undercutting was high and declining with the decline in undercutting.
- r. Economic parameters of the domestic industry showed recovery when volume of the subject imports was at an all-time high in 2017-18 and 2018-19 while its interest costs, depreciation, losses, capacity utilization etc. increased when the imports declined and after introduction of Welspun.
- s. In the absence of the actual data on captive consumption, the production figures provided by the domestic industry cannot be examined.
- t. Collective injury analysis for mother tubes and smaller tubes would not be an objective examination in view of the significant value addition and based on the positive evidence in absence of data regarding captive consumption of mother tubes by the domestic industry, which is contrary to the view taken by the WTO in US – Hot-Rolled Steel and Morocco – Hot-rolled Steel (Turkey). The Authority must conduct separate investigations for mother tubes and smaller tubes similar to Penicillin-G Potassium from China PR and Mexico and 6-APA from China PR as well as multiple investigation related to Certain Rubber Chemicals.
- u. Separate analysis is required for captive consumption as mere PCN-wise analysis is insufficient for an objective injury determination in terms of volume effect, price effect, and

other injury parameters due to lack of separation of examination of mother tubes. Non-inclusion of captive consumption in production figures implies that the actual production of the domestic industry is much higher. Since installed capacity includes capacities for both products, the capacity utilization is bound to be understated.

- v. Increase in captive consumption may be the cause of decline in domestic sales as well as the demand-supply gap. The Authority must undertake injury analysis twice – once excluding captive consumption and once inclusive of said captive consumption, as per the practice of Authority in cases such as Certain Phosphorous based chemical compounds from China PR & EU and 2 Methyl (5) Nitro Imidazole from China.
- w. Captive consumption by Ratnamani has increased significantly over the period. If the parameters of the domestic industry showed the same trend, it implies that a significant part of the product under consideration is being captively consumed and is not competing with imports.
- x. The demand is inaccurate as it does not include the product under consideration of diameter 42 mm and above used to produce cold-rolled pipes of 42 mm and below.
- y. The demand in the period of investigation has been affected by the aftershocks of pandemic and is likely to increase.
- z. Capacity and production of the domestic industry has increased over the injury period, while the capacity utilization has declined since the applicants have increased capacities without stabilizing existing capacities, which could be a cause of injury.
- aa. The domestic industry has inflated its capacity since based on market inputs, the actual capacity of the domestic industry is only 18,000 MT to 20,000 MT as opposed to claimed 24,861 MT.
- bb. Despite addition of capacity by Welspun Specialty Solutions in 2019-20, the capacity utilisation has increased from 38% in 2019-20 to 40% in period of investigation.
- cc. Net fixed assets, working capital and capital employed of the domestic industry have increased over the injury at rate higher than increase in installed capacity.
- dd. It appears that Ratnamani is operating at a capacity utilization of 93% whereas the domestic industry is merely working at 40% of its capacity.
- ee. Both domestic and export sales of the domestic industry have increased substantially over the injury period. Sales have increased despite decline in demand, showing that non-tariff barriers have been effective in reducing imports.
- ff. Despite demand-supply gap, the domestic industry is focusing more on exports.
- gg. Due to decline in exports in the period of investigation, the total profitability of the domestic industry has declined.
- hh. Market share of the subject imports has declined during the period of investigation, while that of the domestic industry, supporters and other producers has increased.
- ii. The applicants hold merely 1.5% of inventories which cannot be attributed to dumping of the subject goods.
- jj. Number of employees of the domestic industry has increased in the period of investigation as compared to the base year.
- kk. Welspun has earned profits in 2020-21 with gross margin of 37%, having admitted that it is focusing only on stainless steel pipes and tubes segment.
- ll. All applicants have earned significant profits in the last two financial years as per financial statements filed before the Ministry of Corporate Affairs. Even Tubacex, which operates in single segment of production of seamless stainless-steel tubes and pipes, has recorded profits in last two years.
- mm. While the domestic industry has claimed that it has suffered losses even after excluding interest cost, depreciation and amortization expenses, no such data has been presented on record to allow the interested parties to comment.

- nn. The subject imports have not impacted the profitability and return of the domestic industry, as it has been suffering losses from the beginning, due to other factors.
- oo. Since the domestic industry has not claimed threat of material injury, there is no legal requirement to analyze post period of investigation data. There is no injury to the domestic industry post period of investigation as the volume of imports in absolute and relative terms have declined, the import price has increased and the domestic industry was able to increase production and sales even though the demand declined.
- pp. When the imports were on all-time high, the economic parameters of the domestic industry improved. The imports as well as economic parameters of the domestic industry declined in 2019-20 and the period of investigation. Hence, there is no causal link.
- qq. The applicants have failed to address other factors which could be causing injury to the domestic industry such as slow market growth, internal problems, Covid-19, etc. In accordance with Article 3.5, Appellate Body in US – Hot Rolled Steel, and Panel in US – Norwegian Salmon, the Authority must conduct a non-attribution analysis.
- rr. The Authority must segregate the data for Tubacex and Chandan Steel on one hand and Welspun on other to ensure injury is not account of high depreciation and interest costs of the new entrant. It is the practice of the Authority to consider the data of a new entrant on monthly or quarterly basis, as in the case of Styrene Butadiene Rubber from EU, Korea RP and Thailand and non-woven fabric.
- ss. Injury could be on account of depreciation and interest costs on account of two new pillagers installed by Tubacex and in existing machinery and investment of more than 27 crores in 2019-20. This corresponds with high interest and loan costs reported by the domestic industry in the year 2019-20 leading to decline in profits.
- tt. Welspun was a sick company and commenced production of the product consideration since it was suffering losses in alloy steel sector, while the product under consideration was witnessing profits.
- uu. Welspun has not stabilized its operations and the company is suffering owing to start-up operations which have impacted capacity utilization, as per their own admission in the annual report.
- vv. The Board of Directors of Welspun have acknowledged that as a new business, they require new customer approvals, new product development and approval from process licensors, which has impacted their performance.
- ww. Injury to the domestic industry in the domestic market of government procurement is only on account of stiff inter-se competition.
- xx. The domestic industry has maintained idle capacity resulting in self-inflicted injury. Further, even at fully capacity, the domestic industry is not able to cater to the demand in India and can only supply a marginal portion of the demand.
- yy. Covid-19 has impacted the performance of the domestic industry as admitted by the applicants.
- zz. Contrary to the submissions by the domestic industry, the Authority may check whether the orders lost are on account of inability of the domestic industry to supply special grades of subject goods.
- aaa. Non-injurious price for the domestic industry should be determined pursuant to adjustments in the start-up cost of Welspun.
- bbb. The Authority must ensure proper allocation of assets and liabilities and their impact on depreciation, return on capital employed and non-injurious price. If funds raised cannot be allocated to the product under consideration, it is questionable how interest cost can be allocated.
- ccc. The Authority must examine the impact of captive consumption of mother tubes while determining the non-injurious price of the domestic industry.
- ddd. While determining the non-injurious price for the domestic industry, the Authority should make adjustments for all production-related inefficiencies to produce the primary stainless

steel. The Authority may adopt the LME prices of stainless-steel billets/ ingots as published during the period of investigation if the same is lower than the actual foundry cost of the domestic industry to ensure that losses incurred in the foundry segment are not taken into consideration.

- eee. The domestic industry is engaged in the production of multiple products at single/ multiple locations which increases the possibility of cost distortions.
- fff. As stated in the annual report of Welspun, it has switched its production from alloy steel to subject goods in 2019 as it was incurring substantial losses in alloy steel business. The company started production of the subject goods seeing profitability and health of market conditions and thus, injury can be only on account of internal inefficiencies and earlier loss-making business.
- ggg. The profitability of the domestic industry may be impacted due to increase in interest cost, depreciation and amortization expenses as well as decline in demand due to economic slowdown and COVID-19.
- hhh. Since the petitioners are engaged in the production of multiple products, the possibility of cost distortion is high. The Authority is requested to verify the basis of allocation of assets and current liabilities and its result on depreciation, return on capital employed and non-injurious price.
- iii. Since Welspun has started production in 2019-20, it is not possible to reach economies of scale and the injury may be due to the start-up cost and internal inefficiencies.

H.2. Submissions by the domestic industry

108. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the Injury and causal link are as follows:

- a. The domestic industry has suffered injury throughout the injury period.
- b. Mother tubes are semi-finished product and cannot be considered as raw material for the subject goods. Collective injury analysis is appropriate as these are only types of the subject goods, and not derivatives. Reference was made to the anti-dumping investigation concerning glass fibres.
- c. Since Welspun recently set up capacities and started commercial production, its establishment has been materially retarded.
- d. In the anti-dumping investigation concerning Styrene Butadiene Rubber, which was upheld by the Tribunal and Supreme Court, the Authority had examined material injury to one of the producers and material retardation to one of the producers.
- e. Even if Welspun has revamped its manufacturing facilities, it has made a significant investment in the same. It is a new producer, since it was not producing the subject goods earlier.
- f. The reference by interested parties to Morocco – Hot-rolled Steel from Turkey is not appropriate as that case only explains when a producer would be considered as establishing industry. The Panel has not made any observations to the effect that if an industry for the product under consideration already exists, the new producer cannot claim material retardation to the establishment of the domestic industry. For the same reasons, reference to findings of the Authority in the case of Non-Woven Fabric is not appropriate.
- g. Contrary to the claim of the interested parties, in the anti-dumping investigation concerning imports of Fluoroelastomers, the Authority had noted that different units of the domestic industry can suffer material injury and material retardation simultaneously. Similar view was taken by the Authority in veneered engineered wooden flooring.
- h. While on one hand the interested parties have claimed that material retardation to Welspun cannot be examined, on the other hand, they have requested segregation of data of Welspun from that of Chandan and Tubacex, implying a self-contradictory approach.
- i. As is evident from the petition itself, Welspun has primarily claimed material injury and has claimed material retardation only as an additional claim.

- j. Contrary to the submissions by the other interested parties, injury to the domestic industry has to be evaluated for the domestic industry as a whole and not for individual companies as held by the Appellate Body in United States – Anti-Dumping Measures on Certain Hot-Rolled Steel Products from Japan. Thus, it cannot be claimed that on one hand, there can be no material retardation to Welspun as it is part of an established industry and at the other hand, the injury to the domestic industry is due to underutilized capacities of Welspun.
- k. The domestic industry has provided evidence for verification of all the information supplied by it, including capacities and volume or price of imports.
- l. In order to ascertain whether the imports have increased, the correct volume of imports needs to be ascertained after excluding imports for re-export.
- m. Imports made for re-exports should be excluded from the total imports into India as they were not meant for consumption in India.
- n. Since the domestic industry does not have access data relating to exports, it cannot comment upon whether the exports to European Union show an increase in such data due to the imports made due to re-exports.
- o. Lack of segregation of data relating to imports for re-exports cannot be grounds for not undertaking the analysis. The Authority should undertake the analysis based on facts available.
- p. The Authority may kindly call DG Systems data in order to link imports and exports of the product under consideration and exclude these from total imports meant for consumption in India.
- q. Since the report of the European Union Anti-Fraud Office pertains to a period overlapping with the injury period, it cannot be considered as outdated. No documentary evidence has been provided by interested parties to refute the report.
- r. While the domestic industry has provided evidence of imports made for re-exports to the European Union, the interested parties have provided no evidence to refute the claims made by the domestic industry.
- s. Imports made under advance licenses are usually included as subject goods are imported as raw material for the production of downstream goods. In the present case, the subject goods have been imported for re-export under advance licenses, and therefore, such imports should be excluded. While imports under advance licenses compete with the product of the domestic industry and are meant for consumption in India, imports for re-export do not compete, and are meant for consumption in another country. Downstream goods produced using the subject goods imported under advance license can be labelled as originating in India legitimately, while imports for re-exporters have been illegitimately made and incorrectly labelled as originating in India.
- t. There is no requirement that imports must increase in order to invoke an anti-dumping measure.
- u. The volume of imports in absolute and relative terms has remained high over the injury period.
- v. The Quality Control Order did not abate imports as even now imports are being made, despite there being no approved raw material supplier.
- w. Since DPIIT only requires registration of a party, and not of a product, and importers can register under it, it does not prevent imports.
- x. Despite the alleged non-tariff barriers introduced by the Government, the imports have continued to increase.
- y. The Domestic Procurement Policy does not impede imports as only 20% of the demand in the country is subject to this policy. Further, processors of the subject goods importing from China are able to participate in the tenders under this policy.

- z. The policies introduced by the government have been made redundant due to mis-declaration of imports as the importers are able to show value addition by showing imports of hot rolled product and thus, participate in tenders under the public procurement policy.
- aa. The subject imports accounted for 89% of imports into India during the period of investigation.
- bb. Even though the domestic industry has been selling at losses throughout the injury period, price undercutting has remained positive and significant.
- cc. Contrary to the claim of the interested parties, the decline in price undercutting shows that the domestic industry was forced to reduce its prices in order to match the import prices, resulting in a decline in profitability.
- dd. The subject imports have suppressed the prices of the domestic industry as it was unable to increase its selling price commensurate to increase in cost of sales.
- ee. The price of imports remained below the selling price of the domestic industry throughout the injury period, and is lower than its cost of sales.
- ff. Contrary to the claim of the interested parties, the domestic producers have sufficient capacity to cater to the entire demand in India.
- gg. In response to the claim that net fixed assets, working capital and capital employed have increased at a higher rate than capacity, it was submitted that the reference to trends of figures and not actual data makes such comparison meaningless.
- hh. Welspun has not been able to find a viable market, leading to low-capacity utilization.
- ii. The domestic industry was unable to increase its production commensurate to increase in capacities despite ample demand in the Indian market. The sales, capacity utilisation of the domestic industry has remained low throughout the injury period, and the domestic industry has been forced to undertake exports to dispose of its production.
- jj. The sales of the domestic industry have increased due to increase in capacities. However, such sales are loss making and much less than production. Even then, while having the capacity to capture a market of 40%, the market share of the domestic industry is only 6%.
- kk. Only a very insignificant quantity of the sales of the domestic industry have been made to the PSUs. While the domestic industry has performed better in these sales, it has suffered huge losses in sales to the private sector.
- ll. Although the Indian industry has the capacity to meet the entire demand, subject imports constitute two-thirds of the share in demand. The domestic industry caters to only 6% market share.
- mm. Even after selling at losses and undertaking exports, the inventories of the domestic industry have increased over the injury period and are equivalent to 10% of the production.
- nn. The domestic industry has suffered injury throughout the injury period as the cheap import prices prevented it from charging a remunerative price.
- oo. The domestic industry has been forced to sell at losses during the injury period. It is unable to meet its interest obligation as it has incurred losses before accounting for interest.
- pp. The domestic industry has incurred cash losses throughout the injury period and has recorded negative return on investment during the injury period.
- qq. The domestic industry is suffering intensified injury post period of investigation as the volume of the subject imports increased, market share of the domestic industry declined, and its inventories has increased.
- rr. The domestic industry has suffered losses, cash losses and recorded a negative return on investment post the period of investigation.
- ss. The domestic industry has not claimed injury on account of number of employees.

- tt. Contrary to the claims that the domestic industry has increased capacities without stabilizing capacities, the capacity of the domestic industry has increased due to capacity addition by Welspun. Therefore, the existing producers did not keep expanding capacities, without stabilizing their existing capacities.
- uu. Increase in capacities of the domestic industry cannot be grounds for denying protection. While the interested parties have blamed the capacity addition by one producer, they have not explained the losses suffered by the other domestic producers since a long time.
- vv. The decline in capacity utilization cannot be attributed to increase in capacities as there was sufficient demand in the country to utilize capacities.
- ww. The low-capacity utilization is not on account of stabilization issues of new plant, as even Tubacex and Chandan Steel, which have old plants, are suffering from low-capacity utilization.
- xx. At present, Welspun is not a sick company. It was classified as a sick company prior to commencing production of the subject goods, and therefore, the same is not relevant to the present investigation.
- yy. Contrary to claim of the interested parties, very few products require approvals, and the domestic industry is catering to all customers, including those where no approval is required.
- zz. The losses incurred by Welspun in alloy steel sector have not been attributed to the subject goods.
- aaa. Had the losses of Welspun been due to teething issues, they would have reduced post period of investigation, as happened in the case of non-woven fabric relied upon by the other parties.
- bbb. Contrary to the submissions of the other interested parties, there is no legal prescription that as soon as foreign producers' resort to dumping the domestic industry should approach the Authority. The domestic industry has approached various departments of the Government in the past.
- ccc. Under the Anti-Dumping Agreement, there is a requirement to examine whether there is "a" causal link between dumping and injury. Thus, merely because other factors may also be causing injury to the domestic industry, does not mean that there is absence of causal link between dumping and injury.
- ddd. Contrary to the submissions by the other interested parties, the losses to the domestic industry are not due to increase in depreciation and interest cost as the EBIDTA of the domestic industry has also declined.
- eee. The injury is not on account of Covid-19, as the domestic industry did not face any significant plant shutdowns and there was ample demand in the market to utilize the capacities.
- fff. Contrary to the assertion of the interested parties, the domestic industry has not suffered injury due to slow market growth as there is sufficient demand for the domestic industry to utilize its full capacities.
- ggg. The domestic industry has provided segregated performance of domestic and export operations, and therefore, any injury is not on account of exports.
- hhh. The injury to the domestic industry has not been caused due to any known factor but only due to the subject imports.
- iii. In response to the contention that LME prices be considered for determination of non-injurious price, it was submitted that Annexure – III allows determination of non-injurious price based on actual records maintained only. Further, any captive input is required to be valued at cost plus return or market price, as per the records of the company.
- jjj. In response to the contention that return for non-injurious price cannot be determined when funds raised have not been identified, it was submitted that as per Annexure – III, return is allowed on capital employed, which has already been provided by the domestic industry.

kkk. As against the arguments of the interested parties, no start-up cost is included in the cost of production, in accordance with the Generally Accepted Accounting Principles, including that in Ind AS 16.

H.3. Examination by the Authority

109. The Authority has taken note of the arguments and counter-arguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The injury analysis of the Authority hereinunder addresses the various submissions made by the interested parties.
110. The domestic industry has claimed that the subject imports have materially retarded the establishment of Welspun Specialty Solutions Limited. The Authority notes that while Welspun may be in the process of being established, it constitutes a very small share of the total Indian production. The share of Welspun during the period of investigation was less than 10% of the total Indian production. The remaining domestic producers have been in operation since a long time and therefore, the industry is considered to be an established industry.
111. With regards to the contention that the claim of material injury to Welspun was made by the applicants post oral hearing, the Authority notes that in the petition, the applicants have claimed material retardation to Welspun as well as material injury to the domestic industry as a whole. The data pertaining to Welspun had been included by the applicants in their claims for material injury. The claims of material injury to the domestic industry including Welspun is not a new claim made post oral hearing. Further, the Authority initiated the investigation based on a prima facie evidence of material injury suffered by the domestic industry, including Welspun.
112. Some of the interested parties have contended that the Authority must conduct separate examination for hot-rolled and cold-rolled products. The Authority notes that in the investigations where different product types are included within the scope of the product under consideration, the Authority undertakes separate / PCN wise analysis in order to evaluate price undercutting, dumping margin and injury margin. The same has been conducted in the present investigation.
113. With regards to the contention that there is a need to examine captive consumption by the domestic industry, the Authority notes that none of the applicants captively consume the subject goods. The scope of the product under consideration consists of both mother tubes / hot-rolled products and cold-drawn pipes and tubes. Mother tubes / hot-rolled products are intermediate product and further processing of mother tubes into cold-drawn pipes and tubes cannot be considered as captive consumption.
114. Some of the interested parties have contended injury analysis should be done based on segregated data of Tubacex Prakash India Private Limited and Chandan Steel Limited. The Authority notes that injury examination is conducted for the domestic industry as a whole and not separately for each constituent of the domestic industry. Since Welspun Specialty Solutions Limited is considered a part of the domestic industry, the Authority cannot conduct injury analysis by segregating the data for the said company.
115. With regards to the post period of investigation data submitted by the applicants, the Authority notes that since the present investigation is a fresh investigation wherein the applicants have not claimed threat of material injury, the Authority has examined only the data for the injury period. Since the Authority has determined material injury to the domestic industry based on data for the period of investigation, analysis of post period of investigation data is not necessary in the present case.
116. Some of the interested parties have submitted that the order lost must be examined for the grades which the domestic industry is unable to produce. The Authority notes that the evidence provided by the domestic industry relates to the subject goods commonly produced by the applicants.

H.3.1. Assessment of demand / apparent consumption

117. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product under consideration in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and other Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Sales of the domestic industry	MT	1,705	2,283	2,642	3,900
Sales of other producers	MT	9,978	10,802	12,082	11,865
Subject country imports	MT	49,949	76,733	60,538	42,135
Other imports	MT	10,469	13,249	8,732	4,462
Demand	MT	72,102	1,03,067	83,994	62,362

118. The Authority notes that the demand for the subject goods has increased in 2018-19 as compared to 2017-18, however, it has declined in 2019-20 and then increased in the period of investigation. However, this may be on account of imports made for re-export to European Union during the earlier years.

119. Some of the interested parties have contended that the demand is understated since it does not consist of demand for 42 mm mother tubes. The Authority notes that the scope of the product under consideration includes 42 mm mother tubes. The demand in India consists of such mother tubes imported from the subject country, other sources as well as domestic sales of such mother tubes by the domestic producers.

H.3.2. Volume effect of the dumped imports

120. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to the production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S. The import volumes of the subject goods from the subject country and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Subject imports	MT	49,949	76,733	60,538	42,135
Other imports	MT	10,469	13,249	8,732	4,462
Total	MT	60,418	89,982	69,269	46,596
Subject imports in relation to					
Domestic production	%	355	494	354	231
Consumption	%	69	74	72	68
Total Imports	%	83	85	87	90

121. The Authority notes that:

- The volume of the subject imports had increased in 2018-19 as compared to 2017-18. The volume of the subject imports declined in 2019-20 and the period of investigation as compared to the previous year. The applicants have emphasized that the imports were higher during the earlier years since the product under consideration was being imported for re-exporting to European Union, so as to evade the anti-dumping duties levied by the European Commission. In this regard, the applicants have relied on a report by the European Anti-Fraud Office. The applicants have further claimed that the volume of the subject imports declined during the period of investigation due to the impact of Covid-19 and the capacity expansion by the domestic industry.
- The imports in relation to the domestic production and consumption has followed the same trend. The imports in relation to production and consumption increased in 2018-19 but declined thereafter.
- The share of the subject imports in total imports has increased over the injury period.

122. With regard to the contention that the domestic industry has received protection from the Government of India in the form of non-trade barriers, the Authority notes that the non-trade barriers, if any, imposed by the Government of India are not the subject of the present investigation. The Authority has examined dumping, injury and causal link in the present investigation. The Authority notes that the volume of imports has remained significant, while the domestic producers hold a smaller share of the market.
123. Some of the interested parties have contended that the subject imports are fulfilling the demand-supply gap in India. The Authority notes that the demand-supply gap is not a justification for dumping in India. Even if there is a demand-supply gap in the country, it is necessary that the product is available at fair prices. In any case, the Authority notes that although the production of the domestic industry is less than the demand in India, the capacities in India are enough to cater to the entire demand in India.

H.3.3.Price effect of the dumped imports

124. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, with regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

a) Price undercutting

125. Price undercutting has been assessed by comparing the landed price of imports with the domestic selling price in India of the subject goods. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level.

Particulars	Unit	POI
Net sales realization	Rs./MT	***
Landed price of imports	Rs./MT	2,54,303
Price undercutting	Rs./MT	***
Price undercutting	%	***
Price undercutting	Range	20-30

126. The Authority notes that the subject imports are undercutting the prices of the domestic industry and the price undercutting is positive and significant.
127. Some of the interested parties have contended that price undercutting has not impacted the profitability of the domestic industry as the PBIT have moved in line with the price undercutting. The Authority notes that the landed price of imports has remained below the cost of sales of the domestic industry.

b) Price suppression/depression

128. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared as below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	135	117
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	125	119
Landed price	Rs./MT	2,30,620	2,84,306	2,60,981	2,54,303
Trend	Indexed	100	123	113	110

129. Over the injury period, the domestic industry has been able to increase its prices in line with the increase in cost. However, the Authority notes that the landed price of the subject imports is below the selling price as well as the cost of sales of the domestic industry. The domestic industry is unable to increase its prices to the level of cost of sales and has sold at losses.

A.1.1. Economic parameters of the domestic industry

130. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, utilizing actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on capital employed or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed hereinbelow.

a) Production, capacity, capacity utilization and sales volumes

131. Capacity, production, sales, and capacity utilization of the domestic industry over the injury period were as below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Capacity	MT	13,880	14,080	22,800	25,300
Production	MT	7,245	7,437	7,951	9,919
Capacity utilization	%	52	53	35	39
Domestic sales	MT	1,705	2,283	2,642	3,900
Export sales	MT	5,505	4,962	5,332	5,867

132. The Authority notes that:

- The capacity and production of the domestic industry have increased over the injury period.
 - The capacity utilization of the domestic industry increased slightly in 2018-19 but declined in 2019-20. The capacity utilization increased in the period of investigation as compared to the previous year. However, the capacity utilization in the period of investigation is much below that in the base year. The domestic industry has submitted that the capacity utilization is low due to lack of market share resulting from dumping in India.
 - The capacity of the domestic industry increased marginally in 2018-19, as Tubacex de-bottlenecked its capacity by about 3%. Thereafter, during 2019-20, Welspun set up its plant. Since such plant was established during the year, the full effect of the commercialization of capacities was visible in the period of investigation. Further, during the period of investigation, Tubacex again de-bottlenecked its capacity by 15%.
 - The domestic sales of the domestic industry have increased over the injury period. The export sales are more than the domestic sales of the domestic industry. The applicants have emphasized that the domestic industry has been forced to rely upon exports for disposing of its production.
133. Some of the interested parties have contended that Ratnamani is operating at higher capacity utilization. The Authority notes that as per the information on record the capacity utilization of Ratnamani is comparable to that of the domestic industry.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	122	117	96
Capacity utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	124	120	98

134. In any case, the injury analysis has been conducted by the Authority with respect to the domestic industry. The performance of other domestic producers, not forming part of the domestic industry, cannot be relied upon for injury analysis.

135. Some of the interested parties have claimed that the capacity reported by the domestic industry is inflated. The Authority notes that the injury analysis including capacity claimed by the domestic industry has been verified by the Authority.

b) Market share

136. Market share of the domestic industry and of the imports is shown in table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Subject imports	%	69.28	74.45	72.07	67.56
Other imports	%	14.52	12.85	10.40	7.15
Domestic industry	%	2.37	2.22	3.15	6.25
Other producers	%	13.84	10.48	14.38	19.03
Total	%	100%	100%	100%	100%

137. The Authority notes that the market share of the domestic industry has increased over the injury period. However, the subject imports hold majority of market share in India while the domestic industry holds only 6% share. Further, despite there being no demand-supply gap in the country, the share of Indian producers is only about 25%.

138. The market share of the domestic industry has increased primarily due to an increase in capacity. The domestic industry increased its capacity, by 11,420 MT, which allowed it to increase its sales, thereby increasing the market share. However, in order to achieve this increase, the domestic industry was forced to supply the goods at losses.

c) Inventories

139. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Opening inventory	MT	***	***	***	***
Closing inventory	MT	***	***	***	***
Average inventory	MT	634	748	865	961

140. The Authority notes that the inventories of the domestic industry have increased over the injury period and the domestic industry suffers from accumulated inventories.

d) Profitability, cash profits and return on capital employed

141. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	135	117
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	125	119
Profit/(loss)	Rs./MT	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(118)	(202)	(101)
Profit/(loss)	Rs. Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(65)	(449)	(442)
Cash profits	Rs./MT	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(14)	(478)	(411)
Return on capital employed	%	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(18)	(108)	(82)

142. The Authority notes that

- The selling price of the domestic industry is less than the cost of sales throughout the injury period.
- The domestic industry has suffered losses throughout the injury period. The losses of the domestic industry increased in 2018-19 and 2019-20. During the period of investigation, the losses of the domestic industry have declined as compared to the previous year.
- The domestic industry has suffered cash losses throughout the injury period.
- The domestic industry is not earning any return on its capital employed. The return on capital employed throughout the injury period is negative.

143. Some of the interested parties have contended that all the applicants are earning profits in the last two financial years. The Authority notes that the reliance placed by the other interested parties on the annual reports of the applicants is incorrect as it pertains to the performance of the company as a whole. The analysis of the effect of the dumped imports is required to be undertaken in relation to the domestic production of the like article where separate data permits such examination. Since separate data for the performance of the domestic industry in terms of the subject goods is available on record, and has been verified by the Authority, injury analysis has been conducted based on such data. Thus, reliance on the annual reports of the applicants or performance of the applicants as a whole is not relevant.

144. Some of the interested parties have contended that the domestic industry has suffered injury due to capacity expansion. The Authority notes that the performance of the domestic industry has declined without taking into consideration the interest and depreciation cost. The EBIDTA (earnings before interest, depreciation, taxes and amortization) of the domestic industry, which is not impacted by the increased depreciation or the finance cost, has been adversely impacted. Therefore, the injury suffered cannot be attributed to the capacity expansion.

Particulars	Units	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
EBIDTA	Rs. Lacs	(***)	***	(***)	(***)

e) Employment, wages and productivity

145. The Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
No of employees	Nos	352	375	605	560
Productivity per day	MT/Day	20	21	22	28
Productivity per employee	MT/Nos	21	20	13	18
Wages	Rs. Lacs	943	1,268	2,435	2,551

146. The Authority notes that the productivity, wages and number of employees of the domestic industry have increased over the injury period.

f) Factors affecting price

147. The landed price of the subject imports is below the cost of sales and selling price of the domestic industry. The domestic industry has been forced to sell at unremunerative prices much below its cost of sales due to the presence of dumped imports in India. The imports command the majority share in the market, while the share of the domestic industry and other domestic producers is low. Further, even the volume of imports from other countries accounts for only a small share in the market, and that too, at higher prices. This shows that the dumped imports are impacting the prices of the domestic industry.

g) Magnitude of dumping

148. The Authority notes that the subject goods are being dumped in India and the dumping margin is positive and significant. Due to the dumping of the subject imports in India, the domestic industry is unable to increase its selling price and has been forced to sell below its cost of sales. Thus, the domestic industry has incurred significant losses, cash losses and recorded a negative return on capital employed. The domestic industry has been adversely affected by the dumped imports from the subject country.

h) Growth

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Capacity	%	-	1	61	9
Production	%	-	3	7	25
Domestic sales	%	-	34	16	48
Profit/(loss) per unit	%	-	(18)	(72)	50
Cash profit	%	-	86	(3,247)	14
Return on capital employed	%	-	8	(9)	(3)

149. The Authority notes that the capacity, production and domestic sales of the domestic industry has shown a positive growth throughout the injury period. The losses per unit of the domestic industry have increased in 2018-19 and 2019-20 but have reduced in the period of investigation. The cash losses decreased in 2018-19 but increased in 2019-20. Thereafter, the cash losses reduced in the period of investigation as compared to 2019-20. The return on capital employed improved in 2018-19 but declined in 2019-20 as compared to that in 2019-20. Thereafter, the return on capital employed declined again in the period of investigation.

i) Ability to raise capital investment

150. The Authority notes that the domestic industry has constantly incurred losses and recorded negative return on capital employed. This shows that the dumped imports have impacted the ability of the domestic industry to raise capital investment for the product under consideration.

H.3.4.Overall assessment of injury

151. The examination of the imports of the product under consideration and performance of the domestic industry shows that:
- i. The volume of imports has declined in the period of investigation. Such decline is attributable to imports made for re-export during earlier years, COVID-19 pandemic in India and expansion of capacities by the domestic industry.
 - ii. The imports are undercutting the prices of the domestic industry.
 - iii. The subject imports are priced below the cost of sales of the domestic industry.
 - iv. The domestic industry is unable to sell its products at remunerative prices. The selling price of the domestic industry has remained below its cost of sales.
 - v. The production, sales and capacity of the domestic industry has increased. The domestic industry is operating at less than optimum capacity utilisation.
 - vi. The subject imports hold majority of market share in India while the market share of the domestic industry is only 6%.
 - vii. The inventories of the domestic industry have increased over the injury period.
 - viii. The domestic industry has incurred losses throughout the injury period.
 - ix. The domestic industry has incurred cash losses throughout the injury period and has recorded a negative return on capital employed.
 - x. The profitability parameters have shown negative growth.
 - xi. The imports have impacted the ability of the domestic industry to raise capital investments for the product under consideration.
 - xii. The dumping margin is positive and significant.
 - xiii. The imports are affecting the prices of the domestic industry.
152. In view of the foregoing, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

H.3.5.Non-attribution analysis and casual link

153. Having examined the existence of injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, the Authority has examined whether injury to the domestic industry can be attributed to any factor, other than the dumped imports, as listed under the Rules.

a) Volume and value of imports from third countries

154. The Authority notes that the volume of imports from each of the other countries is insignificant. Further, the price of imports from other countries is higher, on an average basis. Therefore, it cannot be said that imports from other countries are causing injury.

b) Contraction in demand

155. The Authority notes that the demand for the subject goods in the country declined in the period of investigation due the impact Covid-19 Pandemic. However, such decline is temporary in nature. Thus, the domestic industry has not suffered any injury on this account.

c) Developments in technology

156. The Authority notes that the investigation has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.

d) Conditions of competition and trade restrictive practices

157. The Authority notes that the investigation has not shown any change in the conditions of competition or trade restrictive practices. are responsible for the claimed injury to the domestic industry.

e) Pattern of consumption

158. It is noted that there is no change in the pattern consumption of the subject goods, which could have caused injury to the domestic industry.

f) Export performance of the domestic industry

159. The Authority notes the injury information relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

g) Performance of other products

160. The Authority has only considered data relating to the performance of the subject goods. Therefore, performance of other products produced and sold are not a possible cause of the injury to the domestic industry.

h) Productivity

161. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has increased over the injury period. Therefore, the domestic industry has not suffered injury on this account.

i) COVID-19

162. Some of the interested parties have claimed that the injury to the domestic industry is due to COVID-19 pandemic. The Authority notes that the demand and the subject imports had declined during the period of investigation due to the COVID-19 pandemic. However, even then, there was sufficient demand in the market, for the producers to fully utilize their capacities. Nevertheless, the imports constitute more than 65% of the market. The Authority also notes that the constituents of the domestic industry did not suffer any significant shutdown due to the pandemic. Thus, it cannot be said that the injury to the domestic industry is on account of COVID-19 pandemic. In any case, the domestic industry has suffered injury even in the period prior to COVID-19. Hence, the injury to the domestic industry is not only on account of COVID-19 pandemic.

H.3.6. Conclusions on causal link

163. While other known factors listed under the Rules have not caused injury to the domestic industry, the Authority notes that the following parameters show that injury to the domestic industry is caused by the dumped imports.
- i. There is significant dumping of the subject goods in India. Dumping margin for the subject country is positive and significant.
 - ii. The subject imports are priced below the selling price and cost of sales of the domestic industry.
 - iii. The domestic industry is unable to sell the subject goods at price above its cost of sales.
 - iv. The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry.
 - v. The domestic industry is operating at low-capacity utilisation.
 - vi. The domestic industry is dependent upon exports for disposing of its production.
 - vii. The inventories of the domestic industry have increased over the injury period.
 - viii. The domestic industry has incurred losses throughout the injury period.
 - ix. The domestic industry has incurred cash losses throughout the injury period.
 - x. The domestic industry has recorded a negative return on capital employed throughout the injury period.
 - xi. The EBIDTA of the domestic industry (which does not take into account the depreciation or interest cost) is also negative during the period of investigation and preceding year.
164. The Authority, thus, concludes that there exists a causal link between the dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

165. The Authority has determined the Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of the principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating the injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials, the utilities and the production capacity by the domestic industry over the injury period have been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on the average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and is being followed.
166. The landed price for the cooperative exporters has been determined on the basis of the data furnished by the exporters. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject country, the Authority has determined the landed price based on facts available.
167. As regards the contention that LME price of raw material be considered, the Authority notes that in accordance with the provisions of Annexure – III, only the data as per the records maintained by the domestic industry may be considered. Therefore, the actual raw material price of the domestic industry has been considered for the determination of non-injurious price.
168. The Authority has verified the data of the domestic industry to ensure that no start-up costs are included as part of cost of production for the determination of non-injurious price.
169. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below: -

SN	Name of producers	Non-injurious price	Landed price	Injury margin	Injury margin	Injury margin
		(US\$/MT)	(US\$/MT)	(US\$/MT)	(%)	(Range)
1	Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd.	***	***	***	***	0-10%
2	Zhejiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd. and Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd. and Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
3	Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.	***	***	***	***	30-40
4	Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20
5	Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd.	***	***	***	***	50-60
6	Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
7	Huadi Steel Group Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
8	Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
9	Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd.	***	***	(***)	(Negative)	(Negative)
10	Non-cooperative / residual exporters	***	***	***	***	70-80

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST**J.1. Submissions by the other interested parties**

170. The submissions made by the other interested parties with regard to the Indian industry's interest are as follows:

- a. The domestic producers have received sufficient protection from the Government in the form of non-trade barriers. The domestic industry has exclusive control over government procurement under the Domestic Procurement Policy of Ministry of Steel. Government contracts account for 30-35% of the total Indian demand. Public Procurement Order issued by the Ministry of Finance requires producers from China PR to register with DPIIT. Since none of the Chinese producers have registered, government contracts would only be available to the domestic producers. Quality Control Order requiring raw material providers to be licensed by BIS have already led to the decline in imports by more than 35% during the period of investigation compared to 2019-20.
- b. The domestic industry does not meet the quality parameters of the user industry and users are forced to rely on imports for certain specialized grades. Imposition of duty would impact end-users, which would be against the public interest.
- c. The domestic industry engages in unfair trade practice as it refuses to supply to secondary producers and deliberately charges 15% higher price when compared to the end-users. The domestic industry does not respond to supply orders and there are inordinate delays in supply of mother tubes.
- d. The anti-dumping duties are not a protection to the domestic industry or a means of making India self-reliant, rather it is a means of price correction and cannot be used to increase the share of applicants in the Indian market. In the present case the domestic industry is itself engaged in price distortion in the market to restrict the competition from the downstream users.
- e. The Authority has not examined public interest in terms of adverse impact on the downstream industry, which will lead to increase in cost of the users by 50-60%. Imposition of anti-dumping duty will adversely impact MSME sector which will face difficulty due to unavailability as well as high price of product in India.
- f. The Authority should recommend a fixed quota or a trigger price of form of duty to avoid the overburden on the users due to higher prices, as in the case of pre-sensitized positive offset aluminium plates from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea, or the case of Acetone from Korea RP, Saudi Arabia and Taiwan.
- g. The covid-19 has adversely impacted the Indian economy and imposition of duties, to support an inefficient the domestic industry, would lead to uneconomical costs creating a burden on the market.
- h. Imposing anti-dumping duties on the mother tubes would cause hardship to downstream users who produce pipes and tubes using mother tubes and thus, are in direct competition with the pipes and tubes produced by the domestic industry.
- i. Increase in captive consumption of the domestic industry may be the cause of the demand-supply gap.
- j. Contrary to the submissions of the applicants, in case imposition of anti-dumping duty would have been in the interest of the producers, more domestic producers would have supported the application.
- k. Contrary to the submissions of the applicants, the domestic industry does not have the capacity to become Aatma Nirbhar. The Aatma Nirbhar policy must be seen from the prospective of entire constituents of the producers in India which includes the processors.
- l. The Authority is not the right forum to raise issues regarding the basic customs duty. Domestic producers already have an advantage compared to imports as they are not subject to the basic customs duty.

- m. Imposition of anti-dumping duty is not in public interest as the current market conditions of subject goods and downstream industry is fragile due to COVID-19. Imposition of anti-dumping duty will make the cost of subject goods uneconomical for the users.
- n. The domestic industry is not able to meet the quality parameters of the user industry due to which users are forced to import specialized grades in India. Anti-dumping duty might be beneficial to a few producers but will impact a large number of end-users.
- o. The domestic industry refuses to supply to the secondary producers. Evidence of not receiving any reply from the domestic industry has been provided. The domestic industry charges 15% higher prices from the secondary manufacturers as compared to the price charged from end-users. The domestic industry itself engages in price distortion in the downstream market.

J.2. Submissions by the domestic industry

171. The submissions made by the domestic industry with regard to the Indian industry's interest are as follows:

- a. The effect of anti-dumping measures on public interest must be studied from the perspective of interests of different set of parties – (a) the domestic producers, (b) the domestic consumers, (c) the upstream and downstream industries, (d) the general public and (e) purpose/ objective of imposition of anti-dumping duty.
- b. Regarding the contention that the imposition of anti-dumping duty would cause hardships to the processors, it was submitted that any imposition of duty would not selectively impact the prices of mother tubes, but also of cold finished goods. Therefore, the imposition of duty on cold finished goods would enable the processors to charge a higher price for their finished goods, thereby negating any adverse effect of duty on mother tubes.
- c. The users and processors cannot claim that they would face hardships if fair prices are restored in the market.
- d. Imposition of anti-dumping duty will help India becoming Aatma Nirbhar in the production of the product under consideration as the installed capacities of the subject goods are more than the demand in India.
- e. Since the domestic industry is using mother tubes to produce cold finished pipes, such usage cannot be considered to create a demand-supply gap for the subject goods, as claimed by the interested parties.
- f. Existence of a demand-supply gap cannot be grounds for non-imposition of duties, as held in *Nocil Limited v Government of India and DSM Idemitsu Ltd. v Designated Authority*. In any case, the imposition of duties does not restrict imports, but only ensures a level playing field.
- g. The present idle capacities of the domestic industry could have catered to a market share of 26%.
- h. The Government of India is trying to promote domestic production of the subject goods by introducing measures like BIS and public procurement policy. Imposition of anti-dumping duty will bring fair market conditions and help in achieving the goal of the Government.
- i. The domestic industry has invested significantly in the production of the subject goods, however, due to unfair trade practice, the domestic industry is unable to earn a reasonable return on investment. Imposition of anti-dumping duty will protect the domestic industry from shut down of operations.
- j. In case the dumping is not controlled, India will become a processor of the subject goods, instead of producer. While the domestic industry has made losses, the performance of the processors has improved in terms of revenue and profits.
- k. Imposition of the duty will provide a level playing field to all the participants in the market, as the foreign producers are resorting to dumping even though they enjoy concessional duties under the APTA Agreement.

- l. The domestic industry has made significant investments which will lead to generation of employment in the country. In case dumping is not controlled, the domestic industry would be forced to shut down, which would lead to unemployment.
- m. The demand for oil and gas industry is projected to grow in India which would lead to growth in the production of the subject goods in India. In case of non-imposition of anti-dumping duty, the growth in demand of downstream industry would be taken over by the imports from the subject country.
- n. The Chinese producers acknowledge that their costs and prices are affected by the government intervention which is evident from the fact that barring one, none of the parties have filed for a market economy treatment. This allows them to export at cheaper prices.
- o. The arguments with regard to quality of the goods supplied by the domestic industry have not been raised by the users, but by the exporters of the subject goods.
- p. The goods produced by the domestic industry meet the requirements of the Steel and Steel Products (Quality Control) Order, 2020 dated 22nd December 2020 under the Bureau of Indian Standards Act, 2016.
- q. Since Covid-19 impacted the users as well as the domestic industry, it is necessary that fair competition exists in order to revive the economy.
- r. Contrary to the contention of the interested parties, the domestic industry, and particularly Chandan Steel, has supplied significant volumes to processors.
- s. Contrary to claim of interested parties, the domestic industry always strives to ensure timely delivery. Customer feedback reports received by the domestic industry also show that the domestic industry ensures timely delivery.
- t. The product under consideration accounts for a mere 1.1% of total global steel production and the segment consists of only a few producers. Continuous injury to such producers will force them to shut down their operations which will make India a net importer of subject goods.

J.3. Examination by the Authority

172. The Authority recognizes that the imposition of the anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, the fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of the anti-dumping measures. On the contrary, the imposition of the anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain the availability of a wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of the anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The imposition of the anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict the imports from the subject country in any way and, therefore, would not affect the availability of the product under consideration to the consumers.
173. The Authority considered whether imposition of anti-dumping shall have any adverse impact on the interest of the public. In order to determine such impact, the Authority weighed the impact of the imposition of duties on the availability of the goods in the Indian market, the impact on the users of the product as well as the domestic industry and the impact on the general public at large. This determination is based on the submissions and evidence submitted over the course of the present investigation.
174. The Authority issued initiation notification inviting views from all interested parties, including importers, consumers and others. The Authority also prescribed a questionnaire for the users/consumers to provide relevant information with regard to present investigation, including any possible effects of anti-dumping duty on their operations. The information provided by the domestic industry and the users with regard to public interest have been examined hereinbelow.

175. As noted hereinabove, the imposition of anti-dumping duty does not restrict the availability of imported goods, but only ensures the establishment of a level-playing field. In any case, the Authority notes that there are sufficient capacities with the domestic producers to cater to the demand in the country. Therefore, there is ample availability of the product domestically. Furthermore, there are a number of domestic producers in the country, ensuring sufficient inter-se competition.
176. With regard to the contention that the Authority has not analysed public interest in terms of adverse impact on the downstream industry, the Authority notes that the public interest has been analysed with respect to the interests of all the interested parties including the importers, users, domestic producers as well as the general public. The downstream industry is majorly engaged in importing mother tubes and processing it further to produce cold-rolled tubes and pipes. Since the product under consideration includes both cold rolled products as well as the hot-rolled products / mother tubes, the imposition of anti-dumping duty will equally impact the prices of the raw material as well as finished products. Thus, imposition of anti-dumping duty will not cause any adverse impact on the interest of the downstream industry. Further, the final users of the products have not filed any representation regarding any adverse impact on their interest.
177. As noted in the relevant part of this final findings, protection provided to the domestic industry in form of non-tariff barriers, if any, by the Government of India is not the subject matter of the present investigation. As per the information on record, even after imposition of the non-tariff barriers, the producers in the subject country are dumping in India, which has caused injury to the domestic industry. In such circumstances, the imposition of anti-dumping duty will curb the unfair practice of the exporters and provide level playing field to the Indian industry as well as the exporters from the subject country.
178. The Authority notes that the submissions on quality of the subject goods provided by the domestic industry have been made by the exporters and not the end-users or consumers. All the suppliers of stainless-steel seamless pipes and tubes are obligated to conform to the Indian Standards issued by the Ministry of Steel vide Steel and Steel Products (Quality Control) Order, 2020 under the Bureau of Indian Standards Act, 2016. As per the evidence on record, the domestic industry is maintaining the quality of products as per the Standards issued by the Ministry of Steel.
179. The information provided by the domestic industry further shows that it has supplied goods to processors as well, and that it has received positive feedback from consumers, including with regard to timely delivery of products.
180. Some of the interested parties have contended that Covid-19 pandemic has impacted the downstream industry and imposition of anti-dumping duty will create hardships for the said industry. The Authority notes that Covid-19 pandemic has impacted the downstream industry, the domestic industry as well as the producers and exporters of the product under consideration. Imposition of the anti-dumping duty will create fair competition in the Indian market.
181. With regard to the contention that imposition of anti-dumping duty on imports of mother tubes will increase the cost of production of the processors, the Authority notes that the scope of the product under consideration consists of both mother tubes as well as the cold-drawn tubes. Imposition of duty on the product under consideration will equally impact the importers of mother tubes and cold-drawn tubes, thus, negating any adverse impact on the sales of the processors.
182. Some of the interested parties have contended that if the imposition of anti-dumping duty was in interest of the producers, more producers would have supported the application. The Authority notes that there are seven primary producers of subject goods in India. One of the primary producers is related to an entity in the subject country which has exported to India and is a subject of the present investigation. The application was filed by three domestic producers and was supported by two other producers. In such a situation, majority of producers have supported the application.
183. As per the evidence on record, due to dumping of the subject imports in India, the domestic industry is suffering losses, cash losses and has recorded a negative return on capital employed. The domestic industry is unable to compete with the subject imports due to intensive dumping in India throughout the injury period. Thus, there is a need for imposition of anti-dumping duty which will lead to redressal of injury to the domestic industry. However, the performance of the importers of the product under consideration has improved. The domestic industry has provided information with regard to the performance of processors as below.

Companies	Particulars	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
Heavy Metal and Tubes (India) Private Limited	Profit	94	116	114	111	7
	Revenue	5,641	10,089	18,863	17,742	12,136
MBM Tube Private Limited*	Profit	46	47	37	3,780	3,780
	Revenue	1,799	2,466	3,593	173	173
Krystal Global Engineering Limited	Profit	92	262	629	454	94
	Revenue	6,508	7,555	11,342	8,051	6,894
Shalco Industries Private Limited	Profit	221	280	376	333	340
	Revenue	7,435	5,888	11,286	11,968	9,123
Shublaxmi Metals and Tubes Private Limited	Profit	64	109	259	586	576
	Revenue	7,585	9,024	13,056	13,568	10,474
Venus Pipes & Tubes Private Limited	Profit	29	301	426	604	3,095
	Revenue	2,739	6,825	13,792	17,781	30,933
Maxim Tubes Company Private Limited	Profit	601	613	945	712	952
	Revenue	29,541	30,591	38,064	32,156	35,807
Ratandeep Metal and Tubes Limited	Profit	402	359	595	809	556
	Revenue	8,958	9,898	14,632	17,029	13,796
Patels Airflow Limited	Profit	64	219	319	240	223
	Revenue	1,789	3,480	5,247	4,538	4,014
Total	Profit	1,613	2,306	3,699	7,628	9,624
	Revenue	71,993	85,815	1,29,876	1,23,006	1,23,349

* Since the financial statements of MBM Tube Private Limited were not available for 2020-21, the figures for 2020-21 have been considered to be equal to that for 2019-20

184. As regards the claim that domestic industry refuses to supply to secondary producers, the Authority notes that the evidence placed on record by the secondary producer does not pertain to the domestic industry but another producer of subject goods, who is not before the Authority. Further, the evidence pertains to only one secondary producer and one domestic producer, and thus, cannot be considered reflective of the overall situation. None of the other secondary producers have placed any evidence on record regarding the refusal of the domestic industry to supply mother tubes. In any case, since the product under consideration covers the products produced by the secondary producers, they cannot be adversely impacted by imposition of anti-dumping duty.

K. POST-DISCLOSURE COMMENTS

K.1. Submissions made by the other interested parties

185. The following post disclosure submissions have been made by the other interested parties: -

- While the Authority has examined captive consumption for hot-drawn and cold-drawn pipes and tubes, there is a distinction in mother tubes (42 mm dia and above) and smaller tubes (42 mm dia or below). Both hot-drawn and cold-drawn processes involve manufacturing through round bars / billets. Mother tubes are captively used to manufacture smaller tubes. The Authority may undertake separate injury analysis including and excluding captive consumption.
- Since Welspun is a new producer, the Authority may examine injury to Welspun in the form of material retardation.
- Imports by Tubacex are substantial and more than 50% of sales by the domestic industry in 2019-20. In the anti-dumping investigation on imports of Aluminium Foil from China PR, the Authority held that the applicant cannot constitute domestic industry if the volume of imports by the company increased after the period of investigation.

- d. The Anti-Dumping Rules and Anti-Dumping Agreement do not entitle the Authority to define domestic industry based on cooperation by Indian producers. Indian producers such as Ratnamani, Jindal Saw and Lal Baba Seamless Tubes, should be included within the scope of the domestic industry.
- e. While the Authority noted that complete information has not been provided by Tsingshan regarding finish of product, the producer had already reported in the response that it is a manufacturer of cold finished stainless steel seamless tubes and pipes. The same is also evident from its website, export documents and communications with customers.
- f. Tsingshan misunderstood the clarification sought by the Authority, in that it understood that the Authority requires identification of whether the product is polished or painted, and not whether hot finished or cold finished.
- g. The Authority has not provided the underlying raw data and the basis of arriving at the conclusion that export data submitted by Sandvik does not match the DG Systems data.
- h. The amount paid by Sandvik China to the Indian entity has been disclosed in the response. Since it is not related to the exports made to India, it is not included in the direct expenses in Appendix 3A. The products exported by Sandvik are precision products with specialized applications and thus, command a higher price in the Indian market.
- i. In case, DG Systems data is the only authentic source, there is no need of exporters to participate and the Authority should use DG Systems data for determination of margins, as done in the case of alloy road wheels.
- j. The difference between the export data reported by exporters and DG systems data is likely due to difference in time of reporting of data.
- k. The breakdown of DG System data may be disclosed in order for the exporters to provide clarification of differences.
- l. The Authority has rejected some responses based on the fact that these exporters are not producers. However, these are in fact manufacturers of the subject goods.
- m. The dumping margin and injury margin are very high as they are based on inflated normal value and non-injurious price. Imposition of such high duties will make exports to India unviable and will increase the demand-supply gap in India.
- n. The Authority should adopt actual profit earned by the domestic industry during the period when dumping was not alleged and not 22% return on capital employed.
- o. All the subject goods exported by Shengtak to India are cold finished which is evident from the inspection certificate and Chinese Customs Declaration Form. Since the price of cold-processed goods are higher and is compared to cold-processed product, the producer had no reason to incorrectly report a hot-processed product as cold-processed.
- p. Since manufacturing from hot-rolled billets is one of the key processes involving huge value addition, and hot-rolled billets do not form part of the product scope, it cannot be said that Dingshang, Jinxin, Junda and Xingtongda are not producers of the subject goods. The starting point of other Chinese producers and the domestic industry is also the same.
- q. Dinshang and Xingtongda had reconciled the Indian customs data and the data submitted by them and explained that the difference was on account of the fact that Indian customs data does not capture imports based on product dimensions, leading to inclusion of NPUC.
- r. The Authority is requested to determine dumping margin and injury margin as well as recommend duty at PCN levels.
- s. While the Authority has noted that there is a difference in volume of goods exported to India in EQR and import data filed by Jinxin and Junda, the same was not intimated to the producers and they were not allowed an opportunity to explain the same. Further, authorization to procure Indian customs data was also not provided to the producers.
- t. The actual domestic demand is higher than the demand assessed by the Authority as it does not include the demand for mother pipes captively consumed by the domestic industry.

- u. The audit reports of Maxim and sample purchase invoices of Heavy Metal, showing that they produce the goods using billets, have already been provided. Both the companies were not asked to provide any other evidence.
- v. Reliance should not be placed on EU Anti-Fraud Office report as the data used in this report is not available to the Authority and the other interested parties, the investigation period considered in the report is different from the period of investigation, only some producers participated in the investigation and Maxim has already expanded its production process and has become backward integrated.
- w. The domestic industry has claimed that the injury is due to subsidization in the form of government support in China PR.
- x. The captive consumption of Ratnamani has increased. If the captive consumption for domestic industry has also increased, it means that there is change in pattern of trade.
- y. While the Authority has noted that domestic industry did not go through any significant shutdowns during the pandemic, the operations of Tubacex were affected by the shutdown of its plants and manufacturing units.
- z. Jiangsu Wujin has supplied 94% exports to BHEL against global tenders issued by the importer. Treatment of Jiangsu Wujin as non-cooperative based on the data available only with the Authority is in violation of principles of natural justice and Rule 16. Even after repeated requests by the producer, the Authority has not provided transactions from the DG Systems data.
- aa. Jiangsu Wujin has made exports to India prior to the period of investigation which might have arrived at the Indian port at a later date. Further, the DG Systems data may also include imports of NPUC.
- bb. The Authority did not raise any issues regarding the mismatch of data submitted by Jiangsu Wujin and DG System data at the time of desk verification and verified more than 85% of export transactions reported by the exporter.
- cc. Since DG Systems is not an interested party, confidentiality on such data cannot be claimed under Rule 7 of the Anti-Dumping Rules.
- dd. As per the practice of the Authority, injury to Welspun should be analysed considering quarterly or monthly performance of the new entrant.
- ee. Jiangsu Wujin requested for segregated injury data of the domestic producers but has not received a reply in this regard.
- ff. Instead of sharing actual figures for demand, domestic sales, export sales, capacity utilization, capacity, adjusted capacity and production, only indexed figures have been provided, even though such information was disclosed by the domestic industry.
- gg. The Authority has claimed even the trends of profits, cash profits, return on capital employed and EBIDTA confidential.
- hh. The Authority has provided no basis of arriving at the conclusion that earlier the product under consideration was being imported into India for re-exports to other countries.
- ii. Conclusions that the capacity in India is enough to cater to entire demand and there is no-demand-supply gap in India, but the share of Indian producers is only 25% of demand is contrary to each other.
- jj. Sandvik has clarified in a meeting dated 18th August 2022 that the difference between DG Systems data and data submitted by the exporter can be correlated on sharing of DG System data.
- kk. There is no need for participation of the producer of intermediate product and no adverse inference can be drawn upon such non-participation. The Authority did not send exporters questionnaire to the Indian entity as it is a domestic producer and not a foreign producer.

- ll. Since market economy treatment for Sandvik has been denied, there is no requirement for the producer of the intermediate product to participate. The Authority will not consider the cost of production of the Chinese exporter for determination of dumping margin.
- mm. Sandvik may be given requisite information to be procured from the Indian entity and time to convince the Indian entity to furnish such information.
- nn. Since the Authority has not provided the complete unfiltered DG Systems data to Sandvik, the exporter has correlated the export transactions to the extent possible. Some transactions could not be correlated as DG Systems data is bill of entry wise which may club more than one invoice as a bill of entry. The Authority may provide invoice wise / bill of entry wise import data.
- oo. Other reasons for DG Systems data not correlating may be that some imports may have been made in SEZ or non-EDI locations, supplier names may not have been correctly captured and there could be a time lag of 5-6 weeks for transactions to reflect as imports into India.
- pp. Sandvik has provided names of Indian customers and independent enquiries may be made with them to verify import data submitted by the exporter.
- qq. Sandvik has claimed higher imports than reported in DG Systems data, hence, no information has been suppressed by the exporter.
- rr. While the Authority has concluded that Suraj Limited has imported substantial quantity of the subject goods, there is no actual evidence on record. The Authority has not shared or disclosed the source of such information.
- ss. No information was placed on record by the Authority regarding support by Ratnamani after initiation. The data submitted by the company is claimed confidential by the domestic industry, even though Ratnamani has itself not asked for such confidentiality.
- tt. While the Authority has concluded that Lal Baba has supported the application, but such support letter was never circulated to the interested parties, hence, Lal Baba should not be treated as a domestic producer.
- uu. While the present investigation was initiated considering the production of Sandvik Asia Private Limited, its production was later excluded from the total Indian production merely because it did not participate. The petitioners knew the relationship of the exporter with the Indian entity beforehand.
- vv. Evidence has been submitted regarding production capacity of various Indian producers which suggested huge unreported production. The Authority has not disclosed the methodology of determining the total domestic production in India.
- ww. The production of non-supporting producers is inaccurate as despite having twice the capacity of the petitioners, such producers are producing less than 33% of total Indian production. The Authority should independently verify the total production of product under consideration in India.
- xx. The Authority did not conduct desk-verification for Sandvik which is illegal and arbitrary.
- yy. Injury to the domestic industry is due to focus on exports and decline in exports during the period of investigation.

K.2. Submissions made by the domestic industry

186. The following post disclosure submissions have been made by the domestic industry: -

- a. The actual figures for capacity, capacity utilization, production, sales and total demand as well as trends for profits/losses, cash profits and return on investment may be disclosed.
- b. Since the normal value is based on cost of production in India, the same may be disclosed with the domestic industry.
- c. Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd. filed separate Appendix – I for its different branches, however, this is not as per the practice of the Authority as different branches do not have the locus standi to participate individually. A cumulative Appendix – I has to be submitted.

- d. Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd. has filed misleading information as it has submitted that it receives orders over WhatsApp, but WhatsApp is banned in China PR. Since this information is false, it leads to a doubt regarding the credibility of other information provided.
- e. Zhejiang Dingshang Stainless Steel Co., Ltd.; Zhejiang Jinxin Stainless Steel Manufacture Co., Ltd.; Zhejiang Junda Steel Pipe Manufacturing Co., Ltd.; and Zhejiang Xintongda Special Steel Manufacturing Co., Ltd., have submitted unreliable data as the volume of exports as well as type of goods exported do not correspond to the Indian customs data. Thus, the responses filed by these entities should be rejected.
- f. The Authority may specify the difference between the data provided by the exporters and the Indian customs data.
- g. While the capacities of the domestic industry increased, the price of the subject imports declined. Although there is no demand-supply gap in India, but considering the underutilized capacities of the domestic producers, there is no justification of decline in landed price in a situation that there is a demand-supply gap in India.
- h. The volume parameters of the domestic industry have improved at the expense of the profitability of the domestic industry. While the volume of sales has increased, the per unit losses have also increased over the injury period.
- i. The capacity utilization of the domestic industry is low throughout the injury period as it is unable to capture market due to dumped imports.
- j. The domestic industry has undertaken substantial exports in order to reach economies of scale. In case, the domestic industry would have depended totally on domestic sales, the losses would have been much higher.
- k. Normation of captive raw material is not as per Annexure III of the Anti-Dumping Rules and actual value must be considered.
- l. Net fixed assets considered for determination of non-injurious price should be as per the books of accounts of Tubacex Prakash India Private Limited which takes into account the actual amount paid by the company.
- m. Non-operating incomes should not be considered by the Authority for determination of non-injurious price.

K.3. Examination by the Authority

187. The Authority has examined the post disclosure submissions made by the domestic industry and the other interested parties and notes that some of the comments are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of the final findings. The issues raised for the first time in the post-disclosure comments/submissions by the interested parties and the domestic industry and considered relevant by the Authority are examined below.
188. Pursuant to the issuance of disclosure statement, SSPTMA along with Heavy Metal and Maxim Tubes filed a writ petition before the Hon'ble High Court of Gujarat on the grounds that, inter-alia, their submissions and documents submitted before the Authority, particularly their rejoinder submissions dated 22nd March, 2022 have not been referred to and considered in the disclosure statement. The Hon'ble High Court of Gujarat while disposing the writ petition no. 17982/2022 in its order dated 09th September, 2022 took note of the submissions made by Ld. ASG that all the submissions and documents filed by the petitioners will be considered by the Authority before issuing the final findings. Further, the Hon'ble High Court of Gujarat also granted liberty to the petitioners to resubmit the documents.
189. With respect to the argument of SSPTMA along with Maxim Tubes Company Private Limited ("Maxim") and Heavy Metal & Tubes India Private Limited in the writ petition no. 17982/2022 before the Hon'ble High Court of Gujarat that their rejoinder submissions dated 22nd March, 2022 had not been considered, the Authority notes that the rejoinder submissions were already considered by the Authority while issuing the disclosure statement. However, as directed by the Court these have again been considered before issuing these final findings.

190. The Authority notes that in the said writ petition, these two companies have claimed that they provided audit reports as well as sample purchase invoices as exhibits to the rejoinder submissions so that it could be verified that they are producing the PUC from its raw materials and are backward integrated. In this regard, the Authority takes note of the evidence submitted by Maxim Tubes and Heavy Metal in their rejoinder submission, comments to the disclosure statement and further submissions vide email dated 13th September, 2022. As per the documents submitted, the Authority concludes that these companies produce the PUC from billets/round bars during the investigation period. However, as these companies have also imported the PUC during the POI, both the companies have not been considered as part of the domestic industry.
191. The Authority also notes the arguments of the other member companies of SSPTMA who have filed questionnaire responses and their claim to be the domestic manufacturer of the PUC. In this respect, these companies have submitted additional documents vide email dated 13th September, 2022. In its analysis, the Authority notes that these companies are secondary manufacturers of the PUC wherein either they procure mother pipes/ tubes domestically or import the same. While they do undertake significant value addition and have also submitted certificates/ other authentic documents concerning the POI, it is also a fact that these companies have imported the PUC during the POI and thus, have not been considered as part of the domestic industry.
192. With regard to the contentions that the DG Systems data has not been provided, the Authority notes that the Authority has provided the specific transactions of the exporters from the DG Systems data post issuance of the disclosure statement.
193. Some of the interested parties have contended that DG Systems data cannot be considered the only authentic source. The Authority notes that in a case where the data filed by the exporters is drastically different from that reported in the Indian customs data, the Authority is more inclined to rely on the Indian customs data, as this data is from a known reliable source.
194. With regard to the contention that the submission of the other interested parties regarding mother tubes and smaller tubes are not like article has not been examined, the Authority notes that said contention raised by the other interested parties has already been examined in the relevant section of this final findings.
195. Some of the interested parties have contended that there is a difference between mother tubes and smaller tubes and separate injury analysis is required including and excluding captive consumption. The Authority notes that mother tubes are hot-rolled products which may be sold directly to the end-users or processed further to manufacture cold-rolled products or smaller tubes. Since both hot-rolled and cold-rolled products fall within the scope of the product under consideration, use of hot-rolled product to manufacture cold-rolled product cannot be considered as captive consumption.
196. Some of the interested parties have contended that the normal value and non-injurious price have been inflated. The DI on the other side contended that NIP has been determined on the lower side. The Authority notes that the normal value and non-injurious price have been determined as per the consistent practice of the Authority and the facts available. The non-injurious price has been determined based on the principles laid down in Annexure – III of the Anti-Dumping Rules. Further, the Authority has constructed normal value based on the cost of production in India as no information was available with the Authority regarding determination of normal value under any other method. Neither the domestic industry nor any other interested parties have provided any information with regards to an appropriate market economy third country or the price in such country which could have become the basis of determination of normal value.
197. With regard to the contention of the amount paid by Sandvik China to its related Indian entity, the Authority notes that the Authority had raised a query regarding the purpose of payment of such amount. The exporter has submitted that the said amount is not related to direct exports to India and the customers directly approach the exporter for orders. The purpose of payment of such amount is not clear. The exporter has failed to provide an explanation on the nature and reason of such expense even after the Authority issued a query regarding the same. In such a situation, the Authority concludes that the response filed by the exporter cannot be accepted.

198. With regards to the contention that Sandvik has clarified all the issues raised by the Authority, the Authority notes that during the meeting dated 18th August 2022, the exporter was advised to file a detailed written reply to the issues raised by the Authority within the stipulated time. The Authority had granted three days for making such submissions. However, no written reply was received from the exporter regarding the same before issuance of the disclosure statement. Sandvik has filed a written reply regarding the said issues on 30th August 2022, that is, post issuance of the disclosure statement. Further, the exporter has not furnished any evidence along with the reply and accordingly, the Authority does not accept the same.
199. With regard to the submissions that there is no need for the related producer of Sandvik situated in India to participate in the present investigation, the Authority notes that the exporter is required to prove procurement of raw material at arm's length prices from the related entity. In the present investigation, Sandvik Materials Technology (China) Co., Ltd., has not established the same. The role of the Indian entity becomes starker as it has provided the major raw material to the exporter.
200. Sandvik has submitted that the DG Systems data is not correlating with the export transactions as only filtered data has been provided to the exporter. The Authority notes that all the producers/exporters were provided the same set of DG Systems data pertaining to their own export transactions. While most of the other exporters from the subject country were able to reconcile such transactions and provide legitimate reasons for mismatch, Sandvik was unable to do so. The Authority has accepted the response of the exporters which have reconciled their export data with the DG Systems data. However, the Authority concludes that since there is major deviation between the DG Systems data and the export data filed by the exporter and the exporter is unable to provide reasons for such mismatch, the response by such producer cannot be accepted.
201. As regard the contention that there is no evidence that Suraj Limited has imported substantial quantities, the Authority notes that as per the DG Systems data Suraj Limited has imported the subject goods from the subject country during the period of investigation. Suraj Limited is a major importer in India and the focus of the company is importation and not production.
202. With regard to the contention that the Authority did not place any information on record regarding support by Ratnamani, it is noted that the support letter filed by Ratnamani was circulated to all the interested parties along with the petition filed by the domestic industry. The data in the support letter is business proprietary information of one of the domestic producers in India and thus, it cannot be shared with the other interested parties. The Authority has therefore, accepted the confidentiality claims on such data.
203. As regards the support letter of Lal Baba is concerned, the Authority notes that the same was filed by the producer itself on confidential basis. Since the Authority has informed all the other interested parties regarding the support expressed by the domestic producers and the figures in the support letter are confidential in nature, no prejudice has been caused to the interest of any interested party.
204. Some of the interested parties have contended that while the investigation was initiated considering the production of Sandvik Asia Private Limited, the Authority notes that the petitioners had determined standing based on the total Indian production including the production by Sandvik Asia Private Limited at the time of filing the petition. The Authority had prima facie concluded that the petitioners account for major proportion of Indian production and thus, eligible to constitute domestic industry at the time of initiation. However, during the course of the investigation and taking into account the submissions made by various entities, it is noted that Sandvik Asia Private Limited was related to a Chinese exporter which had exported major quantities to India. Thus, in light of the past practice of the Authority, the production of Sandvik Asia Private Limited was excluded from determining the total domestic production of the domestic industry.
205. As regards the contention that evidence has been placed on record regarding the production capacity of Indian producers and the Indian production has been determined incorrectly, the Authority notes that the other interested parties have provided the capacities of the Indian producers and not the actual production. Further, it is noted that the capacity provided for some of the Indian producers is the combined capacity for various products and not just the product under consideration. Thus, such information cannot be relied upon. In order to determine standing of the domestic industry, the Authority has to determine the share of the petitioners in the total production in India. The Authority has determined the production of Indian producers barring Jindal Saw Limited based on the

information submitted by them. Since no other interested parties has provided any information regarding the production of Jindal Saw Limited, the Authority has relied upon the information on record.

206. Some of the interested parties have contended that Rules do not allow to disregard the production of a domestic producer for determining the total Indian production due to its relationship to an exporter. The Authority notes that standing under Rule 5 is required to be determined with reference to production of domestic industry, which has been defined under Rule 2(b) as discretion to exclude those producers which are related to the exporters or importers of dumped articles or are themselves importers. Accordingly, the production of Sandvik Asia Private Limited has not been considered for determining the standing of domestic industry due to its affiliation with an exporter in subject country which is engaged in exports to India.
207. With regards to the submission that the Authority has not conducted desk verification for Sandvik, the Authority notes that desk-verification was duly conducted in the present investigation. The Authority had issued a letter on 23rd March, 2022 regarding the documents and information to be furnished by the exporter in order to verify the data submitted. The desk verification was carried out thereafter too.
208. As noted in the relevant section of the final findings, the injury to the domestic industry is not due to export performance as the Authority has only analyzed the performance of the domestic industry in terms of domestic sales.
209. With regard to the submissions that trends for profitability of the domestic industry and actual figures for demand, domestic sales, export sales, capacity utilization, capacity, adjusted capacity and production should be shared, the Authority notes that the same have been shared in this final finding.
210. Some of the interested parties have contended that the injury to Welspun should be examined in the form of material retardation. The Authority notes that the domestic industry requested to examine injury to Welspun in form of material retardation. However, the Authority concludes that since the industry for the product under consideration is already established in India, material retardation cannot be claimed in respect of Welspun. Thus, the contentions raised by the other interested parties post disclosure that the injury to Welspun should be examined in the form of material retardation cannot be accepted.
211. As regards the claim of the other interested parties that Ratnamani, Jindal Saw and Lal Baba Seamless Tubes should be included as part of the domestic industry, the Authority notes that it is required to examine whether the applicant domestic industry before it accounts for a major proportion of the total production so as to constitute domestic industry under Rule 2(b). It cannot compel any party, including other domestic producers, to participate in the investigation.
212. Some of the interested parties have contended that Tubacex should not be considered within the scope of the domestic industry as it has imported the subject goods. The Authority notes the issue has been examined in the relevant part of this final findings. With regards to the issue that the Authority excluded the domestic producer from the scope of the domestic industry in the anti-dumping investigation on imports of Aluminium Foil from China PR, as the imports increased post the period of investigation, the Authority notes that the facts of the said investigation were different from the present investigation. The domestic producer was excluded from the scope of the domestic industry as it had made imports during the period of investigation and had not provided any justification for the same. However, in the present investigation, no imports have been made by Tubacex during the period of investigation and hence, Tubacex has been included within the scope of the domestic industry.
213. With regard to the contention that reliance should not be placed on the EU Anti-Fraud Office report, the Authority notes that data placed in the report has not been relied upon. The Authority has noted that according to the report, the subject goods imported from the subject country have been re-exported to the European Union in the previous years.
214. As regards the demand-supply gap in India, the Authority notes that as per the information on record the capacities of the domestic industry are enough to cater to the entire demand in India. The demand-supply gap has to be looked at with respect to the capacities installed in India and not the production of the Indian producers. Even though the petitioners account for 50-60% of the production in India, the capacity of all the manufacturers together is much more.

215. Some of the interested parties have contended that the domestic industry has claimed injury based on subsidization of the subject goods in China PR. The Authority notes that the domestic industry has filed an application for imposition of anti-dumping duty against dumped imports in India. The Authority has analyzed dumping, injury and causal link. The conclusion arrived at by the Authority do not pertain to subsidization of the subject goods, if any, in China PR.
216. As regards the claim that the domestic demand is higher as it does not include the demand for mother pipes captively consumed by the domestic industry, the Authority notes that since the product under consideration includes both mother pipes and cold-rolled products, consumption of mother pipes to manufacture cold-rolled product cannot be treated as captive consumption. Since the demand includes the cold-rolled product sold by the domestic industry as well as imported into the country, mother pipes sold in the domestic market by the domestic industry and those imported from the subject country, the demand has been correctly assessed. Inclusion of mother pipes used by the domestic industry to manufacture cold-rolled product in demand will lead to double counting of the same product.
217. With regards to the submission that the injury to the domestic industry is due to shutdown of Tubacex due to COVID, the Authority notes that the plant of the petitioner was shut down for only 13 days during the period of investigation. Such a short period of shut down cannot be considered for causing injury to the domestic industry.
218. Some of the interested parties have contended that 22% return on capital employed is not appropriate. The Authority notes that the return on capital employed allowed to the domestic industry is as per the consistent practice of the Authority.
219. With regards to the contention that anti-dumping duty should be recommended at PCN levels, the Authority notes that the PCNs have been devised in the present investigation for the purpose of fair comparison of export price and normal value. However, no evidence has been placed on record regarding the need for determination of anti-dumping duty at PCN levels. Hence, the Authority concludes that the anti-dumping duty is recommended based on the lesser duty rule and weighted average of margins determined for the cooperating and non-cooperating producers.

L. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS

220. Having regard to the contentions raised, information provided, submissions made and the facts available before the Authority as recorded above, the Authority concludes that:
 - i. The applicant constitutes domestic industry under Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the requirements under the rules.
 - ii. There is dumping of the subject goods from the subject country. The dumping margin is positive and significant.
 - iii. The imports are undercutting the price of the domestic industry in the period of investigation. Price undercutting is significant.
 - iv. The subject imports are priced below the cost of sales and the selling price of the domestic industry, causing price depression and suppression.
 - v. The domestic industry is unable to sell its products at remunerative prices. The selling price of the domestic industry has remained below its cost of sales.
 - vi. Though the production, capacity utilisation, sales of the domestic industry have increased during the POI, yet the domestic industry is operating at less than the optimum capacity utilisation.
 - vii. The domestic industry has suffered cash losses throughout the injury period.
 - viii. The domestic industry is not earning any return on its capital employed. The return on capital employed throughout the injury period is negative.
 - ix. The imports have impacted the ability of the domestic industry to raise capital investments for the product under consideration.
221. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, Embassy of the subject country, exporters, importers and the other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping,

injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is required to offset dumping and the consequent injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of the definitive antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder for a period of 5 years.

222. In terms of the provision contained in Rule 4(d) & Rule 17(1) (b) of the Rules, the Authority recommends imposition of the anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 7 of the Duty Table below is recommended to be imposed for five (5) years from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of the subject goods described at Column 3 of the Duty Table, originating in or exported from China PR.

Duty Table

S.No.	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Bangnuo Steel Pipe Co., Ltd.	114	MT	USD
2	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Zhejiang HongQuan Stainless Steel Co., Ltd. and Zhejiang Yinlong Stainless Steel Co., Ltd. and Zhejiang Yinlai Steel Tube Co., Ltd.	886	MT	USD
3	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Wenzhou Sodo Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.	1,492	MT	USD
4	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Huatian Stainless Steel Manufacturing Co., Ltd.	1,005	MT	USD
5	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Yi Jia Wang Steel Tube Co., Ltd.	3,191	MT	USD
6	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Jiuli Hi-Tech Metals Co., Ltd.	Nil	MT	USD
7	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Huadi Steel Group Co., Ltd.	Nil	MT	USD

8	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Jiangsu Wujin Stainless Steel Pipe Group Co., Ltd.	Nil	MT	USD
9	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Tsingshan Steel Pipe Co., Ltd.	Nil	MT	USD
10	7304	Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes**	Any country including China PR	Any country including China PR	Non-cooperative / residual exporters	3,801	MT	USD

*** Stainless-Steel Seamless Tubes and Pipes with diameter up to and including 6 NPS, or comparable thereof in other unit of measurement, whether manufactured using hot extrusion process or hot piercing process and whether sold as hot finished or cold finished pipes and tubes, including subject goods imported in the form of defectives, non- prime or secondary grades. "*

223. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

M. FURTHER PROCEDURE

224. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

ANANT SWARUP, Designated Authority